सूर्योदय 6.18 सूर्यास्त 6:01

आज का तापमान

शिमला	15.0 न्यू	22.0 अधि
धर्मशाला	17.0 न्यू	26.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	72,382
निफ्टी	22,556

सोना 1,48,000 चांदी 2,23,200

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | मंगलवार, 6 अक्तूबर 2026 | 20 अश्विन, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 162, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

इंडिगो में आज से सफर होगा महंगा फ्यूल चार्ज बढ़ाया

एजेंसी, नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की फ्लाइट्स मंगलवार से महंगी हो जाएंगी। एयरलाइन ने घरेलू उड़ानों में 1300 तक और इंटरनेशनल फ्लाइट्स में 10,000 तक एक्स्ट्रा फ्यूल चार्ज लगाने का ऐलान किया है। नई कीमतें 6 अक्तूबर रात 12:01 बजे से लागू होंगी। इंडिगो ने छह महीने में तीसरी बार फ्यूल सरचार्ज बढ़ाया है। इससे पहले एयरलाइन ने इस साल 14 मार्च और फिर 1 अप्रैल को किराया बढ़ाया था। एयरलाइन के मुताबिक, यह फैसला एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) यानी जेट फ्यूल महंगा होने से लिया गया है।

रूस में अज्ञात वायरस से लैब कर्मी की मौत 200 लोग क्वॉरेंटाइन

एजेंसी, मॉस्को। रूस में 28 साल की महिला कर्मचारी की मौत के बाद उसके संपर्क में आए करीब 200 लोगों को मेडिकल निगरानी में रखा गया है। महिला साइबेरिया के एक एंटी-प्लेग रिसर्च इंस्टीट्यूट में काम करती थी। स्थानीय रिपोर्टों के मुताबिक, 25 सितंबर को लैब में काम करते समय उससे जीवित जैविक नमूनों वाली एक टेस्ट ट्यूब टूट गई थी। 29 सितंबर को तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां हालत गंभीर होने पर वेंटिलेटर पर रखा गया। इलाज के दौरान 1 अक्तूबर की रात उसकी मौत हो गई।

ममता का 3 अस्पतालों को कानूनी नोटिस

एजेंसी, कोलकाता। 2021 में विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान पैर में फ्रैक्चर का दावा करने वाली ममता बनर्जी ने सोमवार को 3 अस्पतालों को कानूनी नोटिस भेजा है। उन्होंने पूछा है कि उनके इलाज से जुड़े मेडिकल रिकॉर्ड पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी तक कैसे पहुंचे। यह मामला तब सामने आया है, जब शुभेंदु ने 3 अक्टूबर को आरोप लगाया कि ममता ने 2021 के चुनाव के दौरान अपनी चोट को लेकर गलत दावे किए थे। उन्होंने कहा कि वे इस मामले की जांच कराएंगे। दरअसल, 10 मार्च 2021 को नंदीग्राम में विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान ममता घायल हुई थीं।

यूपी में भाजपा के आठों राज्यसभा कैंडिडेट नए

एजेंसी, लखनऊ। यूपी में भाजपा ने राज्यसभा चुनाव के लिए सोमवार दोपहर 8 उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया। सभी नए उम्मीदवार हैं। इनमें 2 महिलाएं हैं। इनमें 2 ब्राह्मण, 1 ठाकुर, 3 पिछड़े और 2 दलित हैं। पिछड़े वर्ग में एक लोधी, एक कुर्मी और एक पाल समाज से हैं। वहीं, दलित वर्ग में एक खटीक और एक पासी समाज से हैं। पीएम मोदी के मंत्रिमंडल में शामिल बीएल वर्मा और हरदीप सिंह पुरी का टिकट काट दिया गया है। दिनेश शर्मा अंडमान निकोबार के राज्यपाल बनाए गए हैं। मौजूदा राज्यसभा सांसद नीरज शेखर, सीमा द्विवेदी, बृजलाल, गीता शाक्य, अरुण सिंह को दोबारा मौका नहीं मिला है। यूपी में राज्यसभा की 31 सीटें हैं। इनमें 10 सीटों पर 16 अक्तूबर को चुनाव होना है। 6 अक्तूबर को नामांकन का आखिरी दिन है।

सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य चुनाव आयुक्त को निलंबित करने से किया इनकार

फॉर्म-6 में बदलाव को मंजूरी नहीं दी, देखेंगे किसने किया बदलाव

एजेंसी, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को निलंबित करने का अंतरिम आदेश देने से इनकार कर दिया। उन पर एसआईआर से जुड़े करीब 14 फैसले दो अन्य चुनाव आयुक्तों की सहमति के बिना लेने का आरोप है।

सुप्रीम कोर्ट ने इन आरोपों पर चुनाव आयोग से जवाब मांगा है। कोर्ट ने कहा कि अगर फैसले बिना सहमति के लिए पाए गए, तो उन्हें वापस लिया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'फॉर्म-6 के किसी भी संशोधन को हमने मंजूरी नहीं दी है। हम यह देखेंगे कि इसमें किसने बदलाव किया।' दरअसल, 9 दिन पहले चुनाव आयोग ने कहा था कि एसआईआर के लिए फॉर्म-6 के साथ लगाए गए डिक्लेरेशन को सुप्रीम कोर्ट से मंजूरी मिली है। एसआईआर के अलावा सामान्य अवधि में वही फॉर्म इस्तेमाल किए जाएंगे, जो मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 के तहत तय हैं। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि कोई खबर 100% सही, आंशिक रूप से सही या गलत हो सकती है। इसलिए सिर्फ मीडिया रिपोर्ट के आधार पर सीईसी को सस्पेंड करने का अंतरिम आदेश नहीं दिया जा सकता। पहले चुनाव आयोग का जवाब और रिकॉर्ड देखना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग के फैसले सर्वसम्मति या बहुमत से लिए जाने चाहिए। यानी तीन सदस्यीय आयोग में किसी एक सदस्य का अकेले फैसला पूरे आयोग का फैसला नहीं माना जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पहले रिकॉर्ड देखना होगा। सिर्फ आरोप के आधार पर यह नहीं माना जा सकता कि सभी फैसले सीईसी ने अकेले लिए थे। सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिया कि अगर रिकॉर्ड से पता चलता है कि कोई फैसला जरूरी प्रक्रिया के बिना लिया गया था, तो उस पर रोक लगाने पर विचार किया जा सकता है।



◆ अखबार की खबर के आधार पर आदेश नहीं दे सकते

चुनाव आयोग, केंद्र, सीईसी को भेजा नोटिस

सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने याचिका पर केंद्र सरकार, चुनाव आयोग, सीईसी ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी, डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर मनीष गर्ग और डीजी (आईटी) सीमा खन्ना को नोटिस जारी किया और 4 हफ्ते में जवाब मांगा।

हिमाचल की कबड्डी खिलाड़ी पुष्पा, भावना ज्योति को 1-1 करोड़ व सरकारी नौकरी



अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमाला। एशियाई खेलों में गोल्ड मेडल विजेता टीम का हिस्सा रहीं हिमाचल प्रदेश की कबड्डी खिलाड़ियों को सीएम सुक्खू ने एक-एक करोड़ रुपए देने का एलान किया है।

मुख्यमंत्री ने साथ ही हिमाचल पुलिस में इंस्पेक्टर रैंक की नौकरी देने की भी घोषणा की है। भावना ठाकुर, पुष्पा राणा और ज्योति को एक-एक करोड़ रुपये व नौकरी दी जाएगी। रितू नेगी पर सरकार बाद में फैसला लेगी। रितु नेगी की हरियाणा में शादी हो गई है व उन्हें वहां की सरकार से पुरस्कार मिल रहा है। भारतीय महिला कबड्डी टीम की कप्तान पुष्पा राणा सहित प्रदेश की खिलाड़ियों ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से मुलाकात कर 33 लाख रुपए की घोषित इनामी राशि बढ़ाकर एक करोड़ रुपए करने और डीएसपी रैंक की नौकरी देने की मांग की।

मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों की मांगों पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए उन्हें पूरा करने का आश्वासन दिया। बताया जा रहा है कि सीएम सुक्खू ने रेणुका ठाकुर के लिए भी घोषणा की है। भारतीय क्रिकेट टीम का हिस्सा रहीं रेणुका ठाकुर को भी सरकार एक करोड़ रुपए का पुरस्कार देगी। पहले सरकार ने कबड्डी प्लेयर्स को 33-33 लाख रुपए देने की घोषणा की थी, जिस पर कप्तान पुष्पा राणा व अन्य खिलाड़ियों ने नाराजगी जताई थी। उन्होंने सरकार से गोल्ड मेडल जीतने पर कम से कम एक-एक करोड़ रुपए देने की मांग की थी। सोमवार को शिमला में सीएम सुक्खू से मुलाकात के बाद उन्होंने यह एलान किया।

अपराधियों में मौत का डर पैदा करना जरूरी : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में नाबालिगों से गैंगरेप की 3 घटनाओं पर कहा, 'जब तक अपराधी के मन में मौत का डर नहीं होगा, तब तक ऐसे अपराध नहीं रुकेंगे।' सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से कहा कि केवल चीजों को कागज पर लिखना पर्याप्त नहीं है, सख्त कार्रवाई करनी होगी। जस्टिस पारदीवाला और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने कहा कि जरूरत पड़ने पर सख्त होने से हिचकिचाएं नहीं। बेंच ने कहा कि कुछ लोग अनुच्छेद 21 यानी मानव अधिकार का हवाला देकर सवाल उठाएंगे, लेकिन पुलिस को अपना कर्तव्य निभाना होगा। इसके बाद दिल्ली पुलिस और गृह मंत्रालय से 4 हफ्ते में जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में 4 अगस्त से 21 सितंबर के बीच ग्रेटर नोएडा-दिल्ली बस, आस्था कुंज पार्क और स्वरूप नगर में रेप की 3 घटनाओं पर स्वत: संज्ञान लिया था। इस मामले में पहली सुनवाई 28 सितंबर को हुई थी।

निवेशकों के लिए नया द्विपक्षीय निवेश संधि ढांचा तैयार, जल्द मिलेगी कैबिनेट मंजूरी : सीतारमण

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) का नया ढांचा तैयार है। इसे निवेशकों के लिए अधिक अनुकूल बनाने के उद्देश्य से जल्द ही केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी मिलने की उम्मीद है। नए खाके को अंतिम रूप दिए जाने के बावजूद भारत निवेश सुरक्षा समझौतों पर बातचीत जारी रखे हुए है।

वित्त मंत्री सीतारमण नई दिल्ली में म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में एक चर्चा के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ साल से तैयार किए जा रहे नए खाके का उद्देश्य 2016 में मंजूर किए गए खाके की खामियों को दूर करना और दोनों देशों के निवेशकों को अधिक प्रभावी सुरक्षा प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि भारत ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ओमान और कुछ मध्य एशियाई देशों के साथ भी इसी तरह के समझौते किए हैं। उन्होंने कहा कि हम कई देशों के साथ बातचीत कर रहे हैं और उनमें नए खाके में शामिल कई और प्रावधानों को शामिल किया जा रहा है। वित्त मंत्री ने कहा कि भारत की कनाडा और रूस समेत कई देशों के साथ द्विपक्षीय निवेश संरक्षण समझौतों पर बातचीत जारी है, अगर बातचीत उम्मीद के मुताबिक आगे बढ़ती है, तो कनाडा के साथ वार्ता दिसंबर या अगले साल की शुरुआत तक पूरी हो सकती है। भारत और अमेरिका व्यापार समझौते पर वित्त मंत्री ने कहा कि इसे अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है और बातचीत ''कठिन'' रही है। हालांकि, हम यह मानना चाहेंगे कि दोनों पक्ष उस स्थिति तक पहुंच गए हैं, जहां से आगे कुछ देना या लेना बहुत, बहुत मुश्किल होगा।



पीएम मोदी व राष्ट्रपति पार्मेलिन ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर की चर्चा

भारत के कृषि, फार्मा और कपड़ा निर्यात को स्विट्जरलैंड में मिलेगा बेहतर बाजार

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत और स्विट्जरलैंड के बीच सोमवार को परिवहन, गतिशीलता एवं अवसंरचना, प्रवासन एवं गतिशीलता तथा युवा पेशेवरों से संबंधित नए समझौते हुए।

इनमें स्वास्थ्य, स्वच्छ ऊर्जा और अंतरिक्ष क्षेत्र में नए संयुक्त अनुसंधान शामिल हैं। दोनों पक्षों ने शांति, कूटनीति और वैश्विक संस्थानों के सुधार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की भी पुष्टि की। दोनों देशों के बीच सोमवार को कुल पांच करार हुए। साथ ही दोनों देशों ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सहयोग से आयोजित भारत-स्विट्जरलैंड अनुसंधान फ्लैगशिप कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की घोषणा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद हाउस में स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाई पार्मेलिन के साथ व्यापक चर्चा की।



विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने आज एक्स पर बताया कि भारत के निर्यात के लिए स्विट्जरलैंड में बाजार पहुंच बढ़ाने और दोनों देशों के बीच निवेश को और सरल बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गए हैं। इससे भारत के कृषि, फार्मा, कपड़ा और इंजीनियरिंग उत्पादों का स्विट्जरलैंड को निर्यात बढ़ेगा और हम भारत के जैव प्रौद्योगिकी, जीवन विज्ञान, बैंकिंग, बीमा, खाद्य प्रसंस्करण और स्थिरता जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नए स्विस निवेश को आकर्षित करेंगे। इन पहलों के साथ, हम मिलकर पूरी दुनिया के लिए भरोसेमंद आपूर्ति शृंखलाएं और विश्वसनीय समाधान विकसित करेंगे।

दिमागी कोशिकाओं को रोशनी से नियंत्रित करने पर तीन वैज्ञानिकों को चिकित्सा नोबेल

एजेंसी, स्टॉकहोम। 2026 का मेडिसिन नोबेल जर्मनी के पीटर हेगेमैन और जॉर्ज नागेल और अमेरिका के कार्ल डाइसेरोथ को दिया गया है। इन वैज्ञानिकों ने ऑप्टोजेनेटिक्स नाम की ऐसी तकनीक विकसित करने में मदद की, जिससे रोशनी की मदद से दिमाग की अलग-अलग तंत्रिका कोशिकाओं को नियंत्रित करके उनके काम को समझा जा सकता है।

पहले वैज्ञानिकों के लिए यह पता लगाना मुश्किल था कि दिमाग की कौन-सी तंत्रिका कोशिका किस काम के लिए जिम्मेदार है। ऑप्टोजेनेटिक्स की मदद से अब वैज्ञानिक याददाश्त, भावनाओं और व्यवहार को बेहतर तरीके से समझ पा रहे हैं। इससे डिप्रेशन जैसी मानसिक बीमारियों और दिमाग से जुड़ी दूसरी बीमारियों पर रिसर्च करना भी आसान हुआ है। नोबेल कमेटी के मुताबिक, इन तीनों वैज्ञानिकों की खोज ने दिमाग को समझने के लिए रिसर्च का एक नया रास्ता खोल दिया है। इस तकनीक का इस्तेमाल आंखों की बीमारियों पर भी किया जा रहा है। वैज्ञानिक यह पता लगा रहे हैं कि इसकी मदद से दृष्टि खो चुके लोगों की आंखों की रोशनी वापस लाई जा सकती है या नहीं।



◆ जर्मनी-अमेरिका के 3 वैज्ञानिकों की रिसर्च; डिप्रेशन और मानसिक बीमारियों को समझना हुआ आसान

सिंगापुर में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रखा हरियाणा का विजन

हरियाणा को बनाएंगे 'इनोवेशन कैपिटल' उद्योगपतियों को दिया निवेश का न्योता

एजेंसी, पंचकूला। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सिंगापुर में आयोजित सिंग (सिंगापुर इंडिया नेटवर्क फॉर ग्रोथ) फोरम में राज्य का विजन पेश किया।

उन्होंने कहा कि हरियाणा को अब केवल औद्योगिक शक्ति ही नहीं, बल्कि भारत की 'इनोवेशन कैपिटल' के रूप में स्थापित करना उनका प्रमुख लक्ष्य है। कार्यक्रम में सिंगापुर के प्रमुख उद्योगपतियों के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव सहाय भी मौजूद रहे। सीएम सैनी ने साफ कहा कि हरियाणा में केवल ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पर नहीं, बल्कि 'स्पीड ऑफ डूइंग बिजनेस' पर काम हो रहा है। निवेशकों को फाइलों और मंजूरियों के पीछे भागने की जरूरत नहीं पड़ेगी, उन्हें सरकार की ओर से गति, सपोर्ट और निश्चितता मिलेगी। मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि 2017 में हरियाणा ने सिंगापुर की कंपनियों के साथ 3.8 बिलियन सिंगापुर डॉलर (लगभग 23 हजार करोड़ रुपए) के 5 बड़े ख्व किए थे। इसी के तहत असेंडास-सिंगब्रिज ने गुरुग्राम में इंटरनेशनल टेक पार्क विकसित किया है। हाल ही में राज्य ने सिंगापुर स्थित ग्लोबल स्कूल्स ग्रुप के साथ के-12 एजुकेशन इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए समझौता किया है, जिससे प्रदेश में 2,000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा होंगे। सीएम ने कहा कि हरियाणा उत्तर भारत के बड़े उपभोग और मैन्युफैक्चरिंग बाजारों के केंद्र में है। सिंगापुर के अर्बन मॉडल की तर्ज पर गुरुग्राम और आसपास के इलाकों में इंटीग्रेटेड टाउनशिप और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित होगा। वहीं, गुरुग्राम टेक कंपनियों का हब है।



◆ कहा- गुरुग्राम में सिंगापुर मॉडल पर विकसित होंगे आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर

गांधी पर आपत्तिजनक रील बनाकर पोस्ट की महिला इंफ्लुएंसर गिरफ्तार

एजेंसी, सूरत। सूरत में महात्मा गांधी की तस्वीर वाले 500 रुपए के नोट पर आपत्तिजनक रील बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के आरोप में पुलिस ने महिला इंफ्लुएंसर को गिरफ्तार किया है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार सूरत पुलिस की साइबर क्राइम ब्रांच ने सोमवार को यह कार्रवाई की। आरोपी की पहचान सिमरन पटेल (47) के रूप में हुई है। उसके इंस्टाग्राम पर करीब 10 लाख फॉलोअर्स हैं। पुलिस के मुताबिक, सिमरन ने 1 अक्तूबर को दोपहर एक बजे से 6 बजे के बीच इंस्टाग्राम पर यह रील अपलोड की थी। 2 अक्तूबर को गांधी जयंति थी। इसके बाद एक नागरिक ने पुलिस से शिकायत की। साइबर क्राइम ब्रांच की प्रेस नोट के अनुसार, सिमरन पटेल सूरत के अडाजण इलाके की रहने वाली हैं।

नानकमत्ता में सीएम धामी ने किया श्रमदान स्वच्छता को जीवनशैली बनाने का दिया संदेश

एजेंसी, नानकमत्ता। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत गुरुद्वारा श्री नानकमत्ता साहिब परिसर में आयोजित स्वच्छता अभियान में श्रमदान किया।

उन्होंने स्वयं साफ-सफाई कर लोगों से स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया और कहा कि धार्मिक स्थलों की पवित्रता बनाए रखने के साथ आसपास के परिवेश को स्वच्छ रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने गुरुद्वारा श्री नानकमत्ता साहिब में मत्था टेककर प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से उन्हें सरोपा और स्मृति चिह्न भेंट किया गया। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि उत्तराखंड धार्मिक और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण राज्य है। यहां देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं। ऐसे में धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों के अलावा बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों, अस्पतालों, सरकारी कार्यालयों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भी स्वच्छता बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, स्वच्छता और जनभागीदारी की भावना को मजबूती मिली है।

प्रधानमंत्री के जन्मदिवस 17 सितंबर से प्रदेश में शुरू हुए 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत सेवा, जनभागीदारी, संवाद और नवाचार से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में नानकमत्ता साहिब परिसर में स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया।



उचित समस्या को लेकर दूसरी बार फरियादी आए तो जवाबदेही तय : योगी आदित्यनाथ

एजेंसी, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार की सुबह अपने सरकारी आवास पर 'जनता दर्शन' में दूर-दराज से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। लोगों को समाधान का भरोसा देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासन हर उचित समस्या का समयबद्ध निस्तारण कराए, यदि पीड़ित एक ही समस्या को लेकर दूसरी बार आया और वह समस्या वास्तविक रही तो जवाबदेही तय होगी।

पीड़ित की संतुष्टि सरकार का ध्येय है। यदि पीड़ित की समस्या वास्तविक है और समय से उसका निस्तारण नहीं हो पाया, तो यह अक्षम्य है। मुख्यमंत्री ने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक पहुंचकर उनकी पीड़ा जानी और आश्वस्त किया कि सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने 'जनता दर्शन' में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और समयबद्ध/पारदर्शी निस्तारण कराएं।



पीड़ित को न्याय और दोषियों को सजा दिलाएं

इस दौरान कुछ लोगों ने जमीन पर जबरन कब्जा कर लिए जाने की शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि यदि किसी दबंग ने किसी गरीब की जमीन हड़पी है तो उसके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। जमीन अवैध या जबरन कब्जे से मुक्त होनी चाहिए। जमीन कब्जामुक्त कराने के साथ जबरन कब्जा करने वालों को कड़ा कानूनी सबक सिखाया जाए। पीड़ित को न्याय और दोषियों को सजा दिलाएं।

निर्देश मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने लोक नायक अस्पताल स्थित सखी वन स्टॉप सेंटर का किया निरीक्षण

संकट में महिलाओं को मिले सुरक्षित और सहज माहौल

एजेंसी, नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को पुरानी दिल्ली जिले के अंतर्गत आने वाले लोक नायक अस्पताल स्थित सखी वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण किया।

उन्होंने केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं, पीड़ित महिलाओं व बच्चियों को दी जा रही सेवाओं तथा शिकायतों के निस्तारण की पूरी व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों और सेंटर की टीम से विभिन्न मामलों की प्रक्रिया, काउंसलिंग, पुलिस सहायता, कानूनी सहयोग, मेडिकल सुविधा, अस्थायी आश्रय और मामलों पर की गई कार्रवाई की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि हिंसा से पीड़ित प्रत्येक महिला और बच्ची को समयबद्ध, संवेदनशील व सम्मानजनक सहायता उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संकट की स्थिति में अपने घर से निकलकर मदद के लिए सेंटर तक पहुंचने वाली महिला के लिए यह स्वयं में बड़ा कदम होता है। ऐसे में सेंटर पर पहुंचने के बाद उसे सुरक्षित और सहज वातावरण मिलना चाहिए, उसकी बात धैर्यपूर्वक सुनी जानी चाहिए और उसकी आवश्यकता के अनुसार तुरंत सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए। सखी वन स्टॉप सेंटर का मूल उद्देश्य पीड़ित महिलाओं को एक ही स्थान पर समग्र सहायता प्रदान करना है। यहां हिंसा प्रभावित महिलाओं और बच्चियों को तत्काल सुरक्षा, आपातकालीन चिकित्सा जांच, मनोवैज्ञानिक व सामाजिक काउंसलिंग, निशुल्क कानूनी परामर्श और एफआईआर दर्ज कराने में पूर्ण सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इसके साथ ही संकट की स्थिति में जरूरतमंद महिलाओं को अल्पकालिक सुरक्षित प्रवास, भोजन, वस्त्र और अन्य बुनियादी सामग्रियां भी एक ही छत के नीचे प्रदान की जाती हैं। सखी वन स्टॉप सेंटर व्यवस्था के तहत महिलाओं और बच्चियों को टोल-फ्री महिला हेल्पलाइन 181 के माध्यम से सहायता से जोड़ा जाता है।



पॉक्सो मामलों का रिकॉर्ड गोपनीय रखने के निर्देश

मुख्यमंत्री निरीक्षण के दौरान सेंटर पर आने वाले मामलों के रिकॉर्ड और उनके फॉलोअप की व्यवस्था की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि अब से दिल्ली के सभी सखी वन स्टॉप सेंटरों की विस्तृत रिपोर्ट प्रतिमाह मुख्यमंत्री कार्यालय को प्रस्तुत की जाए। इस रिपोर्ट में केवल मामलों की संख्या दर्ज करना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि प्रत्येक मामले की पुलिस सूचना, एफआईआर की स्थिति, आरोपी के विरुद्ध की गई कार्रवाई और पीड़िता को मिली वास्तविक सहायता का स्पष्ट विवरण देना अनिवार्य होगा। मुख्यमंत्री ने बच्चियों से संबंधित पॉक्सो मामलों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि ऐसे अत्यंत संवेदनशील मामलों का रिकॉर्ड पूरी गोपनीयता के साथ अलग से रखा जाए। उन्होंने सेंटर में काउंसलिंग की प्रक्रिया का भी संज्ञान लिया। मुख्यमंत्री ने केंद्र में काउंसलिंग की प्रक्रिया को समझा और कहा कि हर मामले की प्रकृति अलग होती है, इसलिए सहायता भी पीड़िता की आवश्यकता के अनुसार दी जानी चाहिए।

लंबित विकास कार्य प्राथमिकता से पूरे करें अधिकारी : अनिरुद्ध सिंह

मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने अधिकारियों को लंबित कार्य जल्द पूरा करने के दिए निर्देश



अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। जिला योजना विकास एवं 20 सूत्रीय कार्यक्रम समीक्षा समिति की बैठक सोमवार को बचत भवन शिमला में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 के दौरान जिले में चल रही ग्रामीण विकास योजनाओं, 20 सूत्रीय कार्यक्रमों तथा विभिन्न विभागीय योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। मंत्री ने अधिकारियों को विकास कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने और योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि मनरेगा के तहत 21.58 लाख मानव-दिवस रोजगार सृजित किए गए हैं और 15,588 परिवारों को जॉब कार्ड जारी किए गए। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 714 नए अथवा पुनर्जीवित स्वयं सहायता समूह गठित किए गए। इनमें 399 समूहों को रिवॉल्विंग फंड और 285 समूहों को सामुदायिक निवेश निधि उपलब्ध करवाई गई। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत वर्ष 2024-25 में 2,675 आवास स्वीकृत हुए, जिनमें 2,643 लाभार्थियों को पहली किश्त जारी की जा चुकी है। वर्ष 2025-26 में अब तक 518 आवास स्वीकृत किए गए हैं।

शिमला के आसपास बनेगा ठोस कचरा प्रबंधन संयंत्र : मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने कहा कि शिमला के आसपास ठोस कचरा प्रबंधन संयंत्र स्थापित करने के लिए भूमि की तलाश की जा रही है। पंचायतों से भी संयंत्र स्थापित करने के लिए भूमि की अनापत्ति उपलब्ध करवाने का आग्रह किया गया है। उन्होंने बताया कि डुम्मी पंचायत में करीब पांच करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक प्लास्टिक प्रबंधन केंद्र स्थापित किया जा रहा है।

जिला योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि वर्ष 2024-25 में 27.75 करोड़ रुपये की लागत से 627 कार्य स्वीकृत हुए, जिनमें 494 कार्य पूरे कर लिए गए। इन पर 21.46 करोड़ रुपये खर्च हुए, जबकि 133 कार्य 6.28 करोड़ रुपये के साथ लंबित हैं। वर्ष 2025-26 में अब तक 5.32 करोड़ रुपये के 99 कार्य स्वीकृत हुए हैं। इनमें पांच कार्य पूरे हो चुके हैं, जबकि 94 कार्य लंबित हैं। मंत्री ने लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए।

बैठक में वन, सड़क, स्वास्थ्य, कृषि, बागवानी, पशुपालन, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति तथा कल्याण विभाग की उपलब्धियों की भी समीक्षा की गई। वन विभाग के शिमला वन वृत्त में वर्ष 2024-25 में 261 हेक्टेयर क्षेत्र में पौधारोपण किया गया। जिले में पौधारोपण की संख्या 2024-25 में 1,63,813 से बढ़कर 2025-26 में 2,53,637 पौधे हो गई है।

जल जीवन मिशन के तहत रामपुर मंडल में लक्ष्य के अनुसार सभी 85 आंशिक रूप से आच्छादित बस्तियों को कवर किया गया। स्वास्थ्य विभाग में वर्ष 2025-26 के दौरान 11,479 संस्थागत प्रसव दर्ज हुए। कृषि, बागवानी और पशुपालन विभाग की विभिन्न योजनाओं के तहत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पात्र परिवारों को सहायता उपलब्ध करवाई गई।

उपायुक्त अनुपम कश्यप ने अधिकारियों को योजनाओं की नियमित निगरानी करने और विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समिति का उद्देश्य विकास कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करना और योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना है। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी और समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

66 सदस्यीय दल ने गुजरात के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और वैज्ञानिक स्थलों का किया भ्रमण

पीएम श्री स्कूलों के विद्यार्थियों ने गुजरात की जानी विरासत



अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। समग्र शिक्षा की ओर से हिमाचल प्रदेश के पीएम श्री स्कूलों के विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए गुजरात का पांच दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत छात्र-शिक्षक आदान-प्रदान कार्यक्रम में शिमला, सिरमौर, ऊना, किन्नौर और सोलन जिलों के पीएम श्री स्कूलों से 66 सदस्यीय दल ने भाग लिया। दल में शैक्षणिक उपलब्धियों, एनसीसी तथा एक भारत श्रेष्ठ भारत की गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों और शिक्षकों को शामिल किया गया। दल का नेतृत्व समग्र शिक्षा की एक भारत श्रेष्ठ भारत नोडल अधिकारी वर्षा सूद, रंजना चौहान और नंदिनी कंवर ने किया।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों और शिक्षकों ने गुजरात के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक और विरासत स्थलों का दौरा किया। नर्मदा जिले के एकता नगर स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी में विद्यार्थियों ने सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन, स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान और देश की रियासतों के एकीकरण में उनकी भूमिका के बारे में जानकारी हासिल की। इस दौरान विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण में सरदार पटेल के योगदान को समझने का अवसर मिला।

दल ने साबरमती आश्रम का भी भ्रमण किया। यहां विद्यार्थियों ने महात्मा गांधी के जीवन, उनके सादगीपूर्ण जीवन दर्शन और स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े विभिन्न प्रसंगों को जाना। आश्रम में गांधीजी से जुड़ी वस्तुओं और स्थानों को देखकर विद्यार्थियों ने सत्य, अहिंसा और स्वदेशी जैसे विचारों को समझा।

साइंस सिटी में प्रयोग से समझा विज्ञान : गुजरात साइंस सिटी में विद्यार्थियों ने विभिन्न वैज्ञानिक प्रदर्शनों और गतिविधियों के माध्यम से विज्ञान और तकनीक को अनुभव के आधार पर समझा। ऑटो वर्ल्ड विंटेज कार म्यूजियम में उन्होंने अलग-अलग दौर की ऐतिहासिक और क्लासिक कारों को देखा। अक्षरधाम मंदिर में भारतीय संस्कृति, परंपराओं और स्थापत्य कला की जानकारी प्राप्त की।

विद्यार्थियों ने अडालज की ऐतिहासिक बावड़ी का भी दौरा किया। यहां उन्होंने प्राचीन वास्तुकला और पारंपरिक जल संरक्षण व्यवस्था को करीब से जाना। दल ने गुजरात के दो स्थानीय पीएम श्री स्कूलों का भी भ्रमण कर वहां की शैक्षणिक सुविधाओं और व्यवस्थाओं को समझा।

यात्रा के दौरान विद्यार्थियों को गुजरात की भाषा, संस्कृति, खान-पान, परंपराओं और जीवनशैली से परिचित होने का अवसर मिला। समग्र शिक्षा के राज्य परियोजना निदेशक राजीव कुमार ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आदान-प्रदान कार्यक्रम देश की विविधता को समझने और विद्यार्थियों में 'विविधता में एकता' की भावना मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

पीएम मोदी के 25 वर्ष के शासकीय सफर पर भाजपा पारित करेगी प्रस्ताव



अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासकीय सेवा में 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी विशेष प्रस्ताव पारित करेगी। इस प्रस्ताव के लिए भाजपा हिमाचल प्रदेश की ओर से विधायक एवं मीडिया विभाग प्रभारी रणधीर शर्मा तथा प्रदेश संयोजक, मीडिया विभाग कर्ण नंदा के नाम राष्ट्रीय नेतृत्व को भेजे गए हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने दोनों नामों की अनुशंसा करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल को पत्र भेजा है।

डॉ. राजीव बिंदल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में शासन तथा जनसेवा के 25 वर्ष पूरे किए हैं। सात अक्टूबर को उनके शासकीय सेवा के 25 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। इस महत्वपूर्ण अवसर पर भाजपा की ओर से उनके सार्वजनिक जीवन, सुशासन, सेवा और राष्ट्र निर्माण में योगदान से जुड़े विषयों पर प्रस्ताव पारित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश भाजपा की ओर से इस महत्वपूर्ण दायित्व के लिए रणधीर शर्मा और कर्ण नंदा के नाम राष्ट्रीय नेतृत्व को भेजे गए हैं। दोनों नेता पार्टी संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाल रहे हैं और प्रस्ताव तैयार करने से जुड़ी प्रक्रिया में हिमाचल का पक्ष प्रभावी ढंग से रखने में योगदान देंगे।

डॉ. बिंदल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सार्वजनिक जीवन सेवा, सुशासन और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण पर केंद्रित रहा है। मुख्यमंत्री के रूप में गुजरात में उनके कार्यकाल से लेकर प्रधानमंत्री के रूप में देश का नेतृत्व करने तक उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। उनके 25 वर्षों के शासकीय सेवा काल को भाजपा संगठन एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देख रहा है।

उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश भाजपा भी सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से इस अवसर को जनसेवा से जोड़कर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रही है। पार्टी कार्यकर्ता सेवा गतिविधियों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंच रहे हैं।

डॉ. बिंदल ने कहा कि प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के शासकीय सेवा काल से जुड़े कार्यक्रमों को प्रदेशभर में संगठनात्मक और सेवा गतिविधियों के माध्यम से आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता सेवा, सुशासन और राष्ट्रहित के संदेश को जनता तक पहुंचाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

ठियोग महाविद्यालय में नई छात्र केंद्रीय संघ कार्यकारिणी ने ली शपथ



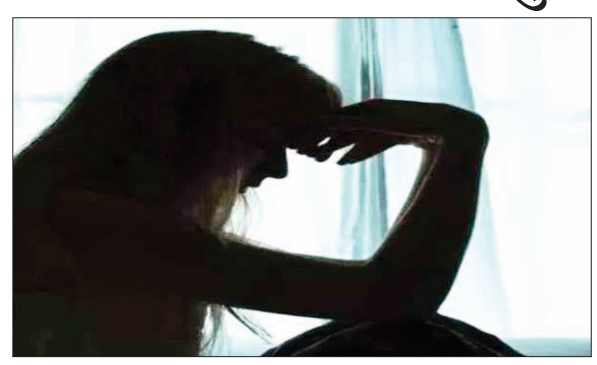
भारतेन्दु संवाददाता, ठियोग। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला के दिशा-निर्देशों और निर्धारित मानकों के अनुसार राजकीय महाविद्यालय ठियोग में सत्र 2026-27 के लिए छात्र केंद्रीय संघ का गठन योग्यता के आधार पर किया गया। इसके बाद महाविद्यालय परिसर में नवगठित छात्र केंद्रीय संघ का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. भूपिंदर सिंह ठाकुर ने सभी पदाधिकारियों और सदस्यों को पद एवं निष्ठा की शपथ दिलाई।

कार्यक्रम का शुभारंभ संगीत विभाग के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुआ। इसके बाद छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. अनिता राठौर ने विद्यार्थियों को छात्र केंद्रीय संघ से जुड़े संवैधानिक प्रावधानों और उसकी जिम्मेदारियों की जानकारी दी।

योग्यता के आधार पर गठित नई कार्यकारिणी में श्रुति शर्मा को अध्यक्ष, परशुल शर्मा को उपाध्यक्ष, ईशानी काल्टा को महासचिव और रोहिणी को सह-सचिव मनोनीत किया गया। कक्षा प्रतिनिधियों के रूप में अंकुश, अंजलि, स्नेहा, विजय और अंकित का चयन हुआ।

इसके अलावा एनसीसी से श्वेता और गौरव वर्मा, एनएसएस से लक्ष्मी और योगेश, रेंजर से अंजलि, रोवर से रोहन शर्मा, सांस्कृतिक गतिविधियों से अनुष्का और शिवांश शर्मा, खेलकूद से मन्नत और अर्पित तथा विभिन्न सोसाइटियों से प्रिया और जैस्मीन ठाकुर को प्रतिनिधि बनाया गया।

शिमला में कल से बेघर मानसिक रोगियों के बचाव का विशेष अभियान होगा शुरू



भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। जिला शिमला में बेघर एवं मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्तियों के बचाव, संरक्षण, उपचार और पुनर्वास के लिए कल से 9 अक्तूबर, 2026 तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ने बताया कि यह अभियान हिमाचल प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, शिमला के निर्देशानुसार आयोजित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य जिले में ऐसे बेघर व्यक्तियों की पहचान करना है, जो मानसिक बीमारी से पीड़ित हैं और जिन्हें तत्काल देखभाल, संरक्षण, उपचार, पुनर्वास अथवा उचित संस्थान में दाखिले की आवश्यकता है।

उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान संबंधित क्षेत्रों में ऐसे व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें आवश्यक सहायता उपलब्ध करवाने की दिशा में कार्य किया जाएगा। इसके लिए संबंधित विभागों और अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित किया जाएगा। पहचान के बाद जरूरत के अनुसार ऐसे व्यक्तियों को उपचार, संरक्षण और पुनर्वास की सुविधाएं उपलब्ध करवाने के साथ उचित संस्थानों में दाखिल करवाने की प्रक्रिया भी सुनिश्चित की जाएगी।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अनुसार अभियान का उद्देश्य केवल बेघर और मानसिक रूप से अस्वस्थ लोगों की पहचान करना ही नहीं, बल्कि उन्हें सम्मानजनक जीवन जीने के लिए आवश्यक सहायता उपलब्ध करवाना भी है। कई बार मानसिक बीमारी के कारण व्यक्ति परिवार से अलग होकर सार्वजनिक स्थानों पर रहने को मजबूर हो जाते हैं। ऐसे लोगों को समय पर उपचार और संरक्षण मिलने से उनकी स्थिति में सुधार लाया जा सकता है।

अभियान के माध्यम से आमजन और संबंधित हितधारकों को भी जागरूक किया जाएगा। लोगों को बताया जाएगा कि यदि उनके आसपास कोई बेघर या मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्ति दिखाई देता है, तो उसकी जानकारी संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाएं, ताकि उसे समय पर आवश्यक सहायता और उपचार मिल सके।

तलाई छिंज में विक्की हुड्डा ने जीती 1.51 लाख की बड़ी माली



भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। उत्तरी भारत के प्रसिद्ध तलाई छिंज मेले का आयोजन रविवार को हर्षोल्लास के साथ हुआ। मेले में उत्तरी भारत के विभिन्न क्षेत्रों से करीब 300 नामी पहलवानों ने दमखम दिखाया। इनमें 30 महिला और 60 बाल पहलवान भी शामिल रहे। कुश्ती मुकाबले देखने के लिए हजारों की संख्या में लोग देर रात तक मैदान में डटे रहे। स्थानीय आराध्या काली माता देशू टिंबा की पूजा-अर्चना के बाद सुबह करीब 11 बजे कुश्ती प्रतियोगिता शुरू हुई, जो रात करीब आठ बजे तक चली।

बड़ी माली के फाइनल मुकाबले में हरियाणा के प्रसिद्ध पहलवान विक्की हुड्डा ने हन्नी मिर्लापुर को पराजित कर 1.51 लाख रुपये की बड़ी माली अपने नाम की। वहीं, शिमला केसरी के मुकाबले में चियोग के आकाश ने अभिनव राणा को हराकर 25 हजार रुपये का पुरस्कार जीता। महिला कुश्ती में चियोग की ज्योति और बिलासपुर की रिशिता को संयुक्त विजेता घोषित किया गया। दोनों को 21 हजार रुपये का पुरस्कार प्रदान किया गया। महिला कुश्ती का पुरस्कार टयाली वार्ड की जिला परिषद सदस्य नेहा जागटा ने प्रायोजित किया था। प्रदेश भाजपा कार्यकारिणी सदस्य हरीश ठाकुर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने कहा कि यह मेला एक शताब्दी से अधिक समय से आयोजित होता आ रहा है और अब उत्तरी भारत के प्रमुख छिंज मेलों में शामिल है।

हिमाचल में कल निकलेगी भाजपा की सेवा ज्योति यात्रा

बिंदल बोले - सेवा ज्योति यात्रा से कार्यकर्ता समाज में सेवा और जनभागीदारी का पहुंचाएंगे संदेश



अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भारतीय जनता पार्टी के सेवा संकल्प अभियान के तहत कल हिमाचल प्रदेश के सभी 17 संगठनात्मक जिलों में 'सेवा ज्योति यात्रा' के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि यात्रा के माध्यम से पार्टी कार्यकर्ता समाज के बीच सेवा, समर्पण और जनभागीदारी का संदेश लेकर जाएंगे। प्रदेशभर में होने वाले इन कार्यक्रमों में भाजपा के वरिष्ठ नेता, विधायक, प्रदेश पदाधिकारी और पार्टी के अन्य प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।

डॉ. बिंदल ने बताया कि सिरमौर के नाहन में वह स्वयं सेवा ज्योति यात्रा कार्यक्रम का नेतृत्व करेंगे। कुल्लू के ढालपुर में नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के साथ सांसद कंगना रनौत विशेष रूप से उपस्थित रहेंगी। ऊना के गगरेट में प्रदेश महामंत्री संजीव कटवाल और हमीरपुर के गांधी चौक में विधायक जीत राम कटवाल कार्यक्रम में भाग लेंगे।

उन्होंने बताया कि शिमला में पूर्व मंत्री सुरेश भारद्वाज, चंबा में विधायक एवं प्रदेश प्रवक्ता डीएस ठाकुर, सोलन में पूर्व मंत्री डॉ. राजीव सैजल और नूरपुर में प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधायक पवन काजल यात्रा कार्यक्रम में शामिल होंगे। कांगड़ा के धर्मशाला में विधायक सुधीर शर्मा, पालमपुर के सुलह में प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधायक विपिन परमार, देहरा में जिला प्रभारी एवं विधायक बिक्रम ठाकुर तथा बिलासपुर के घुमारवीं में विधायक एवं मीडिया प्रभारी रणधीर शर्मा उपस्थित रहेंगे।

इसी प्रकार लाहौल-स्पीति के केलांग में विधायक एवं प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद कुमार, मंडी के बल्ह-नेरचौक में विधायक एवं मुख्य प्रवक्ता राकेश जमवाल, महासू के ठियोग में विधायक एवं प्रवक्ता बलवीर वर्मा, सुंदरनगर में प्रदेश महामंत्री पायल वैद्य तथा किन्नौर के रिकांगपिओ में प्रदेश प्रवक्ता अजय राणा कार्यक्रम में भाग लेंगे।

डॉ. बिंदल ने कहा कि भाजपा का सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चल रहा है। इसके तहत प्रदेशभर में विभिन्न सेवा गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान के दौरान रक्तदान, स्वच्छता अभियान, नशामुक्ति, बच्चों की शिक्षा, चिकित्सा सहायता और जरूरतमंद लोगों की मदद सहित करीब 25 प्रकार के सेवा कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सेवा ज्योति यात्रा अभियान का महत्वपूर्ण पड़ाव है और इसके माध्यम से सेवा कार्यों को और व्यापक स्तर पर लोगों तक पहुंचाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लिए सेवा केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि संगठन के संस्कार और कार्यपद्धति का अभिन्न हिस्सा है। सेवा ज्योति यात्रा के माध्यम से कार्यकर्ता समाज के विभिन्न वर्गों से संवाद करेंगे और जनभागीदारी के साथ सेवा कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लेंगे।

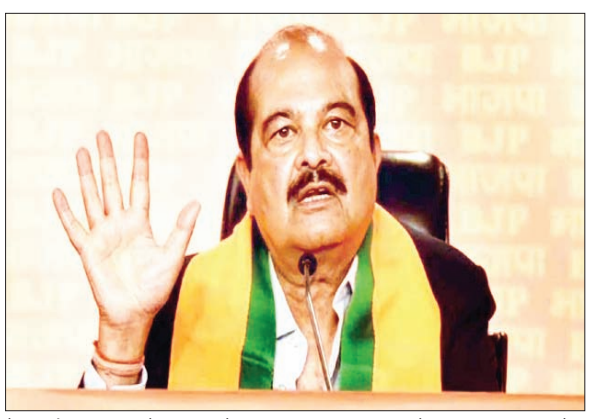
डॉ. बिंदल ने कहा कि सेवा ज्योति यात्रा के दौरान कार्यकर्ता समाज के विभिन्न वर्गों से सीधा संवाद स्थापित करेंगे और जरूरतमंद लोगों तक सेवा गतिविधियों का लाभ पहुंचाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा का उद्देश्य केवल राजनीतिक गतिविधियों तक सीमित रहना नहीं, बल्कि सामाजिक सरोकारों के साथ निरंतर जुड़कर जनसेवा को मजबूत करना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से यात्रा को सफल बनाने के लिए व्यापक जनसंपर्क करने और अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सेवा, समर्पण और सहभागिता के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास किया जाएगा।

सुक्खू सरकार में विपक्ष से ज्यादा कांग्रेस के भीतर घमासान : राणा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भाजपा के वरिष्ठ प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक राजेंद्र राणा ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार का राजनीतिक मुकाबला अब विपक्ष से अधिक अपनी ही कांग्रेस के भीतर दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ कांग्रेस की अंदरूनी खींचतान भी सामने आने लगी है। राणा ने कहा कि मुख्यमंत्री के रोहड़ू-रामपुर प्रवास के दौरान लगाए गए पोस्टरों में पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह को अपेक्षित स्थान नहीं दिए जाने को लेकर कांग्रेस से जुड़े लोग ही सोशल मीडिया पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा में गुटबाजी तलाशने के बजाय मुख्यमंत्री को पहले अपनी पार्टी की स्थिति पर ध्यान देना चाहिए। मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर राणा ने कहा कि सरकार के चार वर्ष पूरे होने को हैं, लेकिन मंत्रिमंडल का एक पद अब भी रिक्त है। उन्होंने कहा कि कभी कुल्लू के विधायक सुंदर सिंह ठाकुर तो कभी पालमपुर के विधायक आशीष बुटेल के नाम की चर्चा होती रही, लेकिन विस्तार नहीं हुआ।

जिम्मेदारी जलविद्युत और नवीकरणीय ऊर्जा से जुड़े हिमाचल के मुद्दे संसद में उठाएंगे हर्ष महाजन

हर्ष महाजन को संसद की ऊर्जा समिति में मिली अहम जिम्मेदारी



अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भाजपा के राज्यसभा सांसद हर्ष महाजन को संसद की महत्वपूर्ण ऊर्जा समिति में सदस्य के रूप में जिम्मेदारी मिली है। इसके अलावा उन्हें सड़क परिवहन एवं राजमार्ग क्षेत्र से संबंधित परामर्शदात्री समिति में भी सदस्य बनाया गया है। इन दोनों समितियों में जिम्मेदारी मिलने से हिमाचल प्रदेश से जुड़े ऊर्जा, जलविद्युत, राष्ट्रीय राजमार्ग और सड़क ढांचे के मुद्दों को केंद्र सरकार के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाने का अवसर मिलेगा।

ऊर्जा समिति में महाजन की सदस्यता हिमाचल के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। प्रदेश में जलविद्युत उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं। इसके साथ ही सौर ऊर्जा और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के विस्तार की भी पर्याप्त गुंजाइश है। महाजन ने कहा कि समिति के माध्यम से जलविद्युत उत्पादन, सौर ऊर्जा, नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा सुरक्षा और ऊर्जा संक्रमण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर काम करने का अवसर मिलेगा। वह हिमाचल से जुड़े विषयों को उचित मंच पर मजबूती से उठाने का प्रयास करेंगे।

महाजन ने कहा कि हिमाचल की प्राकृतिक परिस्थितियां उसे ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में विशेष स्थान प्रदान करती हैं। प्रदेश की जलविद्युत क्षमता का बेहतर उपयोग, ऊर्जा परियोजनाओं में राज्य के हितों की रक्षा, स्थानीय लोगों को लाभ और नवीकरणीय ऊर्जा के नए अवसर विकसित करना प्राथमिकता होनी चाहिए।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग से जुड़ी जिम्मेदारी को लेकर उन्होंने कहा कि पहाड़ी राज्य होने के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग, फोरलेन, सुरंगें और पुल हिमाचल के आर्थिक विकास के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। बेहतर सड़क संपर्क से पर्यटन, व्यापार, कृषि-बागवानी, स्वास्थ्य, शिक्षा और दूरदराज क्षेत्रों की कनेक्टिविटी को गति मिलती है।

स्वायत्तता खत्म होने से चरमरा जाएगा एचपीयू का शैक्षिक कामकाज : शिक्षक



भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिक्षक कल्याण संघ (एचपीयूटीडब्ल्यूए) के आह्वान पर विश्वविद्यालय की स्वायत्तता के समर्थन में चल रहा आंदोलन एक महीने से अधिक समय पूरा कर चुका है। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित सभा में शिक्षकों, गैर-शिक्षक कर्मचारियों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। वक्ताओं ने कहा कि विश्वविद्यालय की स्वायत्तता से किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ होने से उसकी शैक्षणिक और प्रशासनिक व्यवस्था प्रभावित होगी।

प्रोफेसर अजय अत्री ने कहा कि प्रस्तावित विधेयक विश्वविद्यालय की स्वायत्तता के लिए गंभीर चुनौती है। विश्वविद्यालय स्वतंत्र चिंतन, शोध और नवाचार का केंद्र है। यदि स्वायत्तता समाप्त हुई तो छोटे से छोटे शैक्षणिक कार्य के लिए भी सरकारी स्तर पर अनुमति की आवश्यकता पड़ सकती है। इससे कक्षाओं, पाठ्यक्रमों और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन में देरी होगी। प्रोफेसर शिव कुमार डोगरा ने कहा कि शिक्षकों की नियुक्ति, पदोन्नति, नए पाठ्यक्रम, शोध परियोजनाओं, सेमिनार और परीक्षा परिणाम जैसे कार्यों में अत्यधिक सरकारी हस्तक्षेप होने से पूरी शैक्षणिक प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। इसका सीधा असर विद्यार्थियों के भविष्य पर पड़ेगा और शोध कार्यों में भी बाधा उत्पन्न होगी।

डॉ. जोगिंदर सकलानी ने कहा कि विश्वविद्यालय की स्वायत्तता उसकी पहचान और अकादमिक स्वतंत्रता का आधार है। इसे कमजोर करने के बजाय विश्वविद्यालय को मजबूत किया जाना चाहिए।

भारतेन्दु Classifieds

नाम परिवर्तन

मैं, योगिता बाली पत्नी श्री आदिटेला जय वारा प्रसाद निवासी नजदीक रेलवे क्रॉसिंग, सेक्टर 2 परवाणू, डाकघर परवाणू, जिला सोलन हिमाचल प्रदेश- 173220 ब्यान करती हूं कि मेरे आधार कार्ड, पैन कार्ड में मेरा नाम आदिटेला योगिता प्रसाद दर्ज है। जबकि अन्य सरकारी दस्तावेजों में मेरा नाम योगिता बाली दर्ज है। मैं अपने सभी सरकारी दस्तावेजों व ऑफिस रिकार्ड में अपना नाम योगिता बाली से बदलकर आदिटेला योगिता बाली प्रसाद करवाना चाहती हूं।

न्यूज ब्रीफ

बच्चों को बांटी बाल साहित्य की पुस्तकें



भारतेन्दु संवाददाता, पिथौरागढ़। मुंबई निवासी जीतू पाटिल के सौजन्य से राजकीय आदर्श प्राथमिक विद्यालय टकाना में बच्चों को बाल साहित्य की पुस्तकें और मिष्ठान वितरित किए गए। इंजी. ललित शौर्य ने बच्चों को 'स्वच्छता के सिपाही', 'गुलदार दगड़िया' और 'बाल तरंग' पुस्तकों की जानकारी देते हुए मोबाइल के बजाय बाल साहित्य पढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्तिक पाटनी ने बच्चों से किताबें पढ़ने और स्वयं छोटी कविताएं लिखने का आह्वान किया। सुजल वर्मा, अनुराग महर, सुमित बोरा और प्रियांशु ने भी बच्चों को स्वच्छता व अच्छी आदतों के लिए प्रेरित किया।

रुद्रप्रयाग में गैस गोदामों का हुआ अग्नि सुरक्षा निरीक्षण



भारतेन्दु संवाददाता, रुद्रप्रयाग। आमजन की सुरक्षा और अग्नि दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए अग्निशमन विभाग ने जिले के विभिन्न गैस गोदामों का अग्नि सुरक्षा निरीक्षण किया। अग्निशमन अधिकारी शंकर चंद रमोला के नेतृत्व में टीम ने अग्निशमन उपकरणों, गैस सिलेंडरों के सुरक्षित भंडारण, विद्युत सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। संचालकों को अग्नि सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने तथा उपकरणों को कार्यशील रखने के निर्देश दिए गए। कर्मचारियों को अग्निशमन उपकरणों के संचालन और उपयोग का प्रशिक्षण भी दिया गया।

हरिद्वार में बेकाबू बस की चपेट में आए पांच वाहन

भारतेन्दु संवाददाता, हरिद्वार। ज्वालापुर के दुर्गा चौक के पास सोमवार को तेज रफ्तार और अनियंत्रित बस ने एक ऑटो समेत चार कारों को टक्कर मार दी। हादसे में ऑटो चालक त्रिलोक सिंह गुसाईं गंभीर रूप से घायल हो गए और उनका एक हाथ कटकर अलग हो गया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जौलीग्रांट हायर सेंटर रेफर किया गया। हादसे में एक कुत्ते की भी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बस चालक को हिरासत में लेकर दुर्घटनाग्रस्त बस कब्जे में ले ली। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

भालू के हमले से ग्रामीण लहूलुहान



भारतेन्दु संवाददाता, उत्तरकाशी। भटवाड़ी ब्लॉक के मल्ला गांव में सोमवार सुबह भालू ने 55 वर्षीय जगवीर सिंह रावत पर जानलेवा हमला कर दिया। झाड़ियों में घात लगाए भालू ने उनके सिर और हाथों पर गंभीर चोटें पहुंचाईं। ग्रामीणों ने शोर मचाकर भालू को भगाया। घायल को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

पूर्व सैनिकों को दून मेडिकल कालेज में मिलेगा विशेषज्ञ उपचार



भारतेन्दु संवाददाता,देहरादून

पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और उनके आश्रितों के लिए दून मेडिकल कालेज अस्पताल में अब विशेषज्ञ उपचार की सुविधा उपलब्ध होगी। दून मेडिकल कालेज को पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) के पैनल में शामिल कर लिया गया है। इससे ईसीएचएस के पात्र लाभार्थी सरकारी मेडिकल कालेज में उपलब्ध विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। सोमवार को क्षेत्रीय केंद्र ईसीएचएस, देहरादून और दून मेडिकल कालेज के बीच इस संबंध में समझौता हुआ। क्षेत्रीय केंद्र ईसीएचएस के निदेशक और मेडिकल कालेज की प्राचार्य डा. गीता जैन ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। दून मेडिकल कालेज के ईसीएचएस पैनल में शामिल होने से पूर्व सैनिकों और उनके स्वजन को उपचार के लिए एक और बेहतर विकल्प मिल गया है। मेडिकल कालेज में विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं उपलब्ध हैं। साथ ही गंभीर और जटिल बीमारियों के उपचार की सुविधा भी यहां मिलती है। ऐसे में ईसीएचएस लाभार्थियों को विशेषज्ञ परामर्श और उपचार के लिए अन्य अस्पतालों पर निर्भरता कम होगी। इस सुविधा का लाभ केवल देहरादून में रहने वाले लाभार्थियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले ईसीएचएस पात्र पूर्व सैनिक और उनके आश्रित भी जरूरत के अनुसार दून मेडिकल कालेज की चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। इससे उन्हें उपचार के लिए दूसरे शहरों की ओर जाने की परेशानी कम होगी। सरकारी मेडिकल कालेज में विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध होने से गंभीर रोगों के उपचार में भी सुविधा मिलेगी। ईसीएचएस के पैनल में शामिल होने के बाद दून मेडिकल कालेज पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं का महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभरेगा।

ईसीएचएस पैनल में शामिल हुआ दून मेडिकल कालेज

सेवा संकल्प अभियान में नानकमत्ता पहुंचे धामी, स्वच्छता अभियान में किया श्रमदान

अनिल थपलियाल

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत गुरुद्वारा श्री नानकमत्ता साहिब परिसर में आयोजित स्वच्छता कार्यक्रम में भाग लिया और स्वयं श्रमदान कर लोगों को स्वच्छता को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का संदेश दिया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने गुरुद्वारा श्री नानकमत्ता साहिब में मत्था टेककर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से मुख्यमंत्री को सरोपा और स्मृति चिह्न भेंट किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि धार्मिक स्थलों की पवित्रता बनाए रखने के साथ अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखना प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। उत्तराखंड धार्मिक और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण राज्य है, जहां देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं। ऐसे में धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों के साथ बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों, अस्पतालों, सरकारी कार्यालयों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भी निरंतर स्वच्छता बनाए रखने की आवश्यकता है।



सेवा संकल्प अभियान में जनभागीदारी पर जोर

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, स्वच्छता और जनभागीदारी की भावना को मजबूती मिली है। प्रधानमंत्री के जन्मदिवस 17 सितंबर से प्रदेश में शुरू हुए 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत सेवा, जनभागीदारी, संवाद और नवाचार से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छता किसी एक अभियान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे निरंतर जनभागीदारी से आगे बढ़ाया जाना चाहिए। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, एसएसपी अजय गणपति सहित जनप्रतिनिधि, गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पदाधिकारी और श्रद्धालु मौजूद रहे।

एशियन गेम्स कांस्य विजेता कपिल पोखरिया ने सीएम धामी से की भेंट

अनिल थपलियाल

खटीमा। एशियन गेम्स-2026 में कांस्य पदक जीतने वाले अंतरराष्ट्रीय बॉक्सर कपिल पोखरिया ने सोमवार को नगला तराई, खटीमा स्थित मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निजी आवास पर उनसे भेंट की। कपिल ने जापान में आयोजित एशियन गेम्स की पुरुष 90 किलोग्राम बॉक्सिंग स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार प्रदर्शन किया और कांस्य पदक जीता। मुख्यमंत्री धामी ने कपिल को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि उनकी सफलता ने उत्तराखंड और देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कपिल के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी उपलब्धि प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है।



नव नियुक्त कार्मिक सेवाभाव, संवेदनशीलता और समर्पण के साथ निभाएं जिम्मेदारी : धामी

सीएम ने आयुष एवं ईएसआई के 332 नव नियुक्त कार्मिकों को प्रदान किए नियुक्ति पत्र

अनिल थपलियाल

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में आयोजित कार्यक्रम में आयुष विभाग के 271 तथा कर्मचारी राज्य बीमा योजना के तहत 61 एलोपैथिक फार्मेसी अधिकारियों सहित कुल 332 नव नियुक्त कार्मिकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी नव नियुक्त कार्मिकों को शुभकामनाएं देते हुए सेवाभाव, संवेदनशीलता और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नियुक्ति पत्र प्राप्त करना युवाओं के जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव है, लेकिन इसके साथ जनसेवा की नई जिम्मेदारी भी शुरू होती है। नव नियुक्त कार्मिकों को सरकारी सेवा को केवल नौकरी के रूप में नहीं देखना चाहिए, बल्कि समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम बनाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष विभाग और कर्मचारी राज्य बीमा योजना से जुड़े कार्मिकों की भूमिका सीधे लोगों के स्वास्थ्य और जीवन से संबंधित है। दूरदराज के क्षेत्रों से उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्रों और अस्पतालों तक पहुंचने वाले लोगों को व्यवस्था से काफी उम्मीदें होती हैं। ऐसे में कार्मिकों की संवेदनशीलता, तत्परता और कार्यकुशलता लोगों के भरोसे को मजबूत करती है। उन्होंने कहा कि अस्पताल पहुंचने वाला प्रत्येक व्यक्ति उम्मीद लेकर आता है और कार्मिकों का सही निर्णय तथा ईमानदार प्रयास जरूरतमंद के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकता है।

धामी ने कहा कि राज्य सरकार ने भर्ती व्यवस्था को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए प्रभावी कदम उठाए हैं। नकल माफिया के खिलाफ कठोर कार्रवाई के साथ सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया गया है। पिछले पांच वर्षों में 35 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी मिली है।



प्रदेश बनेगा वेलनेस हब

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड योग, आयुर्वेद और औषधीय जड़ी-बूटियों की समृद्ध परंपरा वाला राज्य है। सरकार प्रदेश को मॉडल आयुष प्रदेश और ग्लोबल वेलनेस हब के रूप में विकसित करने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। सभी जिलों में आयुष सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। पंचकर्म सेवाओं को आधुनिक बनाने के साथ आयुर्वेद उत्कर्ष केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। ई-संजीवनी के माध्यम से लोगों को घर बैठे विशेषज्ञ परामर्श की सुविधा मिल रही है। आयुष सेतु पोर्टल और होमस्टे को आयुर्वेद चिकित्सालयों की वेलनेस सेवाओं से जोड़ने जैसी पहल भी की जा रही है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी राज्य बीमा योजना की स्वास्थ्य सेवाओं का भी विस्तार हुआ है। पहले यह योजना छह जिलों तक सीमित थी, जिसे अब सभी 13 जिलों तक पहुंचाया गया है। रुद्रपुर में 100 बेड के ईएसआई अस्पताल का संचालन शुरू हो चुका है, जबकि हरिद्वार में 300 बेड के अस्पताल का निर्माण चल रहा है।

उत्तराखंड में फिर बदलेगा मौसम का मिजाज, 10 अक्टूबर तक येलो अलर्ट

4200 मीटर से अधिक ऊंचाई पर बर्फबारी की संभावना

अनिल थपलियाल

देहरादून। उत्तराखंड में एक बार फिर मौसम का मिजाज बदलने वाला है। मौसम विभाग ने छह से 11 अक्टूबर तक प्रदेश के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान कुमाऊं और गढ़वाल मंडल के पर्वतीय क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ गर्जन और तेज हवाएं चलने की संभावना है। वहीं, प्रदेश के अधिकांश मैदानी जिलों में मौसम शुष्क रहने का अनुमान जताया गया है। मौसम में बदलाव के साथ ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तापमान में गिरावट आने और ठंड बढ़ने के भी आसार हैं।

मौसम निदेशक डॉ. सीएस तोमर के अनुसार, छह से आठ अक्टूबर तक 4200 मीटर और उससे अधिक ऊंचाई वाले पर्वतीय क्षेत्रों में अच्छी बर्फबारी हो सकती है। इसके बाद नौ से 11 अक्टूबर के बीच करीब 3800 मीटर की ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भी बर्फबारी होने की संभावना है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी के कारण ठंड बढ़ सकती है। पर्वतीय क्षेत्रों में यात्रा करने वाले लोगों को मौसम की स्थिति को ध्यान में रखकर सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

मौसम विभाग ने चमोली, नैनीताल, पिथौरागढ़, बागेश्वर, अल्मोड़ा, रुद्रप्रयाग और उत्तरकाशी जिलों के लिए विशेष चेतावनी जारी की है। इन जिलों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने के साथ गर्जन और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है।



मौसम निदेशक डॉ. सीएस तोमर

छह और सात अक्टूबर को नैनीताल, चंपावत, अल्मोड़ा, देहरादून, टिहरी और पौड़ी में मध्यम बारिश के साथ तेज गर्जन और आकाशीय बिजली का खतरा बताया गया है।

मौसम विभाग के अनुसार, बारिश और बर्फबारी का प्रभाव मुख्य रूप से पर्वतीय क्षेत्रों तक सीमित रहने की संभावना है, जबकि मैदानी क्षेत्रों में मौसम अपेक्षाकृत सामान्य और शुष्क रह सकता है। हालांकि, तेज हवाओं और आकाशीय बिजली के दौरान लोगों को खुले स्थानों, पेड़ों और बिजली के खंभों के आसपास जाने से बचने की सलाह दी गई है। प्रशासन और संबंधित विभागों को भी मौसम में बदलाव को देखते हुए सतर्क रहने की आवश्यकता है।

हरीश रावत की जनसंवाद यात्रा में उमड़ा समर्थकों का जनसैलाब

भारतेन्दु संवाददाता, नैनीताल। प्रदेश कांग्रेस कमेटी को दरकिनार कर शुरू की गई कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत की जनसंवाद यात्रा सोमवार को रामनगर पहुंची। काशीपुर से शिवलालपुर चुंगी पहुंची यात्रा का कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने छोलिया नृत्य तथा फूल-मालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया। बड़ी संख्या में समर्थकों ने हरीश रावत को फूल-मालाओं से लाद दिया। इसके बाद यात्रा का काफिला भवानीगंज और रानीखेत रोड होते हुए कालाढुंगी के लिए रवाना हुआ। इस दौरान समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिला।

यात्रा के दौरान हरीश रावत के स्वागत के लिए आठ जेसीबी मशीनों से फूल बरसाए गए। समर्थकों ने नारेबाजी कर उनके प्रति अपना समर्थन जताया। यात्रा में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गोविंद सिंह कुंजवाल भी हरीश रावत के साथ मौजूद रहे। यात्रा के रामनगर पहुंचने से क्षेत्र में राजनीतिक गतिविधियां भी तेज दिखाई दीं। समर्थकों की भीड़ और स्वागत कार्यक्रम को हरीश रावत के शक्ति प्रदर्शन के रूप में भी देखा जा रहा है। इस अवसर पर पालिकाध्यक्ष मोहम्मद अकरम, ब्लाक प्रमुख मंजू नेगी, उप ज्येष्ठ प्रमुख संजय नेगी, पुष्कर दुर्गापाल, ताइफ खान और शकील खान समेत कई कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे।



आठ जेसीबी से हरीश रावत की यात्रा पर बरसाए फूल।

जातिवाद और क्षेत्रवाद छोड़ विकास को दें प्राथमिकता: धनाई

भारतेन्दु संवाददाता, नई टिहरी। पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं भाजपा नेता दिनेश सिंह धनाई ने सोमवार को सारज्यूला पट्टी के कांडा और जाखणीधार के बोरगांव व भैंसोली गांव का भ्रमण कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने अपने कार्यकाल में दोनों क्षेत्रों के लिए स्वीकृत 57 जनोपयोगी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी। उन्होंने कहा कि कांडा गांव में उनके कार्यकाल में बीएससी नर्सिंग कॉलेज की स्थापना की गई, जो आज चिकित्सा क्षेत्र का महत्वपूर्ण संस्थान बन चुका है। इससे क्षेत्र के युवाओं को प्रशिक्षण के अवसर मिलने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार की संभावनाएं भी बढ़ी हैं। धनाई ने कहा कि आगामी चुनाव में मतदाताओं को क्षेत्रवाद और जातिवाद से ऊपर उठकर विकास के मुद्दे को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे जनप्रतिनिधियों को मौका मिलना चाहिए, जो क्षेत्र के विकास के लिए प्रभावी ढंग से काम कर सकें। उन्होंने ग्रामीणों से केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की।

नशामुक्त समाज के लिए मिलकर काम करें : राज्यपाल

राज्यपाल गुरमीत सिंह ने जनरल बिपिन रावत सभागार का किया लोकार्पण

अनिल थपलियाल

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि.) ने सोमवार को कुवांवाला स्थित सीआईएमएस एवं यूआईएचएमटी परिसर में आयोजित 'नशामुक्त युवा-विकसित भारत का भविष्य' युवा संवाद कार्यक्रम में युवाओं से नशे से दूर रहकर अपनी ऊर्जा शिक्षा, खेल, कौशल, नवाचार और राष्ट्र निर्माण में लगाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा केवल भारत का भविष्य नहीं, बल्कि वर्तमान भारत की शक्ति और विकसित भारत के निर्माता भी हैं। नशे के खिलाफ लड़ाई किसी एक व्यक्ति, संस्था या विभाग की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसे पूरे समाज का सामूहिक अभियान बनाना होगा।

राज्यपाल ने कहा कि नशामुक्त समाज के निर्माण में परिवार की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। माता-पिता को बच्चों के साथ लगातार संवाद करते हुए उन्हें नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना चाहिए। इसके साथ ही शिक्षक, पुलिस, चिकित्सक, फार्मेसी क्षेत्र और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े लोगों को भी मिलकर काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि केवल नशे की रोकथाम पर्याप्त नहीं है, बल्कि युवाओं को खेल, शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास और सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ना जरूरी है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दो अगस्त 2026 को शुरू किए गए 'नशामुक्त युवा-विकसित भारत संकल्प अभियान' का उल्लेख करते हुए कहा कि 100 सप्ताह का यह राष्ट्रव्यापी अभियान युवाओं को नशे से दूर रखने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। राज्यपाल ने युवाओं से अपील की कि नशे की समस्या से जूझ रहे साथी का मजाक न उड़ाएं, बल्कि संवाद कर उसे सहायता लेने के लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर उन्होंने पूर्व सीडीएस जनरल बिपिन रावत के नाम पर नवनिर्मित सभागार का लोकार्पण भी किया।



बिपिन रावत सभागार का लोकार्पण करते हुए राज्यपाल।

उत्तराखंड एसआईआर: कांग्रेस ने 13.85 लाख वोट काटने का लगाया आरोप



भारतेन्दु संवाददाता,देहरादून। उत्तराखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर कांग्रेस ने चुनाव आयोग की प्रक्रिया पर गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रदेश कांग्रेस की एसआईआर समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक मनोज रावत ने आरोप लगाते हुए कहा है कि एसआईआर प्रक्रिया के तहत उत्तराखंड में 13.85 लाख वोट काटकर राज्य में बड़ी लूट की गई है। यहां कांग्रेस भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने आरोप लगाया कि प्री-एसआईआर और एसआईआर प्रक्रिया में हुई वोट कटौती के असली आंकड़े को निर्वाचन आयोग सार्वजनिक नहीं कर पा रहा है। फॉर्म-7 ऑटो जनरेटेड करने का मामला हो, भाजपा कार्यकर्ताओं की फर्जी शिकायतों का संज्ञान लेना हो या फिर फर्जी शिकायतकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई नहीं किया जाना, यह साबित करता है कि पात्र मतदाताओं के नाम काटने में निर्वाचन आयोग और भाजपा की सांठगांठ रही है। रावत ने कहा कि उत्तराखंड में 14 प्रतिशत मतदाताओं के नाम काटे जाना वोट चोरी की बड़ी वारदात है जिसको लेकर पार्टी कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के बीएलओ की सजगता से निर्वाचन आयोग के मंसूबे पूरे नहीं हो पाए। जिस कारण उत्तराखंड के ज्यादातर पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूचियों में शामिल हो पाए। उन्होंने आगामी समय में फार्म-6 के द्वारा नए मतदाताओं को जोड़े जाने की प्रक्रिया को भी असंगत बताया।

कृषिकल्याण मसूरी के सुवाखोली में कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कृषक रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

कृषक रथ किसानों की आय बढ़ाने गांव-गांव पहुंचेगा

सुनील सोनकर

मसूरी। किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों और सरकार की योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से सोमवार को सुवाखोली में सेवा संकल्प अभियान के तहत कृषक रथ रवाना किया गया। प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने हरी झंडी दिखाकर कृषक रथ को रवाना किया। इस दौरान उन्होंने किसानों को कृषि यंत्र, विभिन्न फसलों के उन्नत किस्म के बीज तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को चेक वितरित किए।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि कृषक रथ गांव-गांव जाकर किसानों को कृषि एवं बागवानी से जुड़ी योजनाओं की जानकारी देगा।

इसका उद्देश्य किसानों को केवल योजनाओं की जानकारी देना ही नहीं, बल्कि उन्हें आधुनिक तकनीक और नई कृषि पद्धतियों से जोड़कर खेती को अधिक लाभकारी बनाना है। उन्होंने किसानों से केंद्र और राज्य सरकार की कृषि योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया।



पारंपरिक खेती से आगे बढ़ने पर जोर

गणेश जोशी ने कहा कि किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करना सरकार की प्राथमिकता है। प्रदेश में पॉलीहाउस के साथ मिलेट्स, ड्रैगन फ्रूट और कीवी जैसी फसलों को बढ़ावा दिया जा रहा है और किसानों को इसके लिए सब्सिडी उपलब्ध कराई जा रही है। एरोमा मिशन के तहत 91 हजार किसानों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती के माध्यम से किसानों की आय के अतिरिक्त स्रोत विकसित किए जा सकें।उन्होंने कहा कि अब किसान केवल पारंपरिक खेती तक सीमित न रहें। फसल विविधीकरण, आधुनिक तकनीक, मूल्य संवर्धन और नई कृषि पद्धतियों को अपनाकर किसान अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं। सरकार किसानों को उत्पादन लागत कम करने और उत्पादकता बढ़ाने के लिए हरसंभव सहयोग दे रही है।

मिट्टी की जांच से लेकर जल संरक्षण तक की जानकारी

कृषि मंत्री ने बताया कि विभाग की ओर से किसानों को मृदा परीक्षण, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, संतुलित उर्वरक उपयोग, जैविक एवं प्राकृतिक खेती, जल संरक्षण, फसल विविधीकरण तथा कीट एवं रोग प्रबंधन की जानकारी दी जा रही है। बदलती जलवायु को देखते हुए किसानों को मौसम के अनुरूप कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए भी जागरूक किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रदेश में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सरकार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए लगातार काम कर रही है।

तीन महीने से लापता आठवीं का छात्र हरिद्वार में मिला, परिजनों को सौंपा

भारतेन्दु संवाददाता,हरिद्वार। तीन महीने से लापता छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के 14 वर्षीय छात्र ऋतिक को हरिद्वार पुलिस की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट ने हर की पैड़ी क्षेत्र से सकुशल बरामद कर परिजनों से मिला दिया। ऋतिक 30 जून को विद्यालय जाने के लिए घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा था। वह ट्रेन से लखनऊ, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब होते हुए हरिद्वार पहुंचा था। पुलिस ने आवश्यक जानकारी जुटाकर परिजनों से संपर्क किया। काउंसलिंग और कानूनी प्रक्रिया के बाद बालक को पिता के सुपुर्द कर दिया गया।

जालंधर एलपीयू हिंसा में दो और गिरफ्तार अब तक 11 आरोपित पुलिस की गिरफ्त में

भारतेन्दु संवाददाता, जालंधर



लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) में 28 सितंबर को हुए हिंसक उपद्रव के मामले में फगवाड़ा पुलिस ने रविवार को दो और आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान राजस्थान के मेहराटा निवासी योगेश अपूर्वा और उत्तर प्रदेश के हाजीपुर निवासी आदित्य के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों पर हिंसा के दौरान वाहनों में तोड़फोड़ करने का आरोप है। पुलिस सोमवार को दोनों आरोपितों को अदालत में पेश कर रिमांड हासिल करने की तैयारी में है।

पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपितों की पहचान घटनास्थल की उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर की गई। इन दो गिरफ्तारियों के साथ एलपीयू हिंसा मामले में अब तक 11 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि करीब 28 लोगों को नामजद किया गया है। मामले की जांच के लिए पुलिस की ओर से लगातार साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और अन्य आरोपितों की तलाश भी जारी है।

एलपीयू हिंसा मामले में फगवाड़ा के अलावा जम्मू और मुंबई से भी आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इसके अलावा विश्वविद्यालय परिसर के बाहर स्थापित मिग-23 लड़ाकू विमान पर चढ़ने वाले युवक की पहचान कर उसे मंडी से गिरफ्तार किया गया था। पुलिस हिंसा के दौरान हुई तोड़फोड़, आगजनी और अन्य घटनाओं में शामिल लोगों की भूमिका की अलग-अलग स्तर पर जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार, 26 सितंबर की रात इंटरनेट मीडिया पर एलपीयू की एक छात्रा के साथ बाहरी व्यक्ति द्वारा दुष्कर्म किए जाने का दावा वायरल हुआ था। इस दावे के बाद बड़ी संख्या में छात्र भड़क गए और विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। बाद में प्रदर्शन ने हिंसक रूप ले लिया। इस दौरान विश्वविद्यालय परिसर में तोड़फोड़ और आगजनी के साथ यूनिमाल की दुकानों में लूटपाट की घटनाएं भी हुईं।

पंजाब भ्रष्टाचार मामले की जांच अब सीबीआई के हवाले

ईडी के गंभीर आरोपों पर हाई कोर्ट सख्त, सीबीआई को जांच कर दो महीने में रिपोर्ट देने का निर्देश

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



पंजाब सरकार से जुड़े कथित भ्रष्टाचार और सरकारी कामकाज में कथित हस्तक्षेप के मामले में पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने बड़ा आदेश दिया है। अदालत ने मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने के निर्देश दिए हैं। साथ ही सीबीआई को जांच पूरी कर दो महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट अदालत के समक्ष पेश करने को कहा गया है। यह मामला प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से पंजाब के पुलिस महानिदेशक को भेजे गए पत्रों के बाद हाई कोर्ट पहुंचा था।

ईडी ने अपने पत्रों में कथित भ्रष्टाचार, सरकारी अधिकारियों की नियुक्ति और तबादलों, सरकारी टेंडर, नीतिगत फैसलों तथा जमीन के इस्तेमाल में बदलाव समेत कई सरकारी कार्यों को प्रभावित करने के आरोप लगाए थे। एजेंसी ने पंजाब पुलिस से मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच की मांग की थी। पुलिस की ओर से प्राथमिकी दर्ज नहीं किए जाने के बाद ईडी ने हाई कोर्ट का रुख किया। इसके बाद मामले में जनहित याचिका दायर की गई।

ईडी ने जुलाई-अगस्त में भेजे थे पत्र : ईडी के अनुसार, जुलाई और अगस्त 2026 में पंजाब के डीजीपी गौरव यादव को कई पत्र भेजे गए थे। इनमें कथित तौर पर सरकारी कामकाज को प्रभावित करने और प्रशासनिक फैसलों में बाहरी हस्तक्षेप से जुड़े आरोपों का उल्लेख किया गया था। ईडी की कार्रवाई के दौरान नितिन गोहल, रियल एस्टेट कारोबारी अजय सहगल, सुरेश कुमार बजाज समेत कुछ अन्य लोगों के नाम सामने आने की बात कही गई है।

जांच के दौरान मुख्यमंत्री के ओएसडी राजबीर सिंह घुम्मण से जुड़े संपर्कों का भी उल्लेख किया गया है। ईडी का आरोप है कि कुछ लोग सरकारी अधिकारियों की ट्रांसफर-पोस्टिंग और अन्य प्रशासनिक फैसलों को प्रभावित करने के लिए कथित तौर पर बिचौलियों की भूमिका निभा रहे थे। हालांकि, इन आरोपों से संबंधित पक्षों ने इनकार किया है।

348 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट से जुड़ा पहलू : मामले का एक महत्वपूर्ण पहलू चेंज ऑफ लैंड यूज (सीएलयू) और मनी लांड्रिंग की जांच से भी जुड़ा है। ईडी की कार्रवाई करीब 348 करोड़ रुपये के सनटेक सिटी प्रोजेक्ट से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले की जांच के दौरान आगे बढ़ी थी। एजेंसी का आरोप है कि कुछ रियल एस्टेट संस्थाओं को जमीन के इस्तेमाल में बदलाव और अन्य सरकारी मंजूरियां दिलाने के लिए अधिकारियों के माध्यम से कथित तौर पर प्रभाव डालने का प्रयास किया गया।

ईडी के पत्र मिलने के बाद पंजाब पुलिस ने सीधे प्राथमिकी दर्ज करने के बजाय ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन से कानूनी राय मांगी थी। इसके बाद ईडी ने दोबारा पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की। सितंबर 2026 में ईडी ने हाई कोर्ट को बताया था कि पंजाब पुलिस को कई बार पत्र भेजे गए, लेकिन अब तक प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई।

अगस्त में हाई कोर्ट ने मांगा था जवाब : मामला हाई कोर्ट पहुंचने के बाद अदालत ने अगस्त 2026 में पंजाब सरकार से जवाब मांगा था। अदालत ने आरोपों को गंभीर प्रकृति का बताते हुए राज्य सरकार से स्थिति स्पष्ट करने को कहा था। साथ ही ईडी को डीजीपी को भेजे गए पत्र अदालत के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे। सितंबर में मामले की सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया था।

अब हाई कोर्ट ने मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी है। अदालत ने केंद्रीय एजेंसी को आरोपों और उपलब्ध साक्ष्यों की जांच करने तथा दो महीने के भीतर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं।

न्यूज ब्रीफ

ड्रग मामले में मजीठिया और भोला से होगी आमने-सामने पूछताछ

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़ । पंजाब में करीब 6000 करोड़ रुपये के बहुचर्चित ड्रग मामले में पूर्व मंत्री और शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता बिक्रम सिंह मजीठिया की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआइटी) ने उन्हें पांच अक्टूबर को पूछताछ के लिए तलब किया है। इसी मामले के मुख्य आरोपित रहे पूर्व अंतरराष्ट्रीय पहलवान और पंजाब पुलिस के पूर्व डीएसपी जगदीश भोला को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया है। सूत्रों के अनुसार, एसआइटी दोनों को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ करने की तैयारी कर रही है। यदि ऐसा होता है तो ड्रग मामले की जांच के दौरान यह पहला मौका होगा, जब जगदीश भोला और बिक्रम सिंह मजीठिया से आमने-सामने पूछताछ की जाएगी। इससे मामले की जांच में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है। गौरतलब है कि वर्ष 2013 में पंजाब पुलिस ने कथित तौर पर करीब 6000 करोड़ रुपये के सिंथेटिक ड्रग नेटवर्क का पर्दाफाश किया था। जांच के दौरान मादक पदार्थों के अलावा हथियार और विदेशी मुद्रा बरामद होने की बात भी सामने आई थी। मामले में जगदीश भोला को गिरफ्तार किया गया था।

सठियाला की चार पंचायतों ने प्रवासियों को जमीन देने पर लगाई रोक

भारतेन्दु संवाददाता, बाबा बकाला साहिब। सब-डिवीजन बाबा बकाला साहिब के गांव सठियाला की चार ग्राम पंचायतों ने गांव में रह रहे प्रवासियों को जमीन या अन्य संपत्ति नहीं देने का फैसला लिया है। पंचायत प्रतिनिधियों के अनुसार, यह निर्णय गांव के स्थानीय हितों, व्यवस्था और पंचायत प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। ग्राम पंचायत सठियाला के सरपंच चरणजीत सिंह भट्टी, गुरु तेग बहादुर नगर के सरपंच दलबीर सिंह बल, बुध सिंह नगर के सरपंच जसबीर सिंह डिम्पा और नानकसर नगर के सरपंच गुरजिंदर सिंह गिंदा ने नंबरदारों, पंचों, सरपंचों और बूथ स्तर अधिकारियों से अपील की है कि वे प्रवासियों का सत्यापन न करें और गांव में उनके वोट न बनाएं। पंचायत प्रतिनिधियों ने कहा कि गांवों में संपत्ति से जुड़े मामलों पर स्थानीय जरूरतों, कानूनी नियमों और पंचायत व्यवस्था को ध्यान में रखकर विचार किया गया है। उनका कहना है कि इस फैसले का उद्देश्य गांवों के प्रबंधन और स्थानीय हितों को प्राथमिकता देना है।

ड्रग केस में मजीठिया एसआईटी के सामने नहीं हुए पेश

भारतेन्दु संवाददाता,चंडीगढ़/पटियाला। पंजाब के बहुचर्चित 6000 करोड़ रुपये के ड्रग मामले में पूर्व मंत्री और शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता बिक्रम सिंह मजीठिया सोमवार को विशेष जांच टीम (एसआइटी) के सामने पेश नहीं हुए। मजीठिया को पांच अक्टूबर को पूछताछ के लिए पटियाला पुलिस लाइन्स में बुलाया गया था। उनकी जगह उनके वकील अर्शदीप सिंह कलेर एसआइटी के समक्ष पहुंचे और मजीठिया का पक्ष रखा। बताया जा रहा है कि मामले के मुख्य आरोपित रहे पूर्व अंतरराष्ट्रीय पहलवान और पंजाब पुलिस के पूर्व डीएसपी जगदीश भोला भी सोमवार को एसआइटी के सामने पेश नहीं हुए। एसआइटी दोनों को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ करने की तैयारी में थी। हालांकि, दोनों के पेश न होने के कारण यह प्रक्रिया नहीं हो सकी।

पंजाब में फिर बदलेगा मौसम, आठ जिलों में येलो अलर्ट

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब में अगले कुछ दिनों में मौसम एक बार फिर करवट लेने वाला है। मौसम विभाग ने सात और आठ अक्टूबर को राज्य के कई जिलों में बारिश, तेज हवाओं और गरज-चमक की संभावना जताई है। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। मौसम विभाग चंडीगढ़ की चार अक्टूबर को जारी जिला स्तर की रिपोर्ट के अनुसार, अगले तीन दिन मौसम सामान्य रहने की संभावना है, जबकि सात अक्टूबर से बदलाव देखने को मिलेगा। सात अक्टूबर को पठानकोट, गुरदासपुर, होशियारपुर, नवांशहर, रूपनगर, मोहाली, फतेहगढ़ साहिब और पटियाला में येलो अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में तेज हवाओं के साथ गरज-चमक और बिजली चमकने की संभावना है। वहीं अमृतसर, तरनतारन, फिरोजपुर, फाजिल्का, मुक्तसर, बठिंडा और लुधियाना समेत कई जिलों में मौसम शुष्क रहने का अनुमान है।

गंगानगर गुरुद्वारा घटना पर एसजीपीसी प्रधान धामी ने राजस्थान पुलिस को घेरा

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



अमृतसर। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के प्रधान एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने राजस्थान के श्रीगंगानगर स्थित गुरुद्वारा बाबा दीप सिंह जी में पुलिस कार्रवाई की कड़ी निंदा की है। उन्होंने आरोप लगाया कि राजस्थान पुलिस ने गुरुद्वारा साहिब की सीमा के भीतर गुरु के लंगरों की बेअदबी की और ज्ञानी जरनैल सिंह खालसा भिंडरांवाले सहित अन्य शहीद सिंहों से संबंधित पोस्टर फाड़े। इसके साथ ही सिख नेता भाई तेजिंदरपाल सिंह टिम्मा की गिरफ्तारी पर भी उन्होंने गंभीर आपत्ति जताई है।

एडवोकेट धामी ने कहा कि गुरुद्वारा साहिब सिखों के लिए अत्यंत पवित्र धार्मिक स्थल है। यहां गुरु के लंगर और सिख शहीदों से जुड़े पोस्टरों के साथ इस प्रकार का व्यवहार सिखों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है। उन्होंने कहा कि किसी भी विवाद या समस्या के समाधान के लिए देश में कानूनी और संवैधानिक रास्ते मौजूद हैं। ऐसे में धार्मिक स्थल के भीतर पुलिस की कार्रवाई को किसी भी स्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता।

एसजीपीसी प्रधान ने भाई तेजिंदरपाल सिंह टिम्मा की गिरफ्तारी की भी कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि भाई टिम्मा लंबे समय से सिख मामलों और समुदाय से जुड़े मुद्दों पर अपनी आवाज उठाते रहे हैं। धामी ने आरोप लगाया कि उन्हें कथित रूप से झूठे मामले में गिरफ्तार किया जाना सिखों की आवाज को दबाने का प्रयास है।

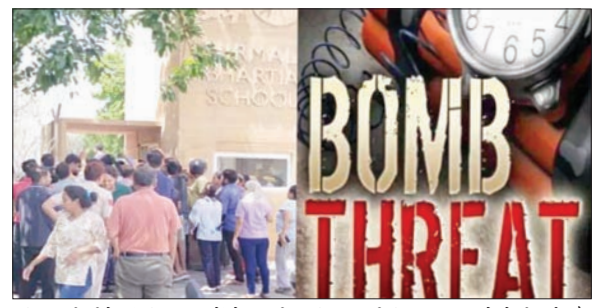
उन्होंने कहा कि राजस्थान पुलिस की कार्रवाई से सिख समुदाय में रोष पैदा हुआ है। धार्मिक स्थल में हुई घटना और गिरफ्तारी के पूरे मामले की निष्पक्ष जांच आवश्यक है, ताकि वास्तविक तथ्यों का पता चल सके।

एडवोकेट धामी ने राजस्थान सरकार और पुलिस प्रशासन से मांग की कि श्रीगंगानगर स्थित गुरुद्वारा बाबा दीप सिंह जी में हुई पूरी घटना की निष्पक्ष जांच कराई जाए। उन्होंने कहा कि गुरुद्वारा साहिब की मर्यादा और सिखों की धार्मिक भावनाओं से खिलवाड़ करने वाले लोगों के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों की मर्यादा और श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान किया जाना चाहिए। किसी भी विवाद की स्थिति में प्रशासन को संयम और संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने राजस्थान सरकार से मामले में तथ्यों के आधार पर निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई तथा निर्दोष लोगों को राहत देने की मांग की।

चंडीगढ़ के छह स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



चंडीगढ़ के छह स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सोमवार सुबह शहर में हड़कंप मच गया। पुलिस कंट्रोल रूम को मिले धमकी भरे संदेश में शहर के अलग-अलग हिस्सों में स्थित छह स्कूलों को निशाना बनाने की बात कही गई। सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं और संबंधित स्कूलों में सुरक्षा जांच शुरू कर दी गई। बम निरोधक दस्ते को भी अलर्ट कर दिया गया।

कंट्रोल रूम को मिले संदेश में एयरफोर्स स्कूल सेक्टर-31, सेंट सोल्जर इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर-28, डीएवी मॉडल स्कूल सेक्टर-15, सेंट स्टीफंस स्कूल सेक्टर-45 और अजित स्कूल सेक्टर-41 व 45 के नाम शामिल बताए गए हैं। इसके अलावा पंजाबी यूनिवर्सिटी परिसर में स्थित अंकुर स्कूल को लेकर भी धमकी मिलने की जानकारी सामने आई है। धमकी की सूचना मिलते ही पुलिस की टीमें संबंधित स्कूलों में पहुंचीं और परिसरों तथा आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था संभाली।

पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की ओर से स्कूल परिसरों की गहन जांच की जा रही है। संदिग्ध वस्तुओं की तलाश के साथ प्रवेश और निकास व्यवस्था पर भी निगरानी बढ़ा दी गई है। बम निरोधक दस्ते और अन्य सुरक्षा इकाइयों को जांच में लगाया गया है। हालांकि, अभी तक किसी स्कूल परिसर से संदिग्ध वस्तु मिलने की पुष्टि नहीं हुई है।

फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि धमकी किस माध्यम से भेजी गई और संदेश भेजने वाले की पहचान क्या है। पुलिस संदेश के स्रोत, तकनीकी विवरण और अन्य पहलुओं की जांच कर रही है। साइबर और तकनीकी टीमों की मदद से धमकी भेजने वाले तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।

पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि धमकी वास्तविक है या किसी व्यक्ति ने दहशत फैलाने के उद्देश्य से फर्जी संदेश भेजा है। सुरक्षा एजेंसियां एहतियात के तौर पर सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही हैं।

चंडीगढ़ हाई कोर्ट ने डीए बकाये पर पंजाब सरकार को फटकारा, अपील की स्थिति की तलब

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



पंजाब सरकार के कर्मचारियों और पेंशनरों के लंबित महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) के भुगतान के मामले में पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने सोमवार को सरकार के रवैये पर कड़ी नाराजगी जताई। हाई कोर्ट ने पूर्व आदेशों का पालन नहीं होने और सुप्रीम कोर्ट में दायर अपील की स्थिति के बारे में अदालत को कथित रूप से गुमराह किए जाने पर सरकार को फटकार लगाई। अदालत ने सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री से पंजाब सरकार की अपील का ताजा स्टेटस तलब किया है। मामले की सुनवाई मंगलवार तक स्थगित कर दी गई।

कर्मचारियों को उनके हक का पैसा नहीं मिल रहा : सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने टिप्पणी की कि सरकार विभिन्न योजनाओं के तहत करोड़ों रुपये खर्च और वितरित कर रही है, लेकिन कर्मचारियों और पेंशनरों को उनके हक का पैसा नहीं दिया जा रहा। अदालत ने कहा कि यदि सरकार जानबूझकर अपनी अपील को लंबित रखने का प्रयास कर रही है तो यह गंभीर मामला है।

सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि डीए-डीआर भुगतान संबंधी हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की गई है और उस पर लगी आपत्तियों को दूर कर दिया गया है। हालांकि, याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता ने इसका विरोध करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने जानबूझकर अपील से संबंधित आपत्तियों को दूर नहीं किया है और हाई कोर्ट को स्थिति के बारे में गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा है।

मुख्य सचिव अदालत में हुए पेश : सोमवार को हाई कोर्ट के निर्देश पर पंजाब के मुख्य सचिव व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश हुए और सरकार का पक्ष रखा। हालांकि, अदालत सरकार के जवाब से संतुष्ट नजर नहीं आई। पिछली सुनवाई के दौरान खंडपीठ ने मुख्य सचिव को पांच अक्टूबर को व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होने का निर्देश दिया था।

चीफ जस्टिस अश्वनी कुमार मिश्रा और जस्टिस रोहित कपूर की खंडपीठ ने कहा था कि तीन अगस्त के आदेश के बावजूद मुख्य सचिव की ओर से अनुपालन शपथपत्र दाखिल नहीं किया गया है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया था कि यदि राज्य सरकार को इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से कोई संरक्षण मिल जाता है तो मुख्य सचिव को व्यक्तिगत पेशी से छूट दी जा सकती है।

अपील करना सरकार का अधिकार, लेकिन प्रक्रिया निष्पक्ष हो : सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं ने कहा कि राज्य सरकार यह दिखाने का प्रयास कर रही है कि कर्मचारियों और सरकार के बीच किसी तरह का समझौता हो गया है। जबकि याचिकाकर्ताओं का कहना था कि उनका उद्देश्य केवल हाई कोर्ट के आदेश को लागू करवाना है और लंबित डीए-डीआर का भुगतान सुनिश्चित करना है। इस पर हाई कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार को अपने खिलाफ दिए गए आदेश के विरुद्ध अपील करने का पूरा अधिकार है।

पटियाला में किसानों का धरना, सचिवालय गेट बंद करने पर पुलिस से हुई झड़प



◆मांगें पूरी कराने पर अड़े किसान, गेट बंद होने से आम लोगों को हुई भारी परेशानी

भारतेन्दु संवाददाता, पटियाला। अपनी मांगों को लेकर किसानों ने सोमवार को पटियाला के डीसी कार्यालय के बाहर धरना शुरू कर दिया। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने मिनी सचिवालय के सभी गेट बंद कर दिए, जिसके बाद पुलिस और किसानों के बीच धक्का-मुक्की हो गई। किसानों का कहना है कि वे लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर प्रशासन और सरकार के समक्ष आवाज उठा रहे हैं, लेकिन अब तक उनकी समस्याओं का उचित समाधान नहीं निकाला गया है।

किसानों के गेट बंद करने के बाद पुलिस ने उन्हें खोलने का प्रयास किया। इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच कहासुनी और धक्का-मुक्की हुई। स्थिति के चलते मिनी सचिवालय में आने-जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। विभिन्न सरकारी विभागों में काम करवाने के लिए पहुंचे लोग गेटों के बाहर खड़े रहे और स्थिति सामान्य होने का इंतजार करते दिखाई दिए।

किसानों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। उनका कहना है कि कई बार प्रशासन के अधिकारियों के सामने समस्याएं रखी गईं, लेकिन समाधान नहीं होने के कारण उन्हें धरना देने के लिए मजबूर होना पड़ा।

मिनी सचिवालय के गेट बंद होने से सरकारी कार्यालयों में कामकाज के लिए पहुंचे लोगों की मुश्किलें बढ़ गईं। किसानों ने कहा कि उनका उद्देश्य अपनी मांगों की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना है और वे मांगें पूरी होने तक पीछे नहीं हटेंगे। पुलिस प्रशासन की ओर से स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

चंडीगढ़ में सेबी चेयरमैन ने निवेशकों को दी सतर्क निवेश की सलाह

पीयू में 'प्रोजेक्ट जागरूक' शुरू, निवेशकों को जोखिम समझकर जिम्मेदारी से निर्णय लेने पर जोर

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



देश के पूंजी बाजार में पिछले एक दशक के दौरान तेजी से विस्तार हुआ है। इसके साथ ही नए निवेशकों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। ऐसे में निवेशकों को बिना जानकारी और दूसरों को देखकर निवेश करने के बजाय सोच-समझकर निर्णय लेना चाहिए। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांता पांडे ने सोमवार को पंजाब यूनिवर्सिटी में निवेशक शिक्षा पहल 'प्रोजेक्ट जागरूक' की शुरुआत करते हुए यह बात कही।

सेबी चेयरमैन ने कहा कि निवेश इसलिए नहीं करना चाहिए कि दूसरे लोग ऐसा कर रहे हैं। निवेशक को पहले यह समझना चाहिए कि वह जिस वित्तीय उत्पाद में पैसा लगा रहा है, उसमें कितना जोखिम है और वह उसकी जरूरतों के अनुरूप है या नहीं। उन्होंने कहा कि निवेश संबंधी जागरूकता केवल डीमैट खाता खोलने के बाद शुरू नहीं होनी चाहिए, बल्कि वित्तीय आदतों और सही सोच का निर्माण बचपन से ही किया जाना जरूरी है।

23.8 करोड़ पहुंची डीमैट खातों की संख्या : पांडे ने बताया कि देश में डीमैट खातों की संख्या बढ़कर 23.8 करोड़ हो गई है, जबकि विशिष्ट निवेशकों की संख्या करीब 15 करोड़ पहुंच चुकी है। बाजार में निवेशकों की संख्या हर वर्ष लगभग 20 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। इससे स्पष्ट है कि देश में लोगों की पूंजी बाजार में भागीदारी तेजी से बढ़ रही है।

उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में म्यूचुअल फंड की परिसंपत्तियों के प्रबंधन का आकार भी काफी बढ़ा है। यह करीब 12 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 87 लाख करोड़ रुपये हो चुका है। इसी तरह देश का बाजार पूंजीकरण 95 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर करीब 472 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया है। बाजार के इस विस्तार के साथ निवेशकों के सामने वित्तीय उत्पादों और उनसे जुड़े जोखिम को समझने की चुनौती भी बढ़ी है।

जानकारी होने और निवेश करने में अंतर : सेबी के सर्वे का हवाला देते हुए पांडे ने बताया कि देश के करीब 63 प्रतिशत परिवारों को कम से कम एक प्रतिभूति बाजार उत्पाद के बारे में जानकारी है, लेकिन इनमें से केवल 9.5 प्रतिशत परिवार ही वास्तव में बाजार में निवेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जागरूकता और वास्तविक भागीदारी के बीच इस अंतर को कम करना जरूरी है।

उन्होंने बताया कि केवल 36 प्रतिशत निवेशकों को प्रतिभूति बाजार की मध्यम या उच्च स्तर की जानकारी है। शहरी क्षेत्रों में बाजार में भागीदारी करीब 15 प्रतिशत है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह केवल छह प्रतिशत के आसपास है। इसलिए निवेशक शिक्षा को केवल बड़े शहरों तक सीमित रखने के बजाय गांवों और छोटे शहरों तक पहुंचाना जरूरी है।

स्थानीय भाषाओं में पहुंचाई जाए जानकारी : सेबी चेयरमैन ने कहा कि निवेश संबंधी जानकारी हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में आसानी से उपलब्ध कराई जानी चाहिए। उन्होंने निवेशकों से अपील की कि वे किसी के कहने या बाजार में तेजी देखकर जल्दबाजी में पैसा न लगाएं। जिस निवेश उत्पाद को वे समझते हैं, उसी में पैसा लगाना बेहतर है।

उन्होंने निवेशकों को धोखाधड़ी और अनियमित संस्थाओं से सावधान रहने, जोखिम को समझकर निवेश करने, निवेश में विविधता रखने, जल्द शुरुआत करने और लंबे समय में चक्रवृद्धि के लाभ का इस्तेमाल करने की सलाह दी। उनका कहना था कि सही जानकारी और अनुशासन निवेश को अधिक सुरक्षित और प्रभावी बनाने में मदद करते हैं।

गांवों तक पहुंचेगा 'प्रोजेक्ट जागरूक' : सेबी के पूर्णकालिक सदस्य संदीप प्रधान ने बताया कि 'प्रोजेक्ट जागरूक' के तहत व्यापक निवेशक जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए ग्राम आर्थिक साक्षरता कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे और राज्यों के साथ साझेदारी की जाएगी।

चंडीगढ़ में नशे के खिलाफ खेलों का सहारा युवाओं को मैदान से जोड़ने की मुहिम तेज

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



चंडीगढ़। नशे के खिलाफ लड़ाई में अब खेलों को एक प्रभावी माध्यम के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में राजनीतिक दलों और पुलिस की ओर से आयोजित खेल प्रतियोगिताओं का उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रखते हुए उन्हें खेलों और स्वस्थ जीवनशैली से जोड़ना है। पंजाब में 'खेड़ां वतन पंजाब दियां' का चौथा सत्र आयोजित किया जा रहा है। वहीं चंडीगढ़ में 'गली क्रिकेट' के चार सत्र पूरे हो चुके हैं। इसी तर्ज पर पंचकूला में 'नमो क्रिकेट लीग' का आयोजन किया जा रहा है।

इन आयोजनों के स्वरूप भले ही अलग-अलग हों, लेकिन इनके पीछे एक साझा उद्देश्य दिखाई देता है—ट्राईसिटी के युवाओं को नशे से दूर रखना और उनकी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देना। चंडीगढ़ पुलिस भी युवाओं को खेलों से जोड़ने के लिए वालीबाल प्रतियोगिता आयोजित कर चुकी है। इससे साफ है कि नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान में खेलों की भूमिका लगातार बढ़ रही है।

खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन में राजनीतिक लोगों की भूमिका को लेकर अलग-अलग मत हो सकते हैं, लेकिन इनसे खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर जरूर मिल रहा है। पंजाब में आयोजित 'खेड़ां वतन पंजाब दियां' में अलग-अलग आयु वर्ग के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका दिया जा रहा है। यहां कई खेलों को शामिल किया गया है। दूसरी ओर चंडीगढ़ और पंचकूला में फिलहाल क्रिकेट प्रतियोगिताओं पर अधिक जोर है। इसके बावजूद युवाओं और खिलाड़ियों में इन प्रतियोगिताओं को लेकर उत्साह देखने को मिल रहा है।

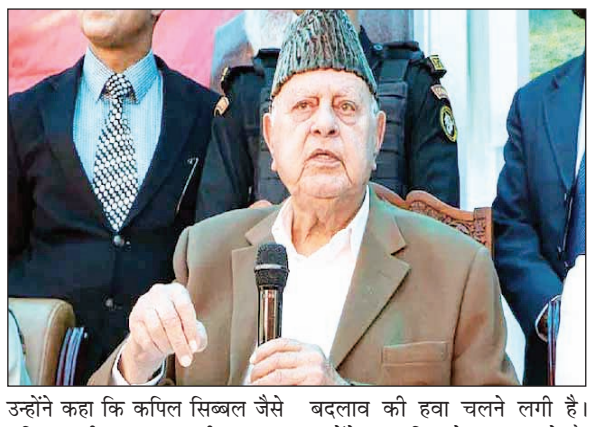
चंडीगढ़ भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष संजय टंडन के अनुसार, चार वर्ष पहले 'गली क्रिकेट' की शुरुआत 'बल्ला घुमाओ, नशा भगाओ' संदेश के साथ की गई थी। इसका उद्देश्य युवाओं को गलियों और सड़कों से निकालकर खेल के मैदान और स्टेडियम तक लाना था। उन्होंने कहा कि युवाओं को खेलों से जोड़ने के ऐसे प्रयास नशे के खिलाफ लड़ाई में सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं।

फारूक ने मतदाता सूची से नाम हटाने पर चुनाव आयोग को घेरा

फारूक ने एसआईआर प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष चुनाव और मताधिकार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। नेशनल कान्फ्रेंस के अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) प्रक्रिया को लेकर चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची से लोगों के नाम हटाए जा रहे हैं और इसमें मुसलमानों को चुन-चुनकर निशाना बनाया जा रहा है। अब्दुल्ला ने कहा कि किसी भी भारतीय नागरिक का नाम मतदाता सूची से हटाने का अधिकार किसी को नहीं है। संविधान प्रत्येक नागरिक को मतदान का अधिकार देता है और इस अधिकार की रक्षा की जानी चाहिए।

श्रीनगर में आयोजित एक कार्यक्रम में अब्दुल्ला ने कहा कि देश में अब लोगों ने अपनी आवाज उठानी शुरू कर दी है। उन्होंने दावा किया कि मतदाता सूची में नाम हटाए जाने का असर बड़ी संख्या में लोगों पर पड़ा है।



उन्होंने कहा कि कपिल सिब्बल जैसे वरिष्ठ वकील का नाम भी मतदाता सूची से हटाए जाने की बात सामने आई है। अब्दुल्ला ने कहा कि यह स्थिति लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता में बने रहने के लिए लोगों के मताधिकार को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है।

भारत की भावना अभी जिंदा है : फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि देश में बदलाव की हवा चलने लगी है। उन्होंने कहा कि लोग अब डरने के बजाय हिम्मत दिखा रहे हैं और विभिन्न राजनीतिक दल भी इस मुद्दे पर आवाज उठा रहे हैं। उन्होंने मुंबई और दिल्ली में हुए विरोध प्रदर्शनों का उल्लेख करते हुए कहा कि जनता अब सवाल पूछ रही है। उन्होंने कहा कि उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक देश को लोगों ने मिलकर बनाया है और यही लोग भारत को मजबूत बनाएंगे।

उन्होंने कहा कि चाहे वह खुद रहें या न रहें, बदलाव होकर रहेगा। अब्दुल्ला ने कहा कि भारत की भावना मरी नहीं है, बल्कि आज भी जीवित है। उन्होंने युवा कार्यकर्ताओं और नेताओं के विरोध का उल्लेख करते हुए कहा कि नई पीढ़ी लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए मजबूती से आवाज उठा रही है।

चुनाव आयोग की स्वतंत्रता पर उठाए सवाल : नेशनल कान्फ्रेंस अध्यक्ष ने चुनाव आयोग की स्वतंत्रता को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल में चुनाव आयोग को पूरी तरह स्वतंत्र बनाने की दिशा में पर्याप्त कदम नहीं उठाया गया और आज देश को उसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। उनका कहना था कि यदि चुनाव आयोग पूरी तरह स्वतंत्र होता तो मौजूदा स्थिति पैदा नहीं होती।

अब्दुल्ला ने मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि चयन प्रक्रिया में सरकार का प्रभाव अधिक होने से निष्पक्षता को लेकर सवाल उठते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बहुमत के आधार पर सरकार अपने पसंदीदा अधिकारी को चुनाव आयोग के प्रमुख पद पर नियुक्त कर सकती है। उन्होंने कहा कि ऐसी व्यवस्था में विपक्ष की भूमिका सीमित हो जाती है।

लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा की मांग : फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि मतदाता सूची में नाम शामिल होना प्रत्येक पात्र नागरिक का महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक अधिकार है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रक्रिया के दौरान पात्र मतदाताओं के नाम बिना उचित कारण हटाए नहीं जाने चाहिए। उन्होंने लोगों से अपने नाम मतदाता सूची में जांचने और किसी भी तरह की गड़बड़ी होने पर संबंधित अधिकारियों के समक्ष शिकायत दर्ज कराने की अपील की।

रायसीना फोरम प्रतिनिधियों ने लद्दाख की विरासत, संस्कृति और विकास को करीब से समझा

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में पहली बार आयोजित रायसीना फोरम फॉर फ्यूचर ऑफ डिप्लोमेसी सम्मेलन में शामिल प्रतिनिधियों ने रविवार को लद्दाख की आध्यात्मिक विरासत, प्राचीन इतिहास, संस्कृति और आधुनिक विकास की संभावनाओं को करीब से जाना। भारत समेत 39 देशों से पहुंचे राजनयिकों, नीति-निर्माताओं, कारोबारियों और रणनीतिक विशेषज्ञों ने पुराने लेह शहर, थिकसे मठ तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थलों का भ्रमण किया। प्रतिनिधियों ने लेह में विकसित किए जा रहे लिलियम फूलों के खेतों का भी दौरा किया और उच्च हिमालयी क्षेत्र में कृषि की नई संभावनाओं की जानकारी ली।



प्रतिनिधियों ने भारत के पहले पेट्रोग्लिफ पार्क का भ्रमण कर चट्टानों पर उकेरे गए प्राचीन चित्रों और विभिन्न प्रतीकों को देखा। उन्हें इन शिलाचित्रों के माध्यम से लद्दाख में हजारों वर्ष पहले रहने वाले समुदायों और यहां विकसित हुई प्राचीन सभ्यताओं के बारे में जानकारी दी गई। प्रतिनिधियों ने लद्दाख की प्राकृतिक परिस्थितियों के बीच विकसित हुई पुरानी जीवनशैली और सांस्कृतिक परंपराओं को समझने में भी रुचि दिखाई।

लेह में आयोजित सम्मेलन के दौरान बदलते वैश्विक परिदृश्य, भू-राजनीतिक चुनौतियों, आर्थिक सहयोग और सीमावर्ती क्षेत्रों में सतत विकास जैसे विषयों पर चर्चा हुई। प्रतिनिधियों ने लद्दाख में विकास को गति देने के लिए किए जा रहे प्रयासों और स्थानीय स्तर पर रोजगार तथा आजीविका के नए अवसर पैदा करने वाली योजनाओं की जानकारी भी ली।

लिलियम फूलों के खेतों के दौरे के दौरान प्रतिनिधियों को बताया गया कि उच्च हिमालयी क्षेत्र में आधुनिक कृषि के माध्यम से स्थानीय लोगों के लिए आय और रोजगार के नए अवसर विकसित किए जा रहे हैं। प्रतिकूल भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद ऐसी खेती स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में मदद कर रही है।

न्यूज ब्रीफ

रियासी में घर में मृत मिला 28 वर्षीय युवक, जांच शुरू

भारतेंदु संवाददाता, रियासी। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले के कटरा क्षेत्र में सोमवार को 28 वर्षीय एक युवक अपने घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाया गया। घटना कटरा तहसील के कुन कन्यालन इलाके की है। पुलिस के अनुसार, युवक सुबह अपने घर में बेहोशी की हालत में मिला था। सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और युवक को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) कटरा पहुंचाया। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान कटरा तहसील के कन्यालन निवासी तरुण वर्मा (28) के रूप में हुई है। पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। युवक की मौत के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है और जांच के बाद ही मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

राज्य का दर्जा लौटाने से बढ़ सकता है आतंकवाद : दसगोत्रा

भारतेंदु संवाददाता, मीरा साहिब। किसान नेता सुभाष दसगोत्रा ने केंद्र सरकार से जम्मू-कश्मीर को फिलहाल राज्य का दर्जा बहाल न करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद जम्मू-कश्मीर में शांति और स्थिरता का माहौल बना है। ऐसे में राज्य का दर्जा बहाल करने से पहले सरकार को सभी पहलुओं पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। कस्बे में आयोजित पत्रकार वार्ता में दसगोत्रा ने कहा कि पूर्व में राज्य का दर्जा होने के दौरान कश्मीर में अलगाववाद, आतंकवाद और पत्थरबाजी जैसी घटनाएं होती थीं। उनके अनुसार, उस समय अशांति का वातावरण बना रहता था और पाकिस्तान समर्थक गतिविधियां भी देखने को मिलती थीं। उन्होंने दावा किया कि केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद सुरक्षा स्थिति में सुधार हुआ है और लोगों के बीच शांति का माहौल कायम हुआ है। दसगोत्रा ने कहा कि राज्य का दर्जा बहाल होने पर पुरानी परिस्थितियां दोबारा पैदा होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

जम्मू-कश्मीर नाम के पीछे छिपी रोचक पौराणिक कहानी

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। बर्फ से ढके पहाड़, हरी-भरी घाटियां और झीलें इसकी पहचान हैं। लेकिन इस क्षेत्र के नाम के पीछे भी रोचक पौराणिक और स्थानीय परंपराएं जुड़ी हुई हैं।मान्यता है कि 'कश्मीर' नाम ऋषि कश्यप से जुड़ा हुआ है। पौराणिक कथा के अनुसार, वर्तमान कश्मीर घाटी के स्थान पर कभी एक विशाल झील थी। यहां एक दैत्य के रहने की बात कही जाती है, जिससे लोग परेशान थे। लोगों की समस्या दूर करने के लिए ऋषि कश्यप ने झील का पानी बाहर निकालकर क्षेत्र को रहने योग्य बनाया। इसी कारण कश्मीर नाम को कश्यप से जोड़कर देखा जाता है। हालांकि, यह नामकरण एक पारंपरिक मान्यता है। वहीं, 'जम्मू' नाम को राजा जंबू लोचन से जुड़ी स्थानीय कथा से जोड़ा जाता है। कहा जाता है कि राजा ने तवी नदी के किनारे एक शेर और बकरी को एक ही स्थान पर शांतिपूर्वक पानी पीते देखा। इस दृश्य से प्रभावित होकर उन्होंने इसे शांति और सद्भाव वाली भूमि माना तथा यहां नगर बसाने का निर्णय लिया। माना जाता है कि राजा के नाम से ही 'जंबू' और आगे चलकर 'जम्मू' नाम प्रचलित हुआ। इस तरह जम्मू-कश्मीर नाम के पीछे पौराणिक कथाओं और स्थानीय लोकविश्वासों की समृद्ध परंपरा जुड़ी हुई है।

लद्दाख में युवाओं को मिलेगा रॉक क्लाइंबिंग का प्रशिक्षण

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में युवाओं को साहसिक खेलों से जोड़ने के लिए आठ से 14 अक्टूबर तक सात दिवसीय बेसिक रॉक क्लाइंबिंग कोर्स आयोजित किया जाएगा। लद्दाख पर्यटन विभाग भारतीय पर्वतारोहण फाउंडेशन के सहयोग से लेह में यह प्रशिक्षण आयोजित कर रहा है। इसमें 12 से 18 वर्ष की आयु के युवा हिस्सा ले सकेंगे। कोर्स के दौरान प्रतिभागियों को चट्टानों पर सुरक्षित तरीके से चढ़ने की बुनियादी तकनीक, आवश्यक कौशल और पर्वतीय वातावरण से जुड़ी व्यावहारिक जानकारी दी जाएगी। इसका उद्देश्य युवाओं में साहसिक गतिविधियों के प्रति रुचि बढ़ाने के साथ उन्हें पर्वतारोहण के क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराना है।पर्यटन विभाग के अनुसार, इस बेसिक कोर्स में अधिकतम 30 युवाओं को शामिल किया जाएगा। पहले पंजीकरण कराने वाले प्रतिभागियों को प्राथमिकता दी जाएगी।

जम्मू-कश्मीर में दस दिन बादल बारिश और बर्फबारी के आसार



मौसम विभाग ने किसानों को सेब और धान की फसल सुरक्षित रखने की सलाह दी।

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में अगले 10 दिनों के दौरान मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। श्रीनगर मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से सोमवार को जारी सलाह के अनुसार, इस अवधि में आसमान में बादल छाए रहने के साथ कई स्थानों पर हल्की बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी होने की संभावना है। मौसम विभाग ने किसानों को फसलों की सुरक्षा के लिए आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी है।

मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, आज से मौसम में बदलाव शुरू होने की संभावना है। अगले पांच दिनों यानी 10 अक्टूबर तक अधिकांश स्थानों पर आसमान आंशिक रूप से लेकर सामान्य रूप से बादल छाए रह सकते हैं। इस दौरान जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश होने की संभावना है, जबकि ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी हो सकती है। कई स्थानों पर गरज के साथ बारिश और तेज हवाएं चलने की भी संभावना जताई गई है।

मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, 11 से 15 अक्टूबर तक जम्मू-कश्मीर में मौसम आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है। इस दौरान भी कुछ स्थानों पर मौसम में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। पर्वतीय और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में मौसम के प्रभाव को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर के किसानों से आज से 10 अक्टूबर के बीच सेब और धान की फसलों का सुरक्षित भंडारण सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

जम्मू में युवाओं में बढ़ रहा हृदय रोग का खतरा, जीवनशैली में बदलाव जरूरी

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। हृदय रोग अब केवल अधिक उम्र के लोगों तक सीमित नहीं रह गया है। बदलती जीवनशैली के कारण युवा वर्ग, कामकाजी पेशेवरों और देखने में स्वस्थ लोगों में भी हृदय संबंधी जोखिम तेजी से बढ़ रहा है। कई मामलों में कम उम्र में ही हृदयाघात जैसी गंभीर स्थिति सामने आ रही है। समय रहते जोखिम की पहचान और बचाव के उपाय अपनाना बेहद जरूरी है। यह बात जीएमसीएच जम्मू के कार्डियोलाजी विभागाध्यक्ष डॉ. सुशील कुमार शर्मा ने कही।

गुरुद्वारा सिंह सभा, माडल टाउन, गंग्याल, जम्मू में आयोजित एक दिवसीय शिविर में डॉ. सुशील ने कहा कि लंबे समय तक बैठे रहना, शारीरिक गतिविधि की कमी, मोबाइल और अन्य डिजिटल उपकरणों का अधिक इस्तेमाल, अस्वास्थ्यकर खान-पान, तंबाकू सेवन, मोटापा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, बढ़ा हुआ कोलेस्ट्राल, नींद की कमी और लगातार मानसिक तनाव हृदय रोग के प्रमुख जोखिम कारक बन रहे हैं। कई लोग इन जोखिमों से अनजान रहते हैं और समस्या गंभीर होने के बाद ही चिकित्सकीय सहायता लेते हैं।

डॉ. सुशील ने कहा कि सीने में दर्द या दबाव, बिना कारण सांस फूलना, असामान्य



थकान, दिल की धड़कन तेज या अनियमित होना, ठंडा पसीना, मितली तथा दर्द का हाथ, पीठ, गर्दन या जबड़े तक फैलना गंभीर संकेत हो सकते हैं। इन लक्षणों को केवल तनाव या थकान समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। समय पर चिकित्सकीय सहायता मिलने से आपात स्थिति में जीवन बचाया जा सकता है।

उन्होंने नियमित व्यायाम, संतुलित और पौष्टिक आहार, पर्याप्त नींद, तंबाकू से दूरी तथा तनाव प्रबंधन को हृदय स्वास्थ्य के लिए जरूरी बताया। साथ ही जोखिम वाले लोगों और पारिवारिक इतिहास रखने वालों को समय-समय पर रक्तचाप, रक्त शर्करा और कोलेस्ट्राल की जांच कराने की सलाह दी।

जिला स्तरीय जिम्नास्टिक प्रतियोगिताओं से राष्ट्रीय टीम के लिए चयनित होंगे खिलाड़ी



भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर के जिम्नास्ट खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। खिलाड़ियों के चयन के लिए जम्मू-कश्मीर जिम्नास्टिक एसोसिएशन की ओर से 10 से 24 अक्टूबर तक विभिन्न जिलों में जिला स्तरीय जिम्नास्टिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इन प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए प्रदेश की टीम में चयन किया जाएगा। जारी कार्यक्रम के अनुसार 10 अक्टूबर को किश्तवाड़ और सांबा, 11 अक्टूबर को पुंछ और राजौरी, 13 अक्टूबर को कठुआ, 18 अक्टूबर को रियासी, 22 अक्टूबर को ऊधमपुर तथा 23 और 24 अक्टूबर को जम्मू में जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। आयोजकों ने खिलाड़ियों से निर्धारित तिथियों पर समय से पहुंचकर प्रतियोगिता में भाग लेने की अपील की है। प्रतियोगिता का आयोजन जिम्नास्टिक फेडरेशन आफ इंडिया और जम्मू-कश्मीर खेल परिषद के तत्वावधान में किया जाएगा। सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को आयोजक एवं समन्वयक रविंदर सिंह के पास आधार कार्ड की प्रति और अपना फोटो जमा कराना होगा। आयोजकों के अनुसार आगामी राष्ट्रीय स्तरीय जिम्नास्टिक प्रतियोगिता में जम्मू-कश्मीर का प्रतिनिधित्व करने के इच्छुक खिलाड़ियों के लिए जिला स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेना अनिवार्य होगा।

पुंछ में सेना ने दो लैंडमाइन्स बरामद कर सुरक्षित तरीके से कीं नष्ट

भारतेंदु संवाददाता, पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास सेना ने सोमवार को दो लैंडमाइन्स का पता लगाकर उन्हें सुरक्षित तरीके से नष्ट कर दिया। दोनों बारूदी सुरंगें मेंढर सेक्टर के बसूनी टॉप इलाके में सीमा बाड़ के पास मिलीं। समय रहते इनका पता चलने से बड़ा हादसा टल गया।



अधिकारियों के अनुसार, सेना की गश्ती पार्टी सोमवार सुबह इलाके में नियमित निगरानी कर रही थी। करीब 9:50 बजे जवानों की नजर संदिग्ध विस्फोटक उपकरणों पर पड़ी। जवानों ने तत्काल सतर्कता बरतते हुए आसपास के क्षेत्र को घेर लिया और लोगों की आवाजाही रोक दी। इसके बाद बम निरोधक दस्ते को मौके पर बुलाया गया।

बम निरोधक दस्ते ने सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए दोनों लैंडमाइन्स को नियंत्रित विस्फोट के जरिए नष्ट कर दिया। इस कार्रवाई के दौरान किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। सेना की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से संभावित दुर्घटना को टाल दिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि नियंत्रण रेखा के अग्रिम इलाकों में घुसपैठ रोधी सुरक्षा व्यवस्था के तहत विभिन्न स्थानों पर बारूदी सुरंगें बिछाई गई हैं। मौसम में बदलाव, भारी बारिश और मिट्टी खिसकने जैसी परिस्थितियों के कारण कई बार ये लैंडमाइन्स अपनी निर्धारित जगह से खिसक जाती हैं। ऐसी स्थिति में गश्ती दल नियमित निगरानी के दौरान संदिग्ध वस्तुओं की पहचान करते हैं और बम निरोधक दस्ते की मदद से उन्हें सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय किया जाता है।

सेना ने इलाके में निगरानी और गश्त बढ़ा दी है। साथ ही आसपास के क्षेत्रों में भी संदिग्ध वस्तुओं की तलाश की जा रही है, ताकि किसी संभावित खतरे को समय रहते टाला जा सके।

30 दिन में जांच रिपोर्ट सौंपने के निर्देश, पांच सेवारत कर्मचारियों पर कार्रवाई शुरू

शोपियां सड़क परियोजना में वित्तीय गड़बड़ी, 23 अधिकारी जांच के घेरे में

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के शोपियां में सड़क निर्माण से जुड़ी सरकारी परियोजना में कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच फिर शुरू कर दी गई है। मामला चेक्की कछदूरा से चेक्की नोगाम और चित्रीपोरा-कापरिन सड़क के सुधार व उन्नयन से जुड़ा है। यह कार्य नाबार्ड योजना के तहत लोक निर्माण विभाग के शोपियां मंडल में कराया गया था। परियोजना में सरकारी धन के कथित दुरुपयोग और नियमों की अनदेखी की शिकायतों के बाद सरकार ने मामले की जांच के लिए समितियां गठित की थीं। पहली समिति ने अप्रैल 2025 में रिपोर्ट सौंपी, लेकिन कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी। इसके बाद जुलाई 2025 में नई समिति बनाई गई, जिसने सितंबर और दिसंबर 2025 में अपनी रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में परियोजना के क्रियान्वयन में गंभीर लापरवाही, नियमों की अनदेखी और अन्य अनियमितताओं का उल्लेख किया गया। समिति ने सरकारी खजाने को हुए संभावित नुकसान का पता लगाने के लिए वित्तीय आडिट कराने की सिफारिश भी की।



सड़क निर्माण में नियमों की अनदेखी और संभावित सरकारी नुकसान की जांच

सड़क परियोजना की जांच में पांच सेवारत कर्मियों पर शिकंजा

जांच में कुल 23 अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका सामने आई है। इनमें 18 अधिकारी-कर्मचारी दो वर्ष से अधिक समय पहले सेवानिवृत्त हो चुके हैं, जबकि एक कर्मचारी की मृत्यु हो चुकी है। इसलिए इनके खिलाफ मौजूदा नियमों के तहत विभागीय कार्रवाई संभव नहीं मानी गई है। हालांकि, जांच में सरकारी नुकसान के लिए जिम्मेदारी सामने आने पर नियमों के अनुसार आगे की कार्रवाई की जा सकती है। वहीं पांच सेवारत अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू की गई है। इनमें फारूक अहमद नायकू, विक्रम नैन सिंह, तारिक अहमद मलिक, जावेद अहमद मलिक और रोड वर्कर-कम-डिविजनल स्टोर कीपर गुलाम हसन शामिल हैं। सभी ने आरोपों से इनकार किया, लेकिन जांच समिति ने उनके जवाब को संतोषजनक नहीं माना।

अनंतनाग में छह संदिग्ध नशा तस्कर गिरफ्तार, चरस और हेरोइन बरामद

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में पुलिस ने नशीले पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत अलग-अलग कार्रवाइयों में छह संदिग्ध नशीले पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से चरस, हेरोइन और नकदी बरामद करने का दावा किया है। सभी मामलों में जांच जारी है।

पुलिस प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि जिले में नशीले पदार्थों की तस्करी और बिक्री पर रोक लगाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में श्रीगुफवारा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए खुर्शीद अहमद नेंगरू को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 70 ग्राम चरस बरामद की गई।

एक अन्य कार्रवाई में बिजबेहरा पुलिस ने उबैद मजीद शाह को पकड़ा। उसके पास से 15 ग्राम चरस बरामद हुई। वोजपान इलाके में तलाशी अभियान के दौरान पुलिस ने मोहम्मद शमीम दास को गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से 15 ग्राम चरस बरामद की।

बिजबेहरा पुलिस ने एक अन्य मामले में मुनीब अहमद गनी को भी गिरफ्तार किया। उसके पास से 14 ग्राम चरस बरामद की गई। पुलिस ने बताया कि ची तरबल इलाके में



◆ पुलिस ने अलग-अलग इलाकों में कार्रवाई कर छह आरोपितों से नशीले पदार्थ किए बरामद

कार्रवाई के दौरान जुबैर अहमद पल्ला और दानिश मुश्ताक को गिरफ्तार किया गया। दोनों के कब्जे से 3.7 ग्राम हेरोइन और 11,800 रुपये नकद बरामद किए गए।

पुलिस के अनुसार, सभी आरोपितों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामले दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। बरामद नशीले पदार्थों के स्रोत और इनकी आपूर्ति से जुड़े नेटवर्क का पता लगाने के लिए भी जांच की जा रही है।

जम्मू-कश्मीर में साझा भूमिगत गलियारों से थमेगी सड़कों की खुदाई

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर सरकार ने शहरी बुनियादी ढांचे को अधिक व्यवस्थित बनाने के लिए जम्मू-कश्मीर साझा उपयोगिता गलियारा नीति-2026 अधिसूचित की है। कैबिनेट की मंजूरी के बाद लागू की गई इस नीति के तहत बिजली, पानी, गैस, दूरसंचार और डिजिटल सेवाओं से जुड़ी लाइनों के लिए साझा भूमिगत मार्ग विकसित किए जाएंगे। इसका मुख्य उद्देश्य सड़कों की बार-बार खुदाई रोकना, सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा करना और रखरखाव पर होने वाले खर्च को कम करना है। नई सड़कों के निर्माण के समय साझा भूमिगत मार्ग की व्यवस्था करना अनिवार्य होगा, जबकि मौजूदा सड़कों पर इसे चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। इससे भविष्य में नई बिजली लाइन, पानी की पाइप, गैस लाइन या दूरसंचार सुविधा बिछाने के लिए सड़कों को बार-बार काटने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। नीति में मंजूरियों की प्रक्रिया आसान बनाने के लिए एकल खिड़की व्यवस्था का भी प्रावधान किया गया है। निर्माण की लागत संबंधित विभागों और सेवा प्रदाताओं के बीच साझा की जाएगी।

स्मार्ट तकनीक से खेती को टिकाऊ बनाने और उत्पादन बढ़ाने पर बल

कृषि में एआई रोबोटिक्स अपनाने पर जोर, सिन्हा ने दिए नए सुझाव

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कृषि और बागवानी क्षेत्र की आधुनिक चुनौतियों से निपटने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और स्मार्ट फार्मिंग जैसी तकनीकों को व्यापक स्तर पर अपनाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि बदलते समय में कृषि क्षेत्र की समस्याओं का समाधान पुराने तरीकों और उपकरणों से नहीं किया जा सकता। इसके लिए नए तकनीकी साधनों और नवाचारों की आवश्यकता है।

श्रीनगर स्थित शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में एआई और रोबोटिक्स पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए सिन्हा ने कहा कि कृषि अब केवल खाद्य सुरक्षा तक सीमित नहीं है। उत्पादन बढ़ाने, सीमित संसाधनों का बेहतर उपयोग करने, फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करने और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से खेती को सुरक्षित रखने के लिए आधुनिक तकनीक जरूरी है।

उन्होंने कहा कि एआई और मानव



बुद्धिमत्ता को एक-दूसरे का पूरक बनाकर इस्तेमाल किया जाना चाहिए। तकनीकी नवाचारों का लाभ समाज के व्यापक वर्ग तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से कृषि क्षेत्र में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख करते हुए महिला केंद्रित तकनीकी समाधानों को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

उपराज्यपाल ने कृषि वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और संस्थानों से संसाधन-कुशल, समावेशी और टिकाऊ तकनीक विकसित करने का आह्वान किया, जिससे बदलती जलवायु परिस्थितियों में किसानों की आय और कृषि उत्पादकता को मजबूत किया जा सके।

भद्रवाह के नलथी गांव में दो वाहनों की टक्कर, छह लोग घायल

भारतेंदु संवाददाता, डोडा। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के भद्रवाह क्षेत्र के नलथी गांव में सोमवार को दो वाहनों की टक्कर में छह लोग घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों और आसपास मौजूद लोगों की मदद से घायलों को उपचार के लिए भद्रवाह के उप-जिला अस्पताल पहुंचाया गया।

एक अधिकारी ने बताया कि नलथी इलाके में दो मारुति कारों के बीच टक्कर हुई। हादसे में दोनों वाहनों में सवार छह लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों को तत्काल भद्रवाह के उप-जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार चल रहा है। अधिकारियों के अनुसार, सभी घायलों की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।

हादसे में घायल लोगों की पहचान शफकत इकबाल (50), निवासी पसरी मोहल्ला भद्रवाह, सज्जाद अहमद (50), निवासी नगर भद्रवाह, मोहम्मद अयूब (62), निवासी लवांग, जिला कठुआ, फिरदौस अहमद (54),



◆ हादसे में घायल सभी छह लोगों की हालत स्थिर अस्पताल में उपचार जारी

निवासी सराफा मोहल्ला भद्रवाह, नसीर अहमद (55), निवासी नगर भद्रवाह और वसीम राजा (50), निवासी पसरी मोहल्ला भद्रवाह के रूप में हुई है।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले का संज्ञान लिया। पुलिस ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक स्तर पर यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि दोनों वाहनों की टक्कर किन परिस्थितियों में हुई। दुर्घटना के संबंध में पुलिस की ओर से आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सफेद एप्रन के भीतर धड़कता ईश्वर... ..'निस्वार्थ सेवा का सर्वोच्च प्रतीक'





संदीप डोगरा 'निर्भीक'
सीनियर प्राइवेट सेक्रेटरी, प्रधानाचार्य कार्यालय, मेडिकल कॉलेज टांडा

जब जीवन की सांसें टूटने लगती हैं, तब कहीं एक डॉक्टर अपनी नींद त्याग देता है, एक नर्स अपनी थकान भूल जाती है और एक पैरामेडिकल कर्मी बिना किसी शोर के जीवन की डोर थामे खड़ा रहता है।'

मनुष्य ने ईश्वर को कभी देखा नहीं, लेकिन उसे महसूस अवश्य किया है। कभी मां की ममता में, कभी पिता के संरक्षण में और कभी किसी अपरिचित के निस्वार्थ स्पर्श में। यदि आधुनिक युग में ईश्वर का कोई जीवंत स्वरूप दिखाई देता है, तो वह अस्पतालों के उन सफेद एप्रन पहने चेहरों में दिखाई देता है, जो हर दिन मृत्यु को चुनौती देकर जीवन का दीप जलाते हैं। आध्यात्मिक दृष्टि से प्रकृति हमें एक अद्भुत रहस्य सिखाती है। मकड़ी जब अपना जाला बुनती है, तो वह अपनी अदृश्य लार से एक-एक तंतु को जोड़ती जाती है।

उस समय वह लार किसी को दिखाई नहीं देती, लेकिन जब जाला पूर्ण होता है, तब उसकी अद्भुत रचना सबको चमत्कृत कर देती है। ठीक यही कहानी चिकित्सा जगत की है। डॉक्टरों, नर्सों और स्वास्थ्यकर्मियों का वात्सल्य, उनका समर्पण और उनका मौन संघर्ष दिखाई नहीं देता; दिखाई देती है तो केवल उस मरीज की मुस्कान, जो मृत्यु के द्वार से लौटकर अपने घर पहुंचा होता है। उस मुस्कान के पीछे अनगिनत जागी हुई रातें, अनकहे आंसू, अथक परिश्रम और अडिग विश्वास छिपा होता है। अस्पताल केवल उपचार का स्थान नहीं, बल्कि आशा का सबसे बड़ा तीर्थ है। यहां डॉक्टर केवल दवाइयां नहीं देते, बल्कि टूटते हुए विश्वास को फिर से जीवन देते हैं। नर्सें केवल इंजेक्शन नहीं लगातीं, वे उस मां का रूप बन जाती हैं, जिसकी हथेली का स्पर्श आधा दर्द अपने आप हर लेता है।

कई बार परिस्थितियां इतनी विकट होती हैं कि लगता है मानो ये लोग यमराज से भी संवाद कर रहे हों-'अभी नहीं... इस जीवन की कहानी अभी अधूरी है।' मैंने टांडा मेडिकल कॉलेज में ऐसे अनेक दृश्य देखे हैं, जहां चिकित्सा केवल पेशा नहीं, बल्कि तपस्या बन जाती है। सीमित संसाधनों, अत्यधिक कार्यभार और कठिन परिस्थितियों के बीच भी डॉक्टर और नर्सें जिस एकाग्रता, संवेदनशीलता और समर्पण से मरीजों की सेवा करते हैं, वह किसी साधक की साधना से कम नहीं। जब पूरा स्वास्थ्य दल एक जीवन बचाने के लिए एकजुट होता है, तब यह केवल चिकित्सा नहीं, बल्कि मानवता का सबसे पवित्र यज्ञ बन जाता है, लेकिन इस यज्ञ के कुछ ऐसे ऋषि भी हैं, जिनका नाम प्राय: किसी मंच से नहीं लिया जाता।

लैब, रेडियोलॉजी, डायलिसिस, ऑपरेशन थिएटर, फार्मेसी, कार्डियक टेक्नोलॉजी तथा अन्य पैरामेडिकल विभागों के लगभग अस्सी कर्मी उस अदृश्य नींव की तरह हैं, जिन पर पूरा चिकित्सा तंत्र टिका है। उनकी मेहनत अक्सर पर्दे के पीछे रह जाती है, लेकिन यदि वे एक क्षण के लिए भी रुक जाएं, तो अस्पताल की पूरी व्यवस्था ठहर सकती है। उनकी सटीक रिपोर्ट, समय पर दवाएं, मशीनों का कुशल संचालन और निरंतर सतर्कता अनगिनत जिंदगियों की रक्षा करती है।

कई बार मन व्यथित हो उठता है कि संसाधनों की कमी, सीमित सुविधाओं और अत्यधिक दबाव के बीच भी ये कर्मयोगी बिना किसी शिकायत के अपने कर्तव्य का निर्वाह करते रहते हैं। इनके लिए हर मरीज केवल एक फाइल नहीं, बल्कि किसी मां की उम्मीद, किसी बच्चे का भविष्य और किसी परिवार की पूरी दुनिया होता है। स्वास्थ्यकर्मियों की सेवा केवल एक पेशा नहीं, बल्कि मानवता के प्रति समर्पित महान दायित्व है। उनका निस्वार्थ सेवा भाव उनके कार्य को महापुण्य का स्वरूप प्रदान करता है।

समाज का कर्तव्य है कि वह इन सफेद एप्रन वाले योद्धाओं को उचित सम्मान और कृतज्ञता दे। किसी अनजान व्यक्ति का जीवन बचाने के लिए वे अपने आराम, परिवार और व्यक्तिगत सुखों का त्याग करते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

भारत में रथयात्राओं की समृद्ध परंपरा आस्था और संस्कृति का अद्भुत संगम





डॉ. कमल के 'प्यासा'
लोअर समखेतर, मंडी (हि.प्र.)

भारत में देवी-देवताओं की शोभायात्राओं की समृद्ध परंपरा रही है, किंतु विशाल रथों पर निकलने वाली यात्राएं मुख्यत: ओडिशा के पुरी, गुजरात के अहमदाबाद तथा कुछ अन्य क्षेत्रों में ही देखने को मिलती हैं।

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में दशहरे के अवसर पर भगवान राम की विशाल रथयात्रा निकलती है, जबकि प्रदेश के अन्य भागों में देवी-देवताओं की पालकी यात्राएं प्रचलित हैं। इनमें देव प्रतिमाओं के स्थान पर सोने, चांदी अथवा अष्टधातु के मुखौटों की पूजा की जाती है। भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा से अनेक पौराणिक कथाएं जुड़ी हैं। भागवत पुराण के अनुसार, द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण ने अपने बड़े भाई बलराम और बहन सुभद्रा के साथ अक्षय तृतीया के दिन नगर भ्रमण किया था, जिसके लिए विश्वकर्मा ने तीन सुंदर रथों का निर्माण किया। एक अन्य कथा के अनुसार, कंस के बुलावे पर अक्रूर जब श्रीकृष्ण और बलराम को रथ में बैठाकर गोकुल से मथुरा ले गए, तभी से इस यात्रा को रथयात्रा के रूप में स्मरण किया जाने लगा। ओडिशा के पुरी में यह विश्व प्रसिद्ध रथयात्रा प्रत्येक वर्ष आषाढ़ शुक्ल द्वितीया से प्रारंभ होकर दशमी तक चलती है। इसमें देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु भाग लेते हैं।

रथों का निर्माण अक्षय तृतीया से प्रारंभ होता है और परंपरा के अनुसार तीन विशाल रथ तैयार किए जाते हैं। पहला रथ भगवान जगन्नाथ का नंदीघोष कहलाता है। इसकी ऊंचाई लगभग 45 फुट होती है तथा इसमें 16 पहिए लगे होते हैं। इसका सारथी दारुक और रक्षक गरुड़ माने जाते हैं। यह रथ श्रद्धा, परंपरा और आध्यात्मिक ऊर्जा का प्रतीक है।

दूसरा रथ देवी सुभद्रा का देवदलन (दर्पदलन) कहलाता है। इसकी ऊंचाई लगभग 43 फुट तथा इसमें 12 पहिए होते हैं। इसके सारथी अर्जुन और रक्षक देवी दुर्गा मानी जाती हैं। यह रथ शक्ति, सौम्यता और विजय का प्रतीक है। तीसरा रथ भगवान बलराम का तालध्वज कहलाता है। इसकी ऊंचाई लगभग 44 फुट तथा इसमें 14 पहिए होते हैं। इसके सारथी मातली और रक्षक वासुदेव माने जाते हैं। यह रथ शक्ति, धैर्य और नेतृत्व का प्रतीक माना जाता है। इन तीनों रथों का निर्माण मुख्यत: नीम और नारियल की लकड़ी से किया जाता है।

पीढ़ी-दर-पीढ़ी जुड़े कारीगर, बढ़ई, चित्रकार, दर्जी और सेवक इस कार्य को परंपरागत विधि से संपन्न करते हैं, जिससे यह कला आज भी जीवित है। रथयात्रा के दिन भगवान जगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा अपने रथों पर सवार होकर श्रीमंदिर से लगभग तीन किलोमीटर दूर स्थित गुंडीचा मंदिर की ओर प्रस्थान करते हैं, जिसे भगवान की जन्मस्थली तथा मौसी का घर माना जाता है। यात्रा आरंभ होने से पहले पुरी के गजपति महाराज द्वारा 'छेरा पहंरा' की रस्म निभाई जाती है, जिसमें वे स्वर्ण झाड़ू से मार्ग की प्रतीकात्मक सफाई करते हैं। यह परंपरा राजा और प्रजा की समानता तथा ईश्वर के समक्ष विनम्रता का संदेश देती है।

सात दिन तक भगवान गुंडीचा मंदिर में विराजमान रहते हैं, जहां प्रतिदिन अनेक बार भोग लगाया जाता है तथा श्रद्धालु दर्शन, पूजा, भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेते हैं। इसके बाद वापसी यात्रा, जिसे 'बहुड़ा यात्रा' कहा जाता है, के माध्यम से भगवान पुन: श्रीमंदिर लौटते हैं।

जगन्नाथ रथयात्रा केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, आस्था, सेवा, समानता और सामाजिक समरसता का जीवंत प्रतीक है। यह पर्व सभी वर्गों के लोगों को एक सूत्र में बांधकर भक्ति और मानवता का संदेश देता है। भगवान जगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा की इस विश्व प्रसिद्ध यात्रा में लाखों श्रद्धालु भाग लेते हैं। धार्मिक मान्यता है कि रथयात्रा के दर्शन एवं सहभागिता से सौ यज्ञों के बराबर पुण्य प्राप्त होता है और मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। इसलिए यह उत्सव भारत की सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक चेतना का अनुपम प्रतीक माना जाता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

नई पीढ़ी में बढ़ेगा आत्मगौरव

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की नौवीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की नई पाठ्यपुस्तक 'अंडरस्टैंडिंग सोसायटी : इंडिया एंड बियांड भाग-दो' में किए गए बदलाव को केवल पाठ्यक्रम संशोधन के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह समकालीन भारत में इतिहास को देखने और समझने के नजरिये में बदलाव का प्रयास भी है। लंबे समय तक भारतीय विद्यार्थियों को मध्यकालीन भारत का इतिहास मुख्य रूप से दिल्ली सल्तनत और मुगल साम्राज्य के राजनीतिक, प्रशासनिक और आर्थिक पक्षों के माध्यम से पढ़ाया जाता रहा। स्थापत्य कला, दरबारी संस्कृति, सैन्य शक्ति और गंगा-जमुनी तहजीब जैसे विषय इस इतिहास-वर्णन के प्रमुख केंद्र रहे।

नई पुस्तक में मध्यकालीन भारत को देखने के लिए भारतीय समाज और स्वदेशी शक्तियों की भूमिका पर अधिक जोर दिया गया है। इसमें विदेशी आक्रमणों, राजनीतिक संघर्षों और सामाजिक परिस्थितियों के साथ उन भारतीय शक्तियों का भी उल्लेख किया गया है, जिन्होंने विभिन्न कालखंडों में अपनी स्वतंत्रता और राजनीतिक पहचान बनाए रखने के लिए संघर्ष किया। इस दृष्टिकोण से इतिहास को केवल शासकों और साम्राज्यों का विवरण न मानकर समाज, संस्कृति, प्रतिरोध और पुनर्निर्माण की प्रक्रिया के रूप में देखने का अवसर मिलता है।

पुस्तक में महाराणा प्रताप और मुगल सेना के बीच हुए दिवेर के युद्ध का विस्तार से उल्लेख किया गया है। मेवाड़ के संघर्ष को भारतीय प्रतिरोध की परंपरा के एक महत्वपूर्ण उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया गया है। इसी प्रकार उत्तर-पूर्व भारत के अहोम साम्राज्य की दीर्घकालीन स्वतंत्रता और सरायघाट के युद्ध में लचित बोरफुकन के नेतृत्व में मुगल सेना के विरुद्ध मिली सफलता को भी प्रमुखता दी गई है। दक्षिण भारत के विजयनगर साम्राज्य की शक्ति और मराठों की स्वराज की अवधारणा को भी इस व्यापक इतिहास-दृष्टि का हिस्सा बनाया गया है।

मध्यकालीन भारत में विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक आंदोलनों का उल्लेख भी पुस्तक में किया गया है। मुगल शासन की कुछ नीतियों के विरोध में हुए जाट विद्रोह, सिख गुरुओं की भूमिका तथा गुरु अर्जुन देव, गुरु तेग बहादुर और गुरु गोविंद सिंह के योगदान का वर्णन किया गया है। खालसा पंथ की स्थापना और सिख परंपरा के राजनीतिक-सामाजिक विकास को भी इस संदर्भ में समझाया गया है। इससे विद्यार्थियों को यह समझने का अवसर मिलता है कि मध्यकालीन भारत में सत्ता और समाज के बीच संबंध हमेशा एकरूप नहीं रहे।

मंदिरों के निर्माण, विध्वंस और पुनर्निर्माण की परंपरा को भी पुस्तक में स्थान दिया गया है। काशी विश्वनाथ मंदिर के इतिहास सहित विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं का उल्लेख करते हुए यह बताया गया है कि प्रतिकूल परिस्थितियों में भी भारतीय धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराएं अलग-अलग माध्यमों से आगे बढ़ती रहीं। भक्ति आंदोलन से जुड़े संतों और कवियों—शंकरदेव, माधवदेव, चैतन्य महाप्रभु, तुलसीदास, सूरदास, मीराबाई, गुरु नानक और नरसी जैसे व्यक्तित्वों—के योगदान को भी इसी सांस्कृतिक निरंतरता के संदर्भ में देखा गया है।

पुस्तक का एक महत्वपूर्ण पक्ष भारतीय शासन और सुशासन की परंपरा को समझने का प्रयास है। इसमें शासन की अवधारणा को केवल आधुनिक पश्चिमी लोकतांत्रिक व्यवस्था से जोड़ने के बजाय भारतीय परंपराओं में मौजूद सभा और समिति, रामराज्य, राजधर्म, कौटिल्य के अर्थशास्त्र और चोल प्रशासन जैसी व्यवस्थाओं तथा विचारों से जोड़कर देखा गया है। आधुनिक संविधान, लोकतांत्रिक संस्थाओं और नागरिक भागीदारी तक पहुंचने वाली इस यात्रा को भारतीय राजनीतिक चिंतन की निरंतरता के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। विभिन्न भारतीय संस्थानों के आदर्श वाक्यों और प्रतीकों को शामिल करने का उद्देश्य भी विद्यार्थियों को उनके सांस्कृतिक और वैचारिक संदर्भ से परिचित कराना है।

इतिहास के इस पुनर्पाठ का उद्देश्य केवल अतीत के गौरव को सामने रखना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में इतिहास को आलोचनात्मक ढंग से समझने की क्षमता विकसित करना भी होना चाहिए। किसी भी इतिहास-बोध की सार्थकता तभी है, जब उसमें उपलब्धियों के साथ संघर्ष, कमियों और जटिलताओं को भी समझने की गुंजाइश हो। भारत के अतीत में राजनीतिक संघर्षों के साथ सामाजिक परिवर्तन, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और विभिन्न समुदायों के योगदान को भी समान गंभीरता से देखना आवश्यक है।

नई पीढ़ी के लिए इतिहास की ऐसी दृष्टि महत्वपूर्ण है, जो न तो हीनभावना पैदा करे और न ही अतीत को केवल गौरवगाथा में सीमित कर दे। भारत के इतिहास को प्रतिरोध, पुनर्निर्माण, सांस्कृतिक निरंतरता और विविधता के साथ समझने से विद्यार्थियों में अपनी विरासत के प्रति आत्मविश्वास पैदा हो सकता है। साथ ही, आलोचनात्मक सोच के माध्यम से वे यह समझ सकेंगे कि वर्तमान भारत का निर्माण अनेक ऐतिहासिक अनुभवों, संघर्षों और परंपराओं के मेल से हुआ है। यही दृष्टि भविष्य के भारत के निर्माण में आत्मविश्वास, जिम्मेदारी और आत्मनिर्भरता की भावना को मजबूत कर सकती है।

-शिवांश धाकड़

कविता

क्यों ऐसा लगा हमें?

अमित मैहरा (एचएएस), एडीसी, जिला चंबा (हि.प्र.)

क्यों ऐसा लगा कि अब जिंदगी फिर मुस्कुरा रही है,
क्यों नहीं नजर आतीं मुश्किलें, जैसे पानी में बहती जा रही हैं।
क्यों लगा डर मुझको अपने ही अकेलेपन से,
पहले तो किसी पर इतना निर्भर नहीं था मैं।
क्यों निराशाएं सारी आज कहीं दूर हो गईं,
क्यों लगा कि भीतर का आकाश फिर से भर गया।
यथार्थ है, कोई प्रात:कालीन स्वप्न नहीं,
पर ऐसा बोध क्या पहले भी था, कहीं?
फिर करूं विश्लेषण, फिर पलटूं पन्ने अतीत के,
न समय है, न साहस उन बीते क्षणों को छूने का।
क्यों याद करूं वह बीता कल,
अनचाहे क्षणों से फैला अभाव का मरुस्थल।
अब तो संग खुशियों के कुछ कण हैं,
मन में उमंगें हैं और आंखों में नए सपने हैं।
क्यों यह व्यथा, क्यों ये अंतर्द्वंद्व,
क्यों है अस्पृश्यता इन विचारों में, फिर भी इतनी स्वच्छंद?
क्यों यह सब कुछ इतना अलग-सा लगता है,
जैसे जीवन ने अचानक कोई नया अर्थ चुना हो।
क्यों पुराने सवाल फिर लौटकर आते हैं,
जब सामने बैठी यादें मुस्कुराती हैं।
क्यों मुझे याद आ रहे हैं वे लोग,
जिन्हें समय की धूल में कहीं पीछे छोड़ आया था।
क्यों उनकी आंखों में आज भी अपनापन है, और क्यों मेरे भीतर अब भी उनका स्थान है। शायद इसलिए कि कुछ रिश्ते कभी खत्म नहीं होते,
कुछ यादें वक्त के साथ भी धुंधली नहीं होतीं।
और शायद यही जिंदगी का सबसे सुंदर सच है—
कभी-कभी लौटकर वही मिलता है,
जिसे हम बहुत पहले खोया समझ बैठे थे।

भिक्षावृत्ति में संलिप्त बच्चों का पुनर्वास एवं शिक्षा से जुड़ाव लाजिमी





डॉ. राज कुमारी
साइकोलॉजिस्ट

भिक्षावृत्ति में शामिल प्रत्येक बच्चा केवल एक जरूरतमंद नहीं, बल्कि खोते हुए भविष्य का प्रतीक है। जब तक समाज भीख देने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने के बजाय इन बच्चों को शिक्षा, सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन की ओर अग्रसर करने का संकल्प नहीं लेगा, तब तक यह सामाजिक अभिशाप समाप्त नहीं हो सकेगा। भिक्षावृत्ति में संलिप्त बच्चों को इस दलदल से बाहर निकालकर शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना केवल सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि पूरे समाज की नैतिक और मानवीय जिम्मेदारी है।

इन बच्चों के पीछे अक्सर संगठित भिक्षावृत्ति गिरोह, मानव तस्करी, पारिवारिक गरीबी या अन्य सामाजिक मजबूरियाँ होती हैं। इसलिए समाज, प्रशासन और परिवार—सभी की संयुक्त भागीदारी आवश्यक है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21(क) (21) के अंतर्गत 6 से 14 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को नि:शुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार प्राप्त है। प्रत्येक बच्चे को भीख नहीं, बल्कि शिक्षा, संरक्षण और बेहतर भविष्य का अवसर मिलना चाहिए, ताकि वह एक सशक्त नागरिक बनकर राष्ट्र के विकास में योगदान दे सके।

भिक्षावृत्ति में शामिल बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। लंबे समय तक सड़कों पर रहने, शोषण, उपेक्षा और असुरक्षित वातावरण के कारण उनकी मानसिक और सामाजिक स्थिति सामान्य बच्चों से अलग होती है। इसलिए उन्हें सीधे विद्यालय भेजना हमेशा संभव नहीं होता। सबसे पहले उनका विश्वास जीतना, परामर्श देना, पुनर्वास करना और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना आवश्यक है। इसके बाद विशेष प्रशिक्षण और सहयोग के माध्यम से उन्हें शिक्षा से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। सबसे पहले बच्चों को उस स्थान और परिस्थिति से सुरक्षित निकालना जरूरी है, जहां वे भीख मांगने के लिए मजबूर हैं। उन्हें चिल्ड्रन होम, शेल्टर होम या सुरक्षित पुनर्वास केंद्रों में भेजा जाना चाहिए। प्रारंभिक स्तर पर उनकी मूलभूत आवश्यकताओं-भोजन, कपड़े, आवास और चिकित्सा की पूर्ति की जानी चाहिए। जब तक बच्चा शारीरिक और मानसिक रूप से सुरक्षित महसूस नहीं करेगा, तब तक उसका पूर्ण विकास संभव नहीं है।

भिक्षावृत्ति करने वाले अधिकांश बच्चे भय, मानसिक आघात और असुरक्षा से गुजरते हैं। इसलिए प्रशिक्षित परामर्शदाताओं द्वारा उनका मनोवैज्ञानिक परामर्श किया जाना आवश्यक है, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़े और वे सामान्य जीवन में लौट सकें। साथ ही उनके माता-पिता या अभिभावकों का पता लगाकर उनकी स्थिति का आकलन किया जाना चाहिए। यदि कोई अभिभावक जानबूझकर बच्चों से भीख मंगवाता है, तो उसे इसके कानूनी और सामाजिक दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। जब बच्चा मानसिक और शैक्षणिक रूप से तैयार हो जाता है, तब शिक्षा के अधिकार के अंतर्गत उसका विद्यालय में प्रवेश सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

बच्चों को शिक्षा के लाभ, उनके अधिकारों और भविष्य की संभावनाओं के बारे में जानकारी देना आवश्यक है। बड़े बच्चों के लिए पढ़ाई के साथ-साथ कौशल विकास प्रशिक्षण भी जरूरी है। कंप्यूटर, सिलाई, हस्तशिल्प और अन्य व्यावसायिक प्रशिक्षण उन्हें आत्मनिर्भर बनने और सम्मानजनक रोजगार प्राप्त करने में सहायता कर सकते हैं।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

टीवी जगत में अर्चना का सफर

अभिनेत्री और वीडियो जॉकी अर्चना सुसीलन का जन्म 6 अक्टूबर 1989 को महाराष्ट्र के पुणे में हुआ था। मनोरंजन जगत में अपनी अलग पहचान बनाने वाली अर्चना ने अभिनय के साथ-साथ टेलीविजन प्रस्तोता के रूप में भी दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया है। 6 अक्टूबर को उनके जन्मदिन के अवसर पर प्रशंसक और मनोरंजन जगत से जुड़े लोग उन्हें शुभकामनाएं देते हैं। अर्चना सुसीलन ने अपने करियर में विभिन्न टेलीविजन कार्यक्रमों और धारावाहिकों में काम किया है और अपनी सहज अभिनय शैली से दर्शकों के बीच पहचान बनाई है। उनका जन्म पुणे में हुआ और वहीं उनका शुरुआती जीवन बीता। उन्होंने स्नातक तक की शिक्षा हासिल की है। हालांकि उनकी स्कूली और महाविद्यालयीन शिक्षा से जुड़ी विस्तृत जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है।



अर्चना सुसीलन
जन्म : 6 अक्टूबर 1989

अर्चना ने मनोरंजन की दुनिया में कदम रखने के बाद अभिनय के साथ प्रस्तोता के तौर पर भी काम किया। टेलीविजन पर उनकी सक्रियता ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाने में मदद की। अलग-अलग भूमिकाओं को निभाने के दौरान उन्होंने अपने अभिनय में विविधता दिखाने की कोशिश की। उनके व्यक्तित्व और स्क्रीन पर आत्मविश्वास ने भी दर्शकों का ध्यान खींचा। मनोरंजन जगत में लंबे समय तक सक्रिय रहने के कारण उनके प्रशंसकों की अच्छी संख्या है।

अर्चना की खूबसूरती और व्यक्तित्व भी उनकी पहचान का हिस्सा रहे हैं। उनकी लंबाई करीब 165 सेंटीमीटर है और बाल तथा आंखों का रंग काला है। उनका जन्म तुला राशि के अंतर्गत हुआ है। वह भारतीय नागरिक हैं और उनका पैतृक जुड़ाव महाराष्ट्र के पुणे से है। निजी जीवन को लेकर अर्चना अपेक्षाकृत कम चर्चा में रहती हैं और उनका अधिक ध्यान अपने पेशेवर काम पर रहा है। जन्मदिन के मौके पर अर्चना के प्रशंसक उनके स्वस्थ, सफल और खुशहाल जीवन की कामना करते हैं। अभिनय और टेलीविजन के क्षेत्र में अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने मनोरंजन उद्योग में एक अलग मुकाम बनाने की कोशिश की है। उनका करियर उन कलाकारों के लिए भी प्रेरणा है, जो छोटे पर्दे से शुरुआत कर मनोरंजन जगत में अपनी पहचान बनाना चाहते हैं।

बढ़ती ऊर्जा मांग और जलवायु संकट के बीच स्वच्छ ऊर्जा प्रणालियों का निर्माण अब दुनिया की जरूरत





श्रीपाद नाइक
केंद्रीय ऊर्जा राज्य मंत्री

वैश्विक स्तर पर बढ़ती अनिश्चितता, ऊर्जा की बढ़ती मांग और जलवायु से जुड़ी गंभीर चुनौतियों के इस दौर में, अंतरराष्ट्रीय समुदाय को ऐसी ऊर्जा प्रणालियों का निर्माण करने की जरूरत है जो स्वच्छ व अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षित, सस्ती एवं भरोसेमंद होने के साथ-साथ विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की विकास संबंधी जरूरतों तथा आर्थिक आकांक्षाओं के अनुरूप भी हों।

स्वच्छ ऊर्जा दरअसल ऊर्जा सुरक्षा, औद्योगिक विकास और दीर्घकालिक विकास की दृष्टि से तेजी से अहम होती जा रही है। यह ईंधन बाजार में आने वाले उतार-चढ़ाव से पैदा होने वाले जोखिमों को कम कर सकती है, ऊर्जा को अपेक्षाकृत अधिक सुलभ बना सकती है, रोजगार सृजित कर सकती है, घरेलू उद्योगों को मजबूत कर सकती है और देश को अपेक्षाकृत अधिक सुदृढ़ बना सकती है। फिर भी, स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में आगे बढ़ने के रास्ते एक जैसे नहीं हो सकते। इन रास्तों को राष्ट्रीय परिस्थितियों, उपलब्ध संसाधनों और विकास की प्राथमिकताओं के हिसाब से निर्धारित किया जाना चाहिए।

इसी बिंदु पर विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के बीच आपसी सहयोग महत्वपूर्ण हो जाता है। ब्रिक्स के सदस्य देशों के बीच बेहतर सहयोग से स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने की प्रक्रिया में तेजी लाने के साथ-साथ ऊर्जा सुरक्षा, स्थिरता और समावेशी विकास के साझा लक्ष्यों को भी आगे बढ़ाया जा सकता है। भारत का अपना अनुभव यह बताता है कि स्वच्छ ऊर्जा की शुरुआत लोगों से ही होनी चाहिए। पिछले दशक में, प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना (सौभाग्य) के तहत लगभग 28.6 मिलियन घरों को बिजली के कनेक्शन दिए गए।

इससे सभी तक बिजली पहुंचाने का काम आगे बढ़ा और ग्रामीण व कम सुविधा वाले इलाकों में लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत महिलाओं को 105 मिलियन से अधिक एलपीजी कनेक्शन दिए गए। इससे खाना पकाने के साफ-सुथरे तरीकों को बढ़ावा मिला, घर में सेहत बेहतर हुई और कठिन श्रम का बोझ कम हुआ।

ये पहल एक महत्वपूर्ण सिद्धांत को रेखांकित करती हैं: स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने को केवल स्थापित मेगावाट या जोड़ी गई क्षमता के आधार पर नहीं मापा जा सकता, बल्कि इससे पैदा हुए अवसरों, सुदृढ़ हुई आजीविका और बेहतर हुए जीवन स्तर के आधार पर भी मापा जाना चाहिए। लोगों को प्राथमिकता देने वाले इस दृष्टिकोण के साथ-साथ बड़े पैमाने पर काम और सहयोगी बुनियादी ढांचे की भी जरूरत है। भारत की स्वच्छ ऊर्जा की कहानी में नवीकरणीय ऊर्जा अहम हो गई है, लेकिन इसकी सफलता इसे समर्थन प्रदान करने वाली प्रणालियों पर निर्भर करती है।

सौर और पवन ऊर्जा को तेजी से अपनाया जा सकता है, लेकिन इनकी पूरी क्षमता का लाभ तभी मिल पाएगा जब पारेषण (ट्रांसमिशन), वितरण (डिस्ट्रीब्यूशन), भंडारण (स्टोरेज) और ग्रिड प्रबंधन एक साथ मिलकर काम करें। भारत ने स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार में सहायता प्रदान करने वाली प्रणालियों को मजबूत करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। पारेषण संबंधी बुनियादी ढांचे (ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर) का निरंतर विस्तार हुआ है। इसके साथ-साथ ऊर्जा के भंडारण (एनर्जी स्टोरेज) और ग्रिड की सुदृढ़ता (ग्रिड फ्लेक्सिबिलिटी) के क्षेत्र में भी निवेश बढ़ा है। वितरण (डिस्ट्रीब्यूशन) संबंधी सुधारों और उन्नत ग्रिड तकनीक को अपनाने से एक ऐसी बेहतर एवं भरोसेमंद ऊर्जा प्रणाली बनाने में मदद मिली है, जो नवीकरणीय ऊर्जा की बढ़ती हिस्सेदारी को समन्वित करने में सक्षम है। भारत की गैर-जीवाश्म ईंधन पर आधारित क्षमता अब 288 गीगावॉट से अधिक हो गई है।

बड़े पैमाने की परियोजनाओं के अलावा, वितरित नवीकरणीय ऊर्जा (डीआरई) प्रणालियां-जैसे कि रूफटॉप सोलर, सोलर पंप, मिनी-ग्रिड और माइक्रो-ग्रिड-ग्रामीण और कम सुविधा वाले इलाकों में स्वच्छ ऊर्जा को और अधिक सुलभ बना रही हैं। ये प्रणालियां सिंचाई, कोल्ड स्टोरेज, स्कूलों, हेल्थकेयर सेंटरों तथा स्थानीय व्यवसायों को मदद पहुंचाने के साथ-साथ ग्रामीण आजीविका और स्थानीय आर्थिक सुदृढ़ता को भी बढ़ावा दे रही हैं।

भारत की 'पीएम सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना' स्वच्छ ऊर्जा के लोकतंत्रीकरण का उदाहरण है, जिससे लगभग 40 लाख परिवार विकेंद्रीकृत ऊर्जा प्रणाली का हिस्सा बने हैं।

हालांकि, स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार के लिए सस्ती और दीर्घकालिक वित्तीय सहायता सबसे बड़ी आवश्यकता बनी हुई है। विकासशील देशों में नवीकरणीय ऊर्जा की अपार संभावनाओं को व्यवहारिक परियोजनाओं में बदलने के लिए पर्याप्त निवेश जरूरी है। आने वाले समय में नवीकरणीय ऊर्जा, ग्रिड आधुनिकीकरण, ऊर्जा भंडारण, वितरण अवसंरचना और ऊर्जा-कुशल तकनीकों में बड़े पैमाने पर निवेश करना होगा। न्यू डेवलपमेंट बैंक जैसे संस्थान वित्त, तकनीकी सहयोग और क्षमता निर्माण के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

साथ ही, स्वच्छ ऊर्जा तकनीकों के लिए मजबूत एवं विविध आपूर्ति शृंखला विकसित करना भी आवश्यक है। भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता सहयोग, तकनीकी सुलभता, विश्वसनीय आपूर्ति शृंखला और सतत विकास को बढ़ावा देने का अवसर प्रदान करती है, ताकि ऊर्जा प्रणाली सभी के लिए सुलभ, किफायती, विश्वसनीय और दीर्घकालिक आर्थिक व मानव विकास के अनुकूल बन सके।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

'भारतेन्दु शिखर'

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

9 अक्टूबर से बिलिंग में होगा दे दनादन क्रिकेट

भारतेन्दु संवाददाता, केलांग। युवाओं को खेलों के प्रति जागरूक करने, नशे से दूर रखने और उन्हें फिट रखने के उद्देश्य से यंग फार्मर क्लब बिलिंग की ओर से 9 से 12 अक्टूबर तक बिलिंग में सुपर 7 क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। लगभग 10 हजार फीट की ऊंचाई और ठंडे मौसम में होने वाली यह प्रतियोगिता युवाओं और क्रिकेट प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगी। ग्राम पंचायत केलांग के उपप्रधान प्रमोद कुमार टशी ने बताया कि क्लब इससे पहले भी युवाओं को खेलों से जोड़ने के लिए लाहौल प्रीमियर लीग क्रिकेट सुपर सिक्स सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन कर चुका है। उन्होंने बताया कि सुपर 7 प्रतियोगिता में सात खिलाड़ियों की टीम और सात ओवर के प्रारूप में मुकाबले होंगे। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 21 हजार, द्वितीय 10 हजार और तृतीय पुरस्कार तीन हजार रुपये रखा गया है। आयोजन समिति में टशी गुमलिंगपा, मोनू बुकुजी, टशी टचीजी और दावा स्वाची को जिम्मेदारी सौंपी गई है। क्लब ने युवाओं और क्रिकेट प्रेमियों से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की है। क्लब ने युवाओं से प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लेने और खेल भावना के साथ प्रतिभा दिखाने की अपील की है।

आरकेवीवाई के तहत 28.31 करोड़ और कृषि उन्नति योजना में 36.51 करोड़ रुपए जारी

किसानों के हित में हिमाचल के साथ हमेशा खड़ी है मोदी सरकार : अनुराग सिंह ठाकुर



सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री एवं सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश के कृषि क्षेत्र के लिए केंद्र सरकार की ओर से 64.82 करोड़ रुपये की दूसरी किस्त जारी किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार किसानों के हितों और कृषि क्षेत्र के विकास के लिए लगातार काम कर रही है।

अनुराग ठाकुर ने बताया कि जारी की गई दूसरी किस्त में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) के तहत 28.31 करोड़ रुपये और कृषि उन्नति योजना के तहत 36.51 करोड़ रुपये शामिल हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र से मिल रहा यह सहयोग विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसानों के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि पिछले 12 वर्षों के दौरान प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत हिमाचल प्रदेश के लिए कुल 589.59 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इनमें से 456.07 करोड़ रुपये जारी हो चुके हैं, जबकि 378.24 करोड़ रुपये कृषि विकास से जुड़े कार्यों पर खर्च किए गए हैं। वर्ष 2024-25 में 52.26 करोड़, वर्ष 2025-26 में 69.43 करोड़ और वर्ष 2026-27 के लिए आवंटित 56.61 करोड़ रुपये की पूरी राशि जारी की जा चुकी है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि हिमाचल की भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए फसल विविधीकरण, आधुनिक सिंचाई, कृषि अवसंरचना और बेहतर बाजार सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। केंद्र सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से पहाड़ी क्षेत्रों के किसानों के लिए कृषि को आधुनिक, टिकाऊ और अधिक लाभकारी बनाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने प्रदेश सरकार से केंद्र से प्राप्त निधियों का प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध उपयोग सुनिश्चित करने का आग्रह किया, ताकि योजनाओं का वास्तविक लाभ किसानों तक पहुंच सके। उन्होंने कहा कि हिमाचल में 88.85 प्रतिशत किसान छोटे एवं सीमांत श्रेणी के हैं। ऐसे में योजनाओं का जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन जरूरी है।

एंटी चिट्टा, ड्रग फ्री यूथ फेस्ट 9 से 11 अक्तूबर तक बाण गंगा घाट पर एसडीएम कांगड़ा

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा



एंटी चिट्टा, ड्रग फ्री यूथ फेस्ट के आयोजन को लेकर सोमवार को संयुक्त कार्यालय भवन कांगड़ा में एसडीएम कांगड़ा डॉ. अंजली गर्ग ने प्रेस वार्ता को संबोधित किया। इसके उपरांत उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसडीएम ने बताया कि तीन दिवसीय यह कार्यक्रम 9, 10 और 11 अक्तूबर को ऐतिहासिक बाण गंगा घाट कांगड़ा में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक करना तथा उन्हें फिटनेस, स्वस्थ जीवनशैली और सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ना है।

आयोजन के माध्यम से युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ उन्हें अपनी ऊर्जा का सकारात्मक दिशा में उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। कार्यक्रम में फिटनेस, योग, मैराथन, सांस्कृतिक गतिविधियों और युवाओं के साथ संवाद सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। एसडीएम ने बताया कि 9 अक्तूबर को शाम 5 बजे से 8 बजे तक डिवोशनल जुंबा एवं विभिन्न फिटनेस गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ नाटी तथा महाआरती भी आयोजित होगी। 10 अक्तूबर को सुबह 6 बजे मैराथन और सुबह 7 बजे योग का आयोजन होगा। दोपहर 12 बजे युवाओं के साथ मोटिवेशनल डिस्कशन किया जाएगा, जबकि दोपहर 2 से 5 बजे तक क्लासिकल टैलेंट हंट आयोजित होगा। शाम 5 बजे डिवोशनल जुंबा और शाम 7 बजे भांगड़ा होगा। इसके बाद महाआरती का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 11 अक्तूबर को शाम 5:30 बजे दिव्य महाआरती तथा शाम 7:30 बजे से भजन क्लबिंग का आयोजन होगा।

कार्यक्रम के दौरान युवाओं और आमजन को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया जाएगा। एसडीएम डॉ. अंजली गर्ग ने सभी विभागों के अधिकारियों को उनके अधीन आने वाले कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने आयोजन की तैयारियों को लेकर विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि फिट कांगड़ा-2026 केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि युवाओं को नशे से दूर रखने और फिटनेस के प्रति जागरूक करने की सामूहिक पहल है। उन्होंने आमजन, युवाओं और विभिन्न संस्थाओं से फिट कांगड़ा-2026 का हिस्सा बनने और इस अभियान को सफल बनाने में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की।

न्यूज ब्रीफ

करियर सेमिनार में विद्यार्थियों को बताया टेकबी कार्यक्रम का महत्व

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर में करियर काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सेल के तत्वावधान में बीसीए, बीबीए और बीकॉम विद्यार्थियों के लिए एचसीएल टेकबी कार्यक्रम पर एक दिवसीय करियर जागरूकता सेमिनार आयोजित किया गया। एचसीएल के संसाधन व्यक्ति कनिक मंधोत्रा और अजय नरयाल ने विद्यार्थियों को आईटी क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार, प्रशिक्षण और करियर अवसरों की जानकारी दी। उन्होंने सॉफ्टवेयर डेवलपर, डेटा इंजीनियर, विश्लेषक, सपोर्ट इंजीनियर और प्रक्रिया सहयोगी जैसे पदों के बारे में बताया। प्राचार्य डॉ. पी.एस. कटवाल ने कहा कि विद्यार्थियों को शैक्षणिक योग्यता के साथ उद्योग की जरूरतों के अनुरूप तकनीकी और व्यावसायिक कौशल विकसित करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से ऐसे कार्यक्रमों का लाभ उठाने का आह्वान किया।

पेंशनरों की समस्याओं और मांगों पर कल होगी चर्चा

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन सदर खंड बिलासपुर एवं शहरी इकाई बिलासपुर की संयुक्त मासिक बैठक कल आयोजित की जाएगी। बैठक शहर के सेक्टर-11 स्थित बाबा विश्वकर्मा मंदिर परिसर में होगी। एसोसिएशन के जिला सचिव राम प्रकाश ने बताया कि बैठक में पेंशनरों से जुड़ी विभिन्न लंबित मांगों और समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि बैठक में पेंशनरों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने के साथ उनके समाधान के लिए आवश्यक कदमों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। उन्होंने क्षेत्र के सभी पेंशनर सदस्यों से बैठक में समय पर पहुंचने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सदस्य अपने सुझाव और समस्याएं बैठक में साझा करें, ताकि सामूहिक रूप से संबंधित मुद्दों को आगे उठाया जा सके। एसोसिएशन ने सभी सदस्यों से बैठक को सफल बनाने में सहयोग का आग्रह किया है।

सस्ती बाहरी मछली से स्थानीय कारोबार प्रभावित, 7 से आंदोलन की चेतावनी



भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। मत्स्य सहकारी एवं विपणन समिति हिमाचल प्रदेश के अध्यक्ष जयपाल नाग ने स्थानीय मछुआरों के हित में बाहरी राज्यों से हिमाचल लाई जा रही मछली की बिक्री पर रोक लगाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि गोबिंद सागर झील में सिल्वर कार्प का बड़े पैमाने पर उत्पादन होता है और स्थानीय गरीब मछुआरे इसी कारोबार पर निर्भर हैं। उनके अनुसार ठेकेदार कुल उत्पादन का केवल 5 से 10 प्रतिशत हिस्सा ही खरीद रहे हैं, जिससे मछुआरों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। वहीं, बाहरी क्षेत्रों से सस्ती मछली आने से स्थानीय कारोबार प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि तीन दिनों में कार्रवाई नहीं हुई तो 7 अक्तूबर से मत्स्य विभाग निदेशालय के समक्ष क्रमिक भूख हड़ताल और धरना शुरू किया जाएगा।

चेलियां आंगनबाड़ी केंद्र में पोषण माह के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित



आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। घमेड़ पंचायत के आंगनबाड़ी केंद्र चेलियां में पोषण अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन 'पोषण माह-हमारी आंगनबाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' विषय पर किया गया। इस दौरान ग्रामीणों को संतुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं, छह वर्ष तक के बच्चों और किशोरियों के स्वास्थ्य तथा पोषण संबंधी आवश्यकताओं को लेकर जागरूक किया गया। कार्यक्रम में बाल विकास परियोजना अधिकारी कांगड़ा संदीप बग्गा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इसके अलावा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पूजा देवी, खुशहाला देवी और सुनीता देवी ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। अधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने लोगों को दैनिक आहार में पौष्टिक खाद्य पदार्थों को शामिल करने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि संतुलित भोजन स्वस्थ जीवन के लिए आवश्यक है और बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास में पोषण की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। बाल विकास परियोजना अधिकारी संदीप बग्गा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पूजा देवी ने उपस्थित लोगों को पौष्टिक एवं संतुलित भोजन अपनाने की सलाह दी। उन्होंने अस्वास्थ्यकर, अत्यधिक तले-भुने और पोषण रहित खाद्य पदार्थों से दूरी बनाए रखने का आह्वान किया।

पुराना कांगड़ा में सुरक्षा उपायों संग सीपीआर के सिखाए गुर

डॉ. अल्पना ने सीपीआर की मॉक ड्रिल कर आपात स्थिति में जीवन बचाने की समझाई प्रक्रिया

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा



विद्युत उपमंडल नंबर-2 पुराना कांगड़ा के खुले प्रांगण में सोमवार को हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड की ओर से जनसंपर्क, सुरक्षा उपाय और सीपीआर को लेकर विशेष सेमिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इलेक्ट्रिकल डिविजन कांगड़ा के वरिष्ठ अधिशासी अभियंता ईर. आदर्श कुमार भारद्वाज ने की। कार्यक्रम को तीन चरणों में आयोजित किया गया, जिसमें विद्युत विभाग के फील्ड तकनीकी कर्मचारियों के साथ आम जनता और विद्युत उपभोक्ताओं ने भी भाग लिया।

सेमिनार के दौरान सिविल अस्पताल कांगड़ा की सीनियर मेडिकल ऑफिसर डॉ. अल्पना अपनी मेडिकल टीम के साथ पहुंचीं। उन्होंने उपस्थित कर्मचारियों और लोगों को प्राथमिक उपचार की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि दुर्घटना के दौरान घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने से पहले मौके पर ही किस तरह प्राथमिक उपचार दिया जा सकता है। इसके साथ ही उन्होंने आपात स्थिति में सीपीआर देने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से समझाया। डॉ. अल्पना ने बताया कि कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन यानी सीपीआर एक आपातकालीन जीवनरक्षक प्रक्रिया है।

जब किसी व्यक्ति की सांस या दिल की धड़कन अचानक रुक जाती है, तब सीपीआर के माध्यम से दिमाग और शरीर के अन्य महत्वपूर्ण अंगों तक रक्त एवं ऑक्सीजन का संचार बनाए रखने में मदद मिलती है। इससे चिकित्सक या एंबुलेंस के पहुंचने तक मरीज की जान बचाने का प्रयास किया जा सकता है।

इसके बाद दोपहर 12 से एक बजे तक सुरक्षा उपायों को लेकर दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान विद्युत कार्यों के दौरान कर्मचारियों को आवश्यक सावधानियां बरतने और सुरक्षित तरीके से कार्य करने की जानकारी दी गई। इसके बाद दोपहर एक से दो बजे तक प्राथमिक उपचार एवं सीपीआर से संबंधित सेमिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्युत उपमंडल कांगड़ा, पुराना कांगड़ा और रानीताल के कर्मचारियों व उपभोक्ताओं ने भाग लिया।

उन्होंने अपनी मेडिकल टीम के साथ जमीन पर मॉक ड्रिल के माध्यम से सीपीआर देने की प्रक्रिया को व्यवहारिक रूप से समझाया। कार्यक्रम के पहले चरण में सुबह 11 से दोपहर 12 बजे तक पब्लिक इंटरेक्शन यानी जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित हुआ।

हिम अकादमी के वार्षिकोत्सव में 330 होनहार विद्यार्थी सम्मानित

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर



हिम अकादमी पब्लिक स्कूल विकास नगर में वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। समारोह में मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार सुनील शर्मा मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 330 होनहार विद्यार्थियों का सम्मान रहा।

उन्हें शैक्षणिक, सांस्कृतिक, खेल एवं अन्य गतिविधियों में उपलब्धियों के लिए पारितोषिक प्रदान किए गए। विद्यार्थियों ने विष्णु स्तुति, बिहू, गरबा, लेह नृत्य, नाटी और पंजाब के लोक नृत्य सहित विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर भारतीय संस्कृति की समृद्ध विविधता प्रदर्शित की। थाईलैंड के विद्यार्थियों की प्रस्तुति ने समारोह में अंतरराष्ट्रीय रंग भरा।

हिमाचल के शक्तिपीठों पर आधारित नृत्य और प्रदेश की संस्कृति पर आधारित गैस्ट्रो-फिल्म भी आकर्षण का केंद्र रही। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के जीवन पर आधारित स्किट के माध्यम से विद्यार्थियों ने उनके संघर्ष, उपलब्धियों और राष्ट्र के प्रति योगदान को प्रस्तुत किया। प्लास्टिक जागरूकता और 'दादी 2050' प्रस्तुतियों से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के कर-कमलों से 92 चिकित्सकों को मिलेंगी उपाधियां

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर जिले के लिए 6 अक्टूबर का दिन ऐतिहासिक और गौरवशाली उपलब्धि का साक्षी बनने जा रहा है। शहर में आयोजित होने वाले भव्य दीक्षांत समारोह में चिकित्सा शिक्षा पूरी कर चुके 92 चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों को उपाधियां प्रदान की जाएंगी। समारोह की मुख्य अतिथि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु होंगी, जो अपने कर-कमलों से युवा चिकित्सकों को डिग्रियां प्रदान करेंगी। समारोह की खास बात हिमाचली संस्कृति की झलक भी होगी। उपाधि प्राप्त करने वाले चिकित्सक सफेद कुर्ता-पायजामा और पारंपरिक हिमाचली टोपी में नजर आएंगे। इससे आधुनिक चिकित्सा शिक्षा के इस महत्वपूर्ण अवसर पर प्रदेश की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं का संदेश भी देशभर में जाएगा।

समारोह में विभिन्न सत्रों के सफल छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा। इनमें वर्ष 2020 बैच के एमबीबीएस डॉक्टर, वर्ष 2023 बैच के 14 पीजी/एमएस विशेषज्ञ डॉक्टर, पैरामेडिकल संकाय के नौ छात्र तथा नर्सिंग संकाय के 26 छात्र-छात्राएं शामिल हैं। कुल 92 स्वास्थ्य कर्मियों और चिकित्सकों को उपाधियां प्रदान की जाएंगी। राष्ट्रपति के आगमन और भव्य दीक्षांत समारोह को लेकर बिलासपुर के लोगों तथा चिकित्सा जगत में खासा उत्साह है। युवा चिकित्सकों के लिए यह अवसर उनके शैक्षणिक जीवन की महत्वपूर्ण उपलब्धि के साथ चिकित्सा सेवा के नए सफर की शुरुआत भी होगा। समारोह के माध्यम से हिमाचली संस्कृति और चिकित्सा शिक्षा की उपलब्धियों का अनूठा संगम देखने को मिलेगा।

पठानकोट से संगरूर रैली के लिए बड़ी लामबंदी, सरकार को घेरेंगे शिक्षक

◆ बैठक में सरकार के खिलाफ रोष जताते मास्टर कैडर यूनियन के पदाधिकारी



भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। मास्टर कैडर यूनियन पंजाब जिला पठानकोट की बैठक शीतला माता मंदिर में जिला प्रधान रमन कुमार की अध्यक्षता में हुई। बैठक में कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित मांगों को लेकर पंजाब सरकार के खिलाफ रोष जताया गया। साथ ही 10 अक्टूबर को संगरूर में होने वाली रोष रैली की तैयारियों पर चर्चा की गई। यूनियन ने फैसला लिया कि पठानकोट से बड़ी संख्या में शिक्षक रैली में शामिल होंगे।

जिला प्रधान रमन कुमार, स्टेट कमेटी सदस्य राकेश शर्मा, जिला महासचिव पवन शर्मा और वित्त सचिव राकेश महाजन ने कहा कि सरकार कर्मचारियों के वित्तीय और सेवा संबंधी मामलों को लगातार लटका रही है। महंगाई भत्ते की लंबित किस्तें व बकाया, 2.59 के बकाये तथा छठे वेतन आयोग से जुड़े वित्तीय लाभ जारी न होने से कर्मचारियों में रोष है। उन्होंने पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की मांग को प्रमुखता से उठाया। यूनियन नेताओं ने 17 जुलाई 2020 के कर्मचारी विरोधी पत्र को रद्द करने, शिक्षकों की पदोन्नतियों और अन्य सेवा मामलों का शीघ्र निपटारा करने की मांग की।

उन्होंने गैर-विभागीय एवं अतिरिक्त ड्यूटियां लेने की प्रथा बंद करने और कर्मचारियों के पक्ष में अदालतों के फैसलों को लागू करने की मांग भी रखी। नेताओं ने चेतावनी दी कि मांगों पर गंभीरता से कार्रवाई नहीं हुई तो संघर्ष तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संगरूर रैली में पठानकोट से बड़ी संख्या में शिक्षक शामिल होकर सरकार तक अपनी आवाज पहुंचाएंगे। यूनियन नेताओं ने कहा कि कर्मचारियों की जायज मांगों की अनदेखी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सूत्रधार कला संगम ने के. आर. पंछी को 'कला रत्न' से नवाजा

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू



सूत्रधार कला संगम कुल्लू की ओर से आयोजित 'एक शाम पंछी जी के नाम' कार्यक्रम हिमाचली कला, साहित्य और लोक संस्कृति के रंगों से सराबोर रहा। कार्यक्रम में विधायक सुरेंद्र शौरी मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'सूत्रधार कला रत्न सम्मान' रहा, जिसके तहत वरिष्ठ रचनाकार के. आर. पंछी को कुल्लवी परंपरा के अनुसार शाल, टोपी, स्मृति चिन्ह और सम्मान पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

इसके अलावा के. सी. शर्मा, रीता शर्मा, तेजेंद्र वशिष्ठ और डॉ. सूरत ठाकुर को भी सम्मानित किया गया। के. आर. पंछी के सम्मान में लोक गायक धर्मेंद्र शर्मा ने विशेष रूप से रचित गीत की प्रस्तुति दी।

लोकधुन पर आधारित इस प्रस्तुति ने माहौल को पूरी तरह लोक रंग में रंग दिया। प्रस्तुति से प्रभावित होकर विधायक सुरेंद्र शौरी भी कलाकारों के साथ नृत्य करने लगे। इस दौरान सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। कार्यक्रम में संगीत सदन मंडी के गुरु उमेश भारद्वाज और सूत्रधार संगीत अकादमी के प्राचार्य पं. विद्या सागर को भी विशेष सम्मान प्रदान किया गया।

परेशानी | अस्पताल में मशीन होते हुए भी बाहर जांच करवाने को मजबूर लोग

अर्की अस्पताल में एक्स-रे मशीन फिर खराब

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की





नागरिक चिकित्सालय अर्की में नई एक्स-रे मशीन स्थापित होने के बावजूद तकनीकी खराबी के कारण मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मशीन में आई समस्या के चलते पिछले कई दिनों से अस्पताल में एक्स-रे सुविधा प्रभावित है। ऐसे में उपचार के लिए पहुंचने वाले मरीजों को जांच करवाने के लिए निजी केंद्रों अथवा अन्य स्वास्थ्य संस्थानों का रुख करना पड़ रहा है।

सोमवार को अस्पताल में उपचार के लिए पहुंचे शंकर लाल, राम प्रकाश, विमला देवी, आर्यन, विद्या देवी और धर्म देवी सहित अन्य मरीजों को भी एक्स-रे करवाने के लिए बाहर जाना पड़ा। मरीजों ने बताया कि अस्पताल में एक्स-रे मशीन उपलब्ध होने के बावजूद तकनीकी खराबी के कारण उन्हें अतिरिक्त समय और पैसे खर्च करने पड़ रहे हैं। अस्पताल में सुविधा होने के बावजूद बाहर जांच करवाने की मजबूरी से मरीजों में रोष है।

मरीजों का कहना है कि अस्पताल में आने वाले अधिकतर लोग आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से होते हैं। उन्हें एक्स-रे के लिए निजी केंद्रों तक जाने में अतिरिक्त किराया देना पड़ता है। साथ ही जांच के लिए अलग से शुल्क भी चुकाना पड़ता है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। गौरतलब है कि नागरिक चिकित्सालय अर्की में पुरानी एक्स-रे मशीन लंबे समय तक खराब रहने के बाद नई मशीन स्थापित की गई थी।

नई मशीन शुरू होने के बाद मरीजों को काफी राहत मिली थी और अस्पताल में ही एक्स-रे की सुविधा उपलब्ध होने लगी थी। अब नई मशीन में दोबारा तकनीकी समस्या आने से व्यवस्था प्रभावित हो गई है। इस संबंध में बीएमओ अर्की डॉ. मुक्ता रस्तोगी ने कहा कि एक्स-रे मशीन में तकनीकी समस्या आई है।

मशीन खराब होने से मरीजों पर बढ़ रहा आर्थिक बोझ

उन्होंने कहा कि समस्या को दूर करवाने के लिए संबंधित तकनीकी टीम से संपर्क किया गया है। जल्द ही मशीन की जांच करवाकर आवश्यक मरम्मत का कार्य पूरा किया जाएगा। बीएमओ ने आश्वासन दिया कि तकनीकी खराबी दूर होते ही अस्पताल में एक्स-रे सुविधा दोबारा सुचारू कर दी जाएगी। इससे मरीजों को जांच के लिए निजी केंद्रों या अन्य स्वास्थ्य संस्थानों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मरीजों ने भी अस्पताल प्रबंधन से मशीन को जल्द ठीक करवाने की मांग की है। उनका कहना है कि अस्पताल में एक्स-रे की सुविधा उपलब्ध होने से ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मरीजों को काफी राहत मिलती है।

प्रदेश की आर्थिक स्थिति पर श्वेत पत्र जारी करे सरकार : त्रिलोक जम्वाल

अमर सिंह ठाकुर। सदर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक त्रिलोक जम्वाल ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार की वित्तीय नीतियों को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार ने कर्ज लेने के मामले में पिछले रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं और प्रदेश पर लगातार वित्तीय बोझ बढ़ रहा है। जम्वाल ने सरकार से हिमाचल की वित्तीय स्थिति पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग की।

जम्वाल के अनुसार, कांग्रेस सरकार के तीन वर्ष के कार्यकाल में प्रदेश ने 35,565 करोड़ रुपये का ऋण लिया है। उन्होंने दावा किया कि इस तथ्य को मुख्यमंत्री स्वयं विधानसभा में स्वीकार कर चुके हैं। इसके अलावा जुलाई 2026 तक सरकार ने 28,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त कर्ज लिया है। उनके अनुसार इससे प्रदेश पर कुल ऋण का आंकड़ा 1.01 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। भाजपा

◆ कर्ज के मुद्दे पर सरकार को घेरते सदर विधायक त्रिलोक जम्वाल

विधायक ने कहा कि लगातार बढ़ते कर्ज को लेकर सरकार को प्रदेश की आर्थिक स्थिति पर जनता के सामने स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि भारी-भरकम कर्ज लेने के बावजूद प्रदेश में विकास कार्यों की गति प्रभावित हुई है और कई क्षेत्रों में विकास कार्य ठप पड़े हैं। जम्वाल ने सवाल उठाया कि सरकार द्वारा लिया जा रहा कर्ज और जनता की गाढ़ी कमाई किस दिशा में खर्च की जा रही है, इसकी जानकारी सार्वजनिक होनी चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की कि वित्तीय स्थिति को लेकर पारदर्शिता बरती जाए और आय-व्यय तथा कर्ज की वास्तविक स्थिति जनता के सामने रखी जाए।

फतेहाबाद पुलिस ने किया क्राउड कंट्रोल और आंसू गैस का अभ्यास

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद



फतेहाबाद पुलिस ने आमजन की सुरक्षा और जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपनी तैयारियों को परखा। पुलिस लाइन फतेहाबाद में सोमवार को आयोजित जनरल परेड के दौरान विशेष मॉक ड्रिल और क्राउड कंट्रोल अभ्यास करवाया गया। उप पुलिस अधीक्षक नरसिंह ने पुलिस जवानों की तैयारियों का निरीक्षण किया और उन्हें आपात स्थिति से निपटने के लिए त्वरित, संयमित और प्रभावी कार्रवाई का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया।

अभ्यास के दौरान जवानों को धरना-प्रदर्शन, जुलूस, अचानक जुटने वाली भीड़ और तनावपूर्ण परिस्थितियों में कानून-व्यवस्था संभालने के तरीके बताए गए। डीएसपी नरसिंह ने जवानों को अलग-अलग फॉर्मेशन बनाकर भीड़ नियंत्रण का अभ्यास करवाया। उन्होंने पुलिस बल की उचित तैनाती, टीमों के बीच बेहतर समन्वय और वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों पर तुरंत कार्रवाई करने के महत्व पर जोर दिया। जवानों को बताया गया कि किसी भी चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में आम नागरिकों की सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

संवेदनशील हालात में संयम और अनुशासन के साथ स्थिति को शांतिपूर्ण तरीके से नियंत्रित करने के निर्देश दिए गए। मॉक ड्रिल के दौरान आंसू गैस और संबंधित उपकरणों के सुरक्षित एवं नियमानुसार संचालन की जानकारी भी दी गई। जवानों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि इन उपकरणों का इस्तेमाल केवल आवश्यकता पड़ने पर निर्धारित सुरक्षा मानकों के तहत ही किया जाए। जनरल परेड के दौरान जवानों के टर्नआउट, अनुशासन और ड्यूटी संबंधी तैयारियों का भी निरीक्षण किया गया।

गन्नौर तहसील में रिश्वत का खेल 90 हजार लेते पटवारी गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत। सोनीपत के गन्नौर में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने सोमवार को 90 हजार रुपये की रिश्वत लेते पटवारी को रंगेहाथ गिरफ्तार किया। आरोपी पटवारी की पहचान सचिन के रूप में हुई है। वह गन्नौर तहसील में तैनात है। आरोप है कि उसने एक कंपनी के बैंक लोन को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करने के बदले शिकायतकर्ता से 90 हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी। जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता ने इस संबंध में भिवानी एसीबी को शिकायत दी थी। शिकायत मिलने के बाद अधिकारियों ने मामले की जांच की और पटवारी को रिश्वत लेते पकड़ने के लिए जाल बिछाया। एसीबी की टीम ने शिकायतकर्ता को तय रकम के साथ गन्नौर तहसील पहुंचने के लिए कहा। योजना के मुताबिक शिकायतकर्ता 90 हजार रुपये लेकर गन्नौर तहसील पहुंचा। वहां उसने पटवारी सचिन को रिश्वत की रकम दी। जैसे ही पटवारी ने पैसे लिए, पहले से तैयार एसीबी की टीम ने उसे रंगेहाथ पकड़ लिया। टीम ने मौके से रिश्वत की रकम बरामद कर ली। इसके बाद आरोपी पटवारी को गन्नौर थाने ले जाया गया।

एसीबी की कार्रवाई के बाद तहसील परिसर में भी हड़कंप मच गया। टीम ने मामले से जुड़े तथ्यों और दस्तावेजों की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार पटवारी को अब अदालत में पेश किया जाएगा। एसीबी की कार्रवाई के बाद यह मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। फिलहाल जांच एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि रिश्वत मांगने और लेने की पूरी प्रक्रिया में आरोपी की भूमिका क्या थी। मामले में आगे की कार्रवाई जांच पूरी होने के बाद की जाएगी। एसीबी की टीम ने रिश्वत की रकम बरामद करने के बाद पटवारी को हिरासत में लेकर गन्नौर थाने पहुंचाया। मामले से जुड़े दस्तावेजों और तथ्यों की जांच की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी को अदालत में पेश किया जाएगा।

पीएम मोदी के 25 वर्ष पूरे होने पर देशभर में निकलेगी सेवा ज्योति यात्रा

गुरुग्राम में होने वाले राष्ट्रीय आयोजन में अमित शाह यात्राओं का करेंगे स्वागत

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम



प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में चल रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत 7 अक्टूबर को देशभर में सेवा ज्योति यात्रा निकाली जाएगी। इस अवसर पर सेवा ज्योति यात्रा का राष्ट्रीय आयोजन गुरुग्राम में किया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस आयोजन के मुख्य अतिथि होंगे। आयोजन को लेकर प्रशासन और संगठन स्तर पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं।

गुरुग्राम में होने वाला यह राष्ट्रीय आयोजन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की कड़ी का प्रमुख हिस्सा होगा। सेवा ज्योति यात्रा के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों से लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने की तैयारी की जा रही है। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में भी यात्रा को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

जिले के विभिन्न गांवों से सेवा ज्योति यात्राएं निकाली जाएंगी। अलग-अलग क्षेत्रों से निकलने वाली यात्राएं निर्धारित मार्गों से होते हुए शहर की ओर बढ़ेंगी। इन यात्राओं में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। ग्रामीण क्षेत्रों से शुरू होने वाली यात्राएं शहर में पहुंचने के बाद सेक्टर-29 स्थित हुडा जिमखाना क्लब मैदान में एकत्र होंगी। सेक्टर-29 स्थित मैदान में राष्ट्रीय आयोजन का मुख्य कार्यक्रम होगा। यहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचने वाली सेवा ज्योति यात्राओं का स्वागत करेंगे। कार्यक्रम को लेकर आयोजन स्थल पर आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। प्रशासन और संगठन के स्तर पर कार्यक्रम को व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए तैयारियों की समीक्षा की जा रही है।

सेवा ज्योति यात्रा को लेकर जिले के अलग-अलग हिस्सों में भी गतिविधियां तेज हो गई हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से निकलने वाली यात्राओं के मार्ग और उनके शहर में पहुंचने की व्यवस्था को लेकर संबंधित स्तर पर तैयारी की जा रही है। आयोजन में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने को संगठन की ओर से महत्वपूर्ण अवसर के रूप में देखा जा रहा है।

ट्रांसफर पॉलिसी के विरोध में अस्पतालों में नर्सों की पेन डाउन स्ट्राइक शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, पंचकूला



हरियाणा सरकार की मॉडल ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी (ओटीपी) के विरोध में नर्सिंग स्टाफ ने सोमवार से तीन दिन की हड़ताल शुरू कर दी। नर्सिंग ऑफिसर वेलफेयर एसोसिएशन के आह्वान पर प्रदेशभर में नर्सिंग कर्मचारी 5 से 7 अक्टूबर तक रोजाना दो घंटे की पेन डाउन स्ट्राइक कर रहे हैं।

नर्सों ने सरकार की इस नीति को लेकर विरोध जताते हुए इसे कर्मचारियों के लिए परेशानी बढ़ाने वाली बताया है। नर्सिंग स्टाफ का कहना है कि ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी लागू होने से कर्मचारियों के सामने कई तरह की समस्याएं खड़ी हो सकती हैं। प्रदर्शन कर रही नर्सों ने इसे टॉर्चर पॉलिसी तक बताया। उनका कहना है कि महिला कर्मचारियों को ड्यूटी के लिए दूर दराज के स्थानों पर भेजे जाने की स्थिति में उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन लेगा, यह स्पष्ट नहीं है। नर्सों का कहना है कि स्थानांतरण प्रक्रिया में कर्मचारियों की परिस्थितियों और पारिवारिक जिम्मेदारियों को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। उन्होंने सरकार से ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी पर दोबारा विचार करने और कर्मचारियों की मांगों को गंभीरता से सुनने की मांग की है।

एशियाई खेलों में हरियाणा के खिलाड़ियों की धाक, 32 पदक जीतकर बढ़ाया देश का गौरव

भारतेन्दु संवाददाता, पंचकूला



जापान में आयोजित एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन कर लौटे हरियाणा के खिलाड़ियों का इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर खेल मंत्री गौरव गौतम ने जोरदार स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान खिलाड़ियों के पहुंचने पर माहौल उत्साह और जोश से भर गया। खेल मंत्री ने पदक विजेता खिलाड़ियों को फूल मालाएं पहनाकर सम्मानित किया और उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी।

खेल मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 85 पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया है। इनमें हरियाणा के खिलाड़ियों का योगदान बेहद महत्वपूर्ण रहा। प्रदेश के खिलाड़ियों ने कुल 32 पदक अपने नाम किए, जिनमें 14 स्वर्ण, नौ रजत और नौ कांस्य पदक शामिल हैं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से हरियाणा ही नहीं, बल्कि पूरे देश का मान बढ़ा है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा की खेल प्रतिभाएं लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रही हैं। प्रदेश सरकार की खेल नीतियों और खिलाड़ियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का सकारात्मक परिणाम सामने आ रहा है। सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, संसाधन और प्रतियोगिताओं के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

गौरव गौतम ने कहा कि हरियाणा के खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत, अनुशासन और प्रतिभा के दम पर एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि पदक जीतने वाले खिलाड़ियों के साथ-साथ प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले सभी खिलाड़ी बधाई के पात्र हैं। उनकी उपलब्धियां प्रदेश के युवाओं को खेलों के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगी।

दूध बंद आंदोलन खत्म रेट बढ़ाने पर सरकार से टकराव जारी

भारतेन्दु संवाददाता, सिरसा। सिरसा में 'दूध बंद' आंदोलन समाप्त होने के बाद भी दूध के रेट बढ़ाने को लेकर किसानों और पशुपालकों का सरकार व प्रशासन के साथ टकराव जारी है। आंदोलन खत्म होने के दूसरे दिन पशुपालकों ने मौजूदा रेट से 10 रुपये अधिक कीमत पर दूध बेचने का फैसला बरकरार रखा है। किसान नेता जसवीर भाटी ने वीडियो जारी कर बताया कि उन्हें सभी लोगों का समर्थन मिला है। उन्होंने पशुपालकों से 17 तारीख तक 10 रुपये बढ़ाकर दूध बेचने की अपील की है। पशुपालकों का कहना है कि फेट रेट बढ़ाने की मांग को लेकर सरकार, प्रशासन और मिल्क प्लांट संचालकों के साथ उनकी लड़ाई जारी रहेगी। 17 अक्टूबर को होने वाली बैठक में आगे की रणनीति तय की जाएगी। बैठक में दूध के रेट और फेट के दाम बढ़ाने को लेकर चर्चा होगी।

फरीदाबाद में बच्चों के झगड़े ने लिया खूनी मोड़, 13 वर्षीय बच्चे की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद



फरीदाबाद के सेक्टर-56 में मामूली कहासुनी के बाद 13 वर्षीय बच्चे की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। आरोप है कि उसके 15 वर्षीय दोस्त ने ही चाकू से उसकी छाती पर वार किया। गंभीर रूप से घायल बच्चे को परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई।

जानकारी के अनुसार, मृतक बच्चे की पहचान कन्नू के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि कन्नू घर के बाहर अपनी एक साल की छोटी बहन के साथ खेल रहा था। इसी दौरान उसका दोस्त वहां पहुंचा और दोनों साथ खेलने लगे। खेलते समय किसी बात को लेकर दोनों में विवाद हो गया। बताया जा रहा है कि धक्का देने को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई थी। विवाद बढ़ने पर आरोपी बच्चे ने चाकू से कन्नू की छाती पर वार कर दिया।

वार गंभीर होने के कारण कन्नू बुरी तरह घायल हो गया। घटना के बाद आरोपी चाकू लेकर मौके से फरार हो गया। आसपास मौजूद लोगों और परिजनों ने कन्नू को संभाला और उसे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टर उसे बचा नहीं सके। घटना की सूचना मिलने के बाद सेक्टर-58 थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

रोहतक में प्रेमी जोड़े का कत्ल, दोस्तों पर हत्या और सबूत मिटाने का गंभीर आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, रोहतक



रोहतक के सांपला क्षेत्र में दिल्ली के एक प्रेमी जोड़े की हत्या का मामला सामने आया है। मृतकों की पहचान नई दिल्ली के नेबसराय निवासी संदीप और उत्तर प्रदेश निवासी कविता के रूप में हुई है। आरोप है कि दोनों की हत्या सांपला के हसनगढ़ में की गई और बाद में शवों को बहादुरगढ़ क्षेत्र में फेंक दिया गया। मामले की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मृतक के भाई की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, नई दिल्ली के नेबसराय निवासी राकेश ने शिकायत में बताया कि उसका भाई संदीप सांपला के हसनगढ़ में परचून की दुकान चलाता था। करीब तीन-चार महीने पहले उसने दुकान बंद कर दी थी। इसके बाद वह कविता के साथ गांव में रहने लगा था। दोनों के बीच प्रेम संबंध बताए जा रहे हैं। शिकायतकर्ता के अनुसार, संदीप और कविता कुछ लोगों के संपर्क में थे। इसी दौरान दोनों की हत्या किए जाने का आरोप लगाया गया। पुलिस को दी गई शिकायत में दोस्तों नितेश और नितेश उर्फ मेडिसिन को मामले में आरोपित किया गया है। आरोप है कि दोनों ने अन्य लोगों के साथ मिलकर प्रेमी जोड़े की हत्या की और वारदात के बाद सबूत मिटाने के उद्देश्य से शवों को बहादुरगढ़ में फेंक दिया।

घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच तेज कर दी है। पुलिस आरोपितों से जुड़े लोगों से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि हत्या के पीछे वास्तविक वजह क्या थी। साथ ही पुलिस यह भी जांच कर रही है कि वारदात में कितने लोग शामिल थे और शवों को किस स्थान पर ले जाकर फेंका गया। फिलहाल पुलिस ने मृतक के भाई की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। प्रेमी जोड़े की हत्या से क्षेत्र में भी सनसनी फैल गई है।

पुलिस हत्या के कारणों के साथ-साथ आरोपितों और मृतकों के बीच संबंधों की भी जांच कर रही है। घटनास्थल और शव फेंके जाने वाले स्थान से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल सकती है, ताकि वारदात से जुड़े अहम सुराग मिल सकें। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद मामले की तस्वीर और स्पष्ट होगी तथा दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

फरीदाबाद की मुकेश कॉलोनी में 2496 किलो विस्फोटक सामग्री जब्त

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद



बल्लभगढ़ की मुकेश कॉलोनी में क्राइम ब्रांच ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 2496 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री बरामद की है। बरामद सामग्री में 2296 किलो पोटेशियम नाइट्रेट और 200 किलो गंधक शामिल है। पुलिस के अनुसार, यह सामग्री पटाखे बनाने में इस्तेमाल की जाती है। रिहायशी क्षेत्र में इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री मिलने से आसपास के लोगों में भी हड़कंप मच गया।

क्राइम ब्रांच की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए मुकेश कॉलोनी में छापा मारा। जांच के दौरान मौके से भारी मात्रा में पोटेशियम नाइट्रेट और गंधक बरामद हुआ। पुलिस ने सामग्री को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। कार्रवाई के दौरान एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया है। प्रारंभिक जांच में इस मामले के तार उत्तर प्रदेश के हाथरस से जुड़े होने की बात सामने आई है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इतनी बड़ी मात्रा में पटाखा बनाने का सामान कहां से लाया गया था और इसे आगे कहां पहुंचाया जाना था। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि आरोपी लंबे समय से इस गतिविधि में शामिल था या इसके पीछे कोई संगठित नेटवर्क काम कर रहा है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है। बरामद सामग्री के संबंध में दस्तावेजों और सप्लाई चैन की भी पड़ताल की जा रही है। जांच के आधार पर आगे अन्य लोगों की गिरफ्तारी संभव है। रिहायशी इलाके में विस्फोटक सामग्री के भंडारण को लेकर भी पुलिस सुरक्षा पहलुओं की जांच कर रही है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर मामले में और गिरफ्तारियां होने की संभावना है।

अंकित बालियान हत्याकांड में 3 आरोपियों की संपत्ति कुर्क

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल। हरियाणवी सिंगर अंकित बालियान हत्याकांड में फरार चल रहे तीन आरोपियों के खिलाफ यूपी पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। शामली पुलिस ने करनाल और सोनीपत सिटी पुलिस के सहयोग से आरोपियों के घर पहुंचकर उनकी संपत्ति कुर्क की। पुलिस टीम ने घर में मौजूद सामान को कैंटर में भरकर कब्जे में लिया। कार्रवाई के दौरान एसी, सोफा, बेड समेत घर का अन्य सामान भी ले जाया गया। पुलिस के अनुसार, अंकित बालियान की हत्या के मामले में तीन आरोपी अभी फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस ने आरोपियों के बारे में सूचना देने वाले के लिए एक लाख रुपये का इनाम भी घोषित किया है। टीम ने आरोपियों के घरों पर पहुंचकर कुर्की की कार्रवाई पूरी की। बताया जा रहा है कि शामली पुलिस ने स्थानीय पुलिस को साथ लेकर आरोपियों के ठिकानों पर कार्रवाई की। घर से सामान बाहर निकालकर कैंटर में लादा गया और उसे पुलिस अपने कब्जे में लेकर चली गई। इस दौरान आसपास के लोगों की भीड़ भी मौके पर जमा हो गई। पुलिस का कहना है कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई के बाद आरोपियों पर दबाव बढ़ाने की कोशिश की गई है। पुलिस जल्द ही उन्हें गिरफ्तार करने का दावा कर रही है। कार्रवाई के दौरान मौके पर लोगों की भीड़ भी जमा हो गई। पुलिस का कहना है कि आरोपियों के संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश देकर जल्द गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

फरीदाबाद के जंगल में नकली शराब बनाने का भंडाफोड़, आरोपी फरार

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद। फरीदाबाद के अनंगपुर गांव के जंगल में अवैध शराब बनाने की भट्ठी का पुलिस ने भंडाफोड़ किया। क्राइम ब्रांच बड़खल, सेक्टर-30 क्राइम ब्रांच और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने सूचना के आधार पर छापेमारी की। पुलिस के पहुंचते ही मौके पर मौजूद दो आरोपी फरार हो गए। टीम ने मौके पर तैयार करीब 800 लीटर नकली शराब को नष्ट कर दिया। जांच में सामने आया कि शराब तैयार करने के लिए यूरिया, गुड़, पेड़ों की छाल और अन्य सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहा था। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है।

जमीन विवाद में रोडवेज ड्राइवर को थाने बुलाया, 5 हजार लेने का आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, रेवाड़ी। रेवाड़ी में जमीन विवाद की जांच के दौरान हरियाणा रोडवेज के ड्राइवर ने थाना रोहड़ाई के जांच अधिकारी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। गांव मोहद्दीनपुर निवासी निरंजन लाल ने एसपी को शिकायत देकर कहा कि उसे बार-बार थाने बुलाया गया और बाद में बिना उचित जांच के हवालात में बंद कर दिया गया। आरोप है कि इस दौरान उसका मोबाइल भी ले लिया गया। सरकारी नौकरी खराब करने का डर दिखाकर उससे पांच हजार रुपये लिए गए। साथ ही दूसरी पार्टी को भी उससे 2,400 रुपये दिलवाए गए। निरंजन के मुताबिक विवादित जमीन उसके बेटे के नाम है और उसका इसमें कोई हिस्सा नहीं है। इसके बावजूद उसे मामले में दूसरी पार्टी बनाकर शामिल किया गया।

फर्जी सरकारी गाड़ियों से रौब झाड़ना पड़ा महंगा, पास्टर और बेटा गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत। पानीपत के समालखा में फर्जी सरकारी पहचान वाली गाड़ियों से रौब झाड़ने के आरोप में चर्च के पास्टर और उसके बेटे को गिरफ्तार किया गया है। ट्रैफिक पुलिस ने हथवाला रोड से दोनों की अर्टिगा और सियाज कारें कब्जे में लीं। पुलिस के अनुसार, गाड़ियों पर फर्जी नंबर प्लेट, 'गवर्नमेंट ऑफ इंडिया' की पट्टियां और सायरन लगे थे। कार्रवाई के दौरान पास्टर ने पुलिस से भी रौब में बात की और कहा कि गाड़ी सरकार ने दी है। जांच में नंबर प्लेट फर्जी मिलीं और ई-चालान रिकॉर्ड भी नहीं मिला। मामले में धोखाधड़ी, फर्जीवाड़े और मोटर व्हीकल एक्ट के तहत केस दर्ज हुआ।

100 के लिए रिटायर्ड टीचर की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम। गुरुग्राम की न्यू कॉलोनी में रिटायर्ड महिला शिक्षक की घर में घुसकर हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार, आरोपी चोरी के इरादे से घर में घुसा था और महिला से 100 रुपये मांग रहा था। महिला ने विरोध किया तो आरोपी ने उसे धक्का देकर गिरा दिया। इसके बाद वह पड़ोसी के घर में कूदकर छिप गया। शोर सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक महिला की मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और आरोपी की तलाश शुरू की। करीब 2-3 घंटे बाद पुलिस ने उसे वहीं से पकड़ लिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

कैथल में पुलिस और इनामी बदमाश के बीच मुठभेड़, गोली लगने से बदमाश घायल

भारतेन्दु संवाददाता, कैथल



कैथल पुलिस ने गुहला क्षेत्र में मुठभेड़ के बाद पंजाब के एक इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान पंजाब के अलीपुर निवासी कृपाल उर्फ बल्लू के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपित चोरी और छीनाझपटी के कई मामलों में वांछित था। मुठभेड़ के दौरान आरोपित ने पुलिस टीम पर फायरिंग की। उसकी गोली एएसआई अजीत सिंह को लगी, लेकिन बुलेटप्रूफ जैकेट पहने होने के कारण उनकी जान बच गई।

पुलिस की जवाबी कार्रवाई में कृपाल के घुटने में गोली लगी, जिसके बाद उसे काबू कर लिया गया। डीएसपी सुशील प्रकाश ने बताया कि एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ की टीम गुहला थाना क्षेत्र में अपराध और अपराधियों की तलाश में गश्त कर रही थी। टीम में एएसआई अजीत सिंह, एएसआई राममेहर, एएसआई अशोक, एएसआई संदीप और सिपाही सरवन कुमार शामिल थे। पुलिस टीम सरकारी वाहन में क्षेत्र में निगरानी कर रही थी। इसी दौरान पुलिस टीम को एक संदिग्ध व्यक्ति के बारे में जानकारी मिली।

पुलिस ने जब आरोपित को रोकने का प्रयास किया तो उसने भागने की कोशिश की। पुलिस के अनुसार, आरोपित ने अपने पास मौजूद हथियार से पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। इस दौरान एक गोली एएसआई अजीत सिंह की तरफ चली और उनकी बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी। जैकेट के कारण एएसआई को गंभीर चोट नहीं आई और उनकी जान बच गई। पुलिस टीम ने जवाबी कार्रवाई करते हुए आरोपित को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस की गोली कृपाल के घुटने में लगी। घायल होने के बाद पुलिस ने उसे मौके से काबू कर लिया। इसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। पुलिस के अनुसार, कृपाल उर्फ बल्लू पंजाब में इनामी बदमाश है और उसके खिलाफ चोरी तथा छीनाझपटी समेत कई मामले दर्ज हैं। पुलिस अब उसके आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी जुटा रही है।

साथ ही यह पता लगाया जा रहा है कि कैथल क्षेत्र में उसकी गतिविधियां कब से चल रही थीं और वह किन मामलों में शामिल रहा है। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से हथियार और अन्य सामान बरामद किए जाने की कार्रवाई भी शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूछताछ के दौरान आरोपित से अन्य वारदातों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की उम्मीद है। मुठभेड़ के बाद क्षेत्र में पुलिस सुरक्षा भी बढ़ाई गई है। मामले में आगे की कार्रवाई जांच के आधार पर की जाएगी।

10.61 एकड़ जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू, सेक्टर-81 से 86 और 104 में बनेंगी सड़कें

24 मीटर चौड़ी सड़कों के लिए 10.61 एकड़ जमीन अधिग्रहण

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम



- गुरुग्राम के नए सेक्टरों में 24 मीटर चौड़ी होंगी सड़कें

गुरुग्राम के तेजी से विकसित हो रहे नए सेक्टरों में सड़क नेटवर्क को मजबूत करने की दिशा में हरियाणा सरकार ने प्रक्रिया शुरू कर दी है। सेक्टर-81 से 86 और सेक्टर-104 में प्रस्तावित 24 मीटर चौड़ी सड़कों के निर्माण के लिए करीब 10.61 एकड़ जमीन अधिग्रहित की जाएगी। इसके लिए फिलहाल सामाजिक प्रभाव आकलन (एसआइए) की प्रक्रिया शुरू की गई है। सड़क निर्माण पूरा होने के बाद नए सेक्टरों में कनेक्टिविटी बेहतर होने और यातायात व्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

शहरी संपदा विभाग की ओर से 30 सितंबर को जारी अधिसूचना के अनुसार, गुरुग्राम-मानेसर शहरी परिसर में प्रस्तावित 24 मीटर चौड़ी सड़कों के निर्माण के लिए संबंधित जमीन की जरूरत है या भविष्य में पड़ सकती है। इसी आधार पर भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। सरकार ने इस संबंध में भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्स्थापन में उचित मुआवजा एवं पारदर्शिता के अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा 4(1) के तहत प्रक्रिया शुरू की है। हरियाणा सरकार ने सामाजिक प्रभाव आकलन के लिए हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं आधारभूत संरचना विकास निगम (एचएसआइआइडीसी) को इकाई नियुक्त किया है।

निगम प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण का सामाजिक प्रभाव अध्ययन करेगा। इसके साथ ही सामाजिक प्रभाव प्रबंधन योजना भी तैयार की जाएगी। आकलन के दौरान यह देखा जाएगा कि प्रस्तावित अधिग्रहण का स्थानीय लोगों और संबंधित जमीन पर क्या प्रभाव पड़ेगा। सरकार की ओर से जारी अधिसूचना में प्रस्तावित सड़क परियोजनाओं के लिए आवश्यक जमीन का विवरण भी शामिल किया गया है। सड़क निर्माण के लिए जमीन उपलब्ध होने के बाद परियोजना को आगे बढ़ाने में आसानी होगी। नए सेक्टरों में पिछले कुछ समय से आबादी और व्यावसायिक गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में चौड़ी सड़कों की जरूरत भी बढ़ती जा रही है। सेक्टर-81 से 86 और सेक्टर-104 में 24 मीटर चौड़ी सड़कों के निर्माण से आसपास के क्षेत्रों के बीच आवागमन आसान होने की उम्मीद है।

इन सड़कों के बनने से नए सेक्टरों को मुख्य मार्गों से बेहतर कनेक्टिविटी मिल सकेगी। साथ ही बढ़ते यातायात के दबाव को कम करने में भी मदद मिलने की संभावना है। भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद सड़क निर्माण से जुड़ी अगली कार्रवाई शुरू की जाएगी। फिलहाल सरकार ने सामाजिक प्रभाव आकलन को प्राथमिकता दी है। एचएसआइआइडीसी अध्ययन के आधार पर सामाजिक प्रभाव प्रबंधन योजना तैयार करेगा। इसके बाद अधिग्रहण से संबंधित प्रक्रिया को नियमानुसार आगे बढ़ाया जाएगा।

शिक्षक भर्ती पदवृद्धि को लेकर राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को लिखा पत्र

वर्ग-2 में हर विषय के 3,000 और वर्ग-3 में 25 हजार पद करने की अभ्यर्थियों की मांग

एजेंसी, नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मध्य प्रदेश में शिक्षक भर्ती वर्ग-2 और वर्ग-3 में पदों की संख्या बढ़ाने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखा है। उन्होंने आंदोलन कर रहे शिक्षक अभ्यर्थियों को जारी नोटिस तत्काल वापस लेने, उनके प्रतिनिधियों से बातचीत करने और भर्ती प्रक्रिया के दूसरे चरण की काउंसलिंग जल्द शुरू कराने का भी अनुरोध किया है।

राहुल गांधी ने पत्र में कहा कि इंदौर में आयोजित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के दौरान मध्य प्रदेश के शिक्षक अभ्यर्थियों ने वर्ग-2 और वर्ग-3 की भर्ती में पद बढ़ाने का मुद्दा उनके सामने प्रमुखता से उठाया था। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सरकारी स्कूलों में एक लाख से अधिक शिक्षकों के पद पहले से रिक्त हैं। शिक्षकों की कमी का सीधा असर बच्चों की पढ़ाई और शिक्षा की गुणवत्ता पर पड़ रहा है। इसके बावजूद शिक्षक भर्ती-2025 के तहत वर्ग-3 में 13,089 और वर्ग-2 में 10,800 पदों पर ही भर्ती निकाली गई है। राहुल गांधी ने कहा कि अभ्यर्थी रिक्त पदों के अनुरूप भर्ती में पदों की संख्या बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। इससे सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी दूर करने के साथ हजारों योग्य युवाओं को नियमित रोजगार का अवसर मिल सकता है। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने चयन परीक्षा में अच्छे अंक हासिल किए हैं। इनमें कई ऐसे युवा भी हैं, जो लंबे समय से अतिथि शिक्षक के रूप में सरकारी स्कूलों में सेवाएं दे रहे हैं और नियमित नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे हैं। सीमित पदों के कारण बेहतर प्रदर्शन करने वाले कई अभ्यर्थी भी नियुक्ति से वंचित रह गए हैं। कुछ अभ्यर्थी निर्धारित आयु सीमा के करीब पहुंच रहे हैं, जिससे उनके लिए रोजगार के अवसर और सीमित हो सकते हैं।



शिक्षक भर्ती में पद बढ़ाने की राहुल गांधी की मांग

राहुल गांधी ने कहा कि ऐसे अभ्यर्थियों के लिए पदों की संख्या बढ़ाना बेहद जरूरी है, ताकि उन्हें आयु सीमा समाप्त होने से पहले नियुक्ति का अवसर मिल सके। उन्होंने मुख्यमंत्री से शिक्षक अभ्यर्थियों की मांगों पर गंभीरता से विचार करने और भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह किया। उनका कहना है कि रिक्त पदों को भरने से सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी दूर होगी और विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित नहीं होगी। इसके साथ ही हजारों योग्य युवाओं को स्थायी सरकारी रोजगार मिल सकेगा। अभ्यर्थियों ने भी सरकार से दूसरे चरण की काउंसलिंग जल्द शुरू कराने और रिक्तियों के अनुपात में पद बढ़ाने की मांग दोहराई है। लंबे समय से चल रहे आंदोलन के बीच अब सरकार के फैसले पर सभी की नजरें टिकी हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि सरकार जल्द फैसला लेकर भर्ती प्रक्रिया आगे बढ़ाए। इससे लंबे समय से नियुक्ति का इंतजार कर रहे युवाओं को राहत मिलेगी और सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी भी दूर होगी।

रोहिणी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 50 करोड़ की हेरोइन बरामद

पुलिस ने 7.076 किलो हेरोइन के साथ नशीला पदार्थ बनाने में इस्तेमाल सामग्री भी बरामद की

एजेंसी, नई दिल्ली



रोहिणी जिला पुलिस की विशेष शाखा ने अंतरराज्यीय हेरोइन तस्करी और अवैध निर्माण करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 7.076 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब 50 करोड़ रुपये बताई गई है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने हेरोइन बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री और उपकरण भी जब्त किए हैं।

पुलिस के अनुसार, 16 सितंबर को बेगमपुर इलाके में लक्ष्मण हुड्डा (58) को 300 ग्राम हेरोइन और तीन लाख रुपये नकद के साथ गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ के आधार पर पुलिस ने अगले दिन सोनीपत से अनिल उर्फ भोला (51) को दबोचा। उसके वाहन की तलाशी लेने पर 501 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। जांच आगे बढ़ने पर पुलिस को गिरोह के उत्तर प्रदेश में सक्रिय होने की जानकारी मिली। इसके बाद चार अक्टूबर को लखनऊ के जानकीपुरम स्थित एक अवैध हेरोइन निर्माण स्थल पर छापा मारा गया। यहां से पुलिस ने 6.275 किलोग्राम तैयार हेरोइन बरामद की।

इसके अलावा सोडियम, एसिटिक एनहाइड्राइड, गैस सिलेंडर, मिक्सर, इलेक्ट्रॉनिक तराजू और अन्य उपकरण भी मिले। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर गिरोह से जुड़े अन्य लोगों और हेरोइन की आपूर्ति के नेटवर्क का पता लगाया जा रहा है। जांच में यह भी सामने आया है कि गिरोह दिल्ली-एनसीआर समेत अन्य राज्यों में मादक पदार्थ की आपूर्ति करता था। पुलिस नेटवर्क के वित्तीय लेनदेन और निर्माण प्रक्रिया से जुड़े लोगों की भी जानकारी जुटा रही है।

दिल्ली पुलिस ने अंतरराज्यीय हेरोइन गिरोह का किया पर्दाफाश

पुलिस जांच में सामने आया कि गिरोह दिल्ली-एनसीआर के अलावा दूसरे राज्यों में भी हेरोइन की आपूर्ति करता था। आरोपियों से पूछताछ के आधार पर पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। साथ ही, मादक पदार्थ की सप्लाई के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले नेटवर्क और इससे जुड़े आर्थिक लेनदेन की भी जांच की जा रही है। अवैध निर्माण स्थल से बरामद सामग्री से स्पष्ट हुआ कि गिरोह मौके पर ही हेरोइन तैयार करता था। पुलिस ने निर्माण में इस्तेमाल होने वाले रसायनों और उपकरणों को कब्जे में लेकर उनकी जांच शुरू कर दी है।

अधिकारियों के अनुसार, बरामद हेरोइन की मात्रा और नेटवर्क के विस्तार को देखते हुए गिरोह के पीछे बड़े स्तर पर काम करने वाले लोगों की भूमिका भी जांच के दायरे में है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों से पूछताछ पूरी होने के बाद गिरोह के पूरे नेटवर्क, आपूर्ति के स्रोत और अन्य राज्यों में सक्रिय सहयोगियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी सामने आने की उम्मीद है। पुलिस के अनुसार, जांच के दौरान गिरोह के अन्य सदस्यों और उसके संचालन से जुड़े लोगों की पहचान करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि बरामद हेरोइन और निर्माण सामग्री की जांच से नेटवर्क की कार्यप्रणाली और आपूर्ति के स्रोतों का पता लगाने में मदद मिलेगी। पुलिस आर्थिक लेनदेन और आरोपियों के संपर्कों की भी पड़ताल कर रही है। पूछताछ के आधार पर अन्य राज्यों में सक्रिय सहयोगियों के खिलाफ भी कार्रवाई की तैयारी है।

गाजियाबाद में बिना सीसी फ्लैट देने वाले 100 से ज्यादा बिल्डरों पर होगी एफआईआर

एजेंसी, नई दिल्ली

◆ गुलमोहर ग्रीन्स मामले के बाद जीडीए ने बढ़ाई सख्ती



गाजियाबाद के गुलमोहर ग्रीन्स मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की कड़ी फटकार के बाद गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने बिना कम्प्लीशन सर्टिफिकेट (सीसी) के फ्लैटों का कब्जा देने वाले बिल्डरों के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। प्राधिकरण ने ऐसे 100 से अधिक बिल्डरों को चिन्हित किया है, जिन पर अब एफआईआर दर्ज कराने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सकती है। इस कार्रवाई के बाद बिल्डरों में हड़कंप मचने की संभावना है।

जीडीए की ओर से ऐसे प्रोजेक्टों की जानकारी जुटाई जा रही है, जहां निर्माण पूरा होने और आवश्यक प्रमाणपत्र जारी होने से पहले ही खरीदारों को फ्लैटों का कब्जा सौंप दिया गया। प्राधिकरण का मानना है कि नियमों का पालन किए बिना खरीदारों को कब्जा देना गंभीर मामला है। ऐसे मामलों में संबंधित बिल्डरों की भूमिका और परियोजनाओं की स्थिति की जांच की जा रही है। गुलमोहर ग्रीन्स प्रकरण में सामने आए विवाद के बाद हाईकोर्ट ने प्राधिकरण की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए थे। अदालत की सख्ती के बाद जीडीए ने उन बिल्डरों के खिलाफ कार्रवाई तेज करने का निर्णय लिया है, जिन्होंने बिना सीसी के खरीदारों को फ्लैट सौंपे हैं।

अधिकारियों की ओर से चिन्हित परियोजनाओं से संबंधित दस्तावेजों और रिकॉर्ड की जांच की जा रही है। जीडीए अधिकारियों के अनुसार, कार्रवाई का उद्देश्य नियमों का उल्लंघन करने वाले बिल्डरों पर जिम्मेदारी तय करना है। बिना आवश्यक प्रमाणपत्र के कब्जा देने से फ्लैट खरीदारों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। भवन की वैधता, सुविधाओं के संचालन और अन्य जरूरी अनुमतियों से जुड़े मामलों में भी खरीदारों के सामने समस्याएं खड़ी हो सकती हैं।

स्क्रैप कारोबारी पर फायरिंग करने वाले कैफ-जसीम एनकाउंटर में पकड़े

एजेंसी, नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के उस्मानपुर यमुना खादर इलाके में सोमवार को पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। स्पेशल स्टाफ की जवाबी कार्रवाई में दो बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। घायल बदमाशों की पहचान कैफ और जसीम के रूप में हुई है। दोनों पर स्क्रैप कारोबारी के घर पर फायरिंग करने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, दोनों बदमाशों ने दो अक्टूबर को भजनपुरा थाना क्षेत्र में एक स्क्रैप कारोबारी के घर पर गोलियां चलाई थीं। घटना के बाद से पुलिस आरोपितों की तलाश में जुटी हुई थी।

◆ उस्मानपुर यमुना खादर में पुलिस मुठभेड़, फायरिंग के दोनों आरोपी घायल

जांच के दौरान पुलिस को दोनों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली थी। इसी आधार पर स्पेशल स्टाफ की टीम ने उस्मानपुर यमुना खादर इलाके में घेराबंदी की। बताया जा रहा है कि पुलिस टीम ने संदिग्ध बदमाशों को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान बदमाशों ने पुलिस टीम पर गोली चलाने की कोशिश की। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें दोनों के पैर में गोली लगी। गोली लगने के बाद दोनों घायल होकर गिर पड़े। पुलिसकर्मियों ने मौके पर ही उन्हें काबू कर लिया। इसके बाद दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से हथियार और अन्य सामान बरामद किए जाने की भी जांच शुरू कर दी है।

रिश्वत मांगने के आरोप में दिल्ली पुलिस सब-इंस्पेक्टर चढ़ा सीबीआई के हत्थे

एजेंसी, नई दिल्ली

◆ 80 हजार रुपये रिश्वत लेते प्रशांत विहार थाने का सब-इंस्पेक्टर गिरफ्तार

◆ आपराधिक मामले में राहत के बदले रिश्वत मांगना पुलिस अधिकारी को पड़ा भारी



केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने रिश्वतखोरी के एक मामले में दिल्ली पुलिस के सब-इंस्पेक्टर को 80 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी पुलिस अधिकारी की पहचान लेखराज के रूप में हुई है। वह प्रशांत विहार थाने में सब-इंस्पेक्टर और जांच अधिकारी के पद पर तैनात था। आरोप है कि उसने थाने में दर्ज एक आपराधिक मामले में शिकायतकर्ता को राहत दिलाने और जांच में मदद करने के बदले एक लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी।

सीबीआई के अनुसार, इस मामले में शिकायत मिलने के बाद जांच एजेंसी ने मामला दर्ज किया। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि उसके खिलाफ प्रशांत विहार थाने में एक आपराधिक मामला दर्ज है। इसी मामले में कार्रवाई के दौरान मदद करने और राहत देने के एवज में सब-इंस्पेक्टर लेखराज ने उससे एक लाख रुपये की मांग की थी। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया कि पुलिस अधिकारी ने शिकायतकर्ता की तलाशी के दौरान उसकी जेब से 20 हजार रुपये अपने कब्जे में ले लिए थे। इसके बाद आरोपी ने कथित तौर पर शिकायतकर्ता से बाकी 80 हजार रुपये अगले दिन लाने को कहा। शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने आरोपों का सत्यापन कराया। प्रारंभिक जांच में शिकायत में लगाए गए आरोप सही पाए जाने के बाद एजेंसी ने आरोपी को पकड़ने के लिए जाल बिछाने की योजना तैयार की।

सीबीआई की टीम ने तय योजना के तहत कार्रवाई की। शिकायतकर्ता को आरोपी से संपर्क करने और मांगी गई रकम देने के लिए कहा गया। जैसे ही सब-इंस्पेक्टर लेखराज ने शिकायतकर्ता से 80 हजार रुपये की रिश्वत मांगी और रकम स्वीकार की, सीबीआई की टीम ने उसे मौके पर ही पकड़ लिया। इसके बाद आरोपी को हिरासत में ले लिया गया।

दिल्ली की सड़कों पर धूल का पहरा, बढ़ा प्रदूषण का खतरा

सर्दी से पहले बढ़ने लगा धूल प्रदूषण, प्रमुख सड़कों की सफाई पर उठे सवाल

एजेंसी, नई दिल्ली



राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ने का समय नजदीक आते ही सड़कों पर जमा धूल चिंता बढ़ाने लगी है। प्रदूषण के लिए केवल रिंग रोड ही जिम्मेदार नहीं है, बल्कि दिल्ली की कई प्रमुख सड़कों पर जमा धूल भी हवा की गुणवत्ता खराब करने में योगदान दे रही है। सड़कों की सफाई व्यवस्था ठीक नहीं होने और जगह-जगह खराब सड़कें होने से समस्या और गंभीर हो रही है।

न्यू रोहतक रोड समेत कई इलाकों में फुटपाथ ही नहीं, बल्कि सड़कों के मुख्य हिस्से पर भी धूल की मोटी परत दिखाई दे रही है। वाहनों के गुजरने के साथ यही धूल हवा में उड़कर आसपास के वातावरण को प्रभावित कर रही है। दोपहिया वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सड़कों पर जमा धूल वाहनों की आवाजाही के दौरान लगातार उड़ती रहती है। इससे वाहन चालकों को सामने का रास्ता देखने में परेशानी होती है। कई जगह धूल के गुबार के कारण सड़क किनारे चलने वाले लोगों को भी दिक्कत होती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नियमित रूप से सड़कों की सफाई और पानी का छिड़काव होने से धूल की समस्या को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। दिल्ली के कई इलाकों में फुटपाथ की स्थिति ठीक नहीं है। जहां फुटपाथ बने हैं, वहां भी मिट्टी और धूल जमा होने के कारण उनका इस्तेमाल मुश्किल हो रहा है। कई स्थानों पर सड़क किनारे निर्माण सामग्री और मिट्टी पड़ी होने से वाहनों के पहिए इसे सड़क पर फैला देते हैं। इसके बाद यातायात बढ़ने पर धूल हवा में घुलती रहती है।

धूल के गुबार से राहगीर और दुकानदार परेशान

सड़कों पर धूल की समस्या केवल वाहन चालकों तक सीमित नहीं है। इससे आसपास रहने वाले लोगों और दुकानदारों को भी परेशानी हो रही है। दिनभर वाहनों की आवाजाही से सड़क पर जमा मिट्टी और धूल उड़ती रहती है, जिससे वातावरण में धूल के कण बढ़ जाते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रमुख सड़कों के साथ संपर्क मार्गों और किनारे की नियमित सफाई भी जरूरी है। कई स्थानों पर लंबे समय से सफाई नहीं होने के कारण धूल की परत मोटी होती जा रही है। लोगों ने संबंधित एजेंसियों से सड़कों की नियमित सफाई, पानी का छिड़काव और निर्माण सामग्री को व्यवस्थित तरीके से रखने की मांग की है।

जंतर-मंतर पर पत्रकारों से दुर्व्यवहार पर प्रेस क्लब सख्त

एजेंसी, नई दिल्ली। प्रेस क्लब ऑफ इंडिया (पीसीआई) ने जंतर-मंतर पर एसआईआर और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर चल रहे प्रदर्शन के दौरान पत्रकारों से कथित दुर्व्यवहार की कड़ी निंदा की है। पीसीआई ने शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की मांग करते हुए प्रदर्शन स्थल के आसपास इंटरनेट निलंबन को भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सूचना के प्रवाह के लिए अस्वीकार्य बताया। दिल्ली पुलिस ने संसद मार्ग थाने में मिली शिकायतों की जांच अपराध शाखा को सौंप दी है। विशेष जांच दल सीसीटीवी फुटेज, पत्रकारों और प्रत्यक्षदर्शियों के वीडियो तथा ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के रिकॉर्ड की जांच करेगा। जांच टीम सीसीटीवी फुटेज और वीडियो रिकॉर्ड खंगालकर पूरे मामले की सच्चाई सामने लाएगी।

हवाई यात्रियों को झटका, इंडिगो ने घरेलू उड़ानों पर 350 रुपए तक बढ़ाया शुल्क

एजेंसी, नई दिल्ली



विमान ईंधन की बढ़ती कीमतों के बीच देश की प्रमुख बजट एयरलाइन इंडिगो ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए ईंधन अधिभार बढ़ाने का फैसला किया है। संशोधित शुल्क आज से लागू होंगे। इसके चलते यात्रियों को हवाई टिकट के लिए पहले की तुलना में अधिक राशि खर्च करनी पड़ेगी। विमानन कंपनी ने सोमवार को बताया कि घरेलू उड़ानों के लिए दूरी के आधार पर ईंधन अधिभार में 100 रुपये से लेकर 350 रुपये तक की बढ़ोतरी की गई है। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए भी ईंधन अधिभार में वृद्धि की गई है।

हालांकि, कंपनी ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए अलग-अलग मार्गों के अनुसार शुल्क में बढ़ोतरी का विवरण साझा नहीं किया है। इंडिगो के अनुसार, विमान ईंधन की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। हाल में एटीएफ की कीमतों में मासिक आधार पर 14 फीसदी से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। कंपनी ने कहा कि एविएशन टर्बाइन फ्यूल की लागत पिछले एक दशक के दौरान सबसे ऊंचे स्तरों में पहुंच गई है। इसका सीधा असर विमानन कंपनियों की परिचालन लागत पर पड़ रहा है। कंपनी ने कहा कि विमान ईंधन एयरलाइन की कुल परिचालन लागत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। एटीएफ की कीमतों में तेज वृद्धि से इंडिगो समेत विमानन क्षेत्र की लागत संरचना प्रभावित हो रही है। इसके अलावा एयरलाइन नेटवर्क से जुड़ी आर्थिक स्थिति पर भी इसका असर पड़ने की आशंका है।

इंडिगो ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के ईंधन अधिभार में मामूली बदलाव किया गया है। नए शुल्क लागू होने के बाद यात्रियों के टिकट की कुल कीमत में वृद्धि होगी। इससे त्योहारी और आगामी यात्रा सीजन के दौरान हवाई सफर करने वाले यात्रियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ सकता है। विमानन क्षेत्र में ईंधन की कीमतों में आगे होने वाले बदलाव के आधार पर किराये और अधिभार में भी बदलाव की संभावना बनी रहेगी।

कुश्ती में भारत का शानदार जलवा एशियाई खेलों में जीते दो स्वर्ण समेत छह पदक

एजेंसी, नई दिल्ली



भारतीय कुश्ती दल ने जापान के आइची-नागोया में हाल ही में संपन्न 20वें एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए छह पदक जीते। भारत ने दो स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य पदक अपने नाम किए। यह 1962 के बाद एशियाई खेलों में भारतीय कुश्ती का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। 1962 में भारतीय पहलवानों ने कुल 12 पदक जीते थे।

भारत ने 18 में से 15 भार वर्गों में पहलवान उतारे और फ्रीस्टाइल, ग्रीको-रोमन तथा महिला कुश्ती तीनों वर्गों में पदक हासिल किए। 65 किग्रा फ्रीस्टाइल में पदार्पण करने वाले सुजीत कलकल ने स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने सेमीफाइनल में जापान के 2024 ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता कियोका कोटारो को मानदंड के आधार पर हराया और फाइनल में ताजिकिस्तान के अब्दुलमाजिद कुडिएव को 10-9 से मात दी।

57 किग्रा फ्रीस्टाइल में अमन सहरावत ने भी स्वर्ण जीता। उन्होंने फाइनल में उत्तर कोरिया के विश्व नंबर एक और 2025 विश्व चैंपियन चोंग सोंग हान को 11-7 से हराया। इस भार वर्ग में यह एशियाई खेलों में भारत का पहला स्वर्ण पदक है। ग्रीको-रोमन के 97 किग्रा वर्ग में नितेश और महिला 53 किग्रा में विश्व नंबर एक अंतिम पंघाल ने रजत पदक जीते।

दीपक ने 60 साल बाद दिलाया पदक

इसके अलावा ग्रीको-रोमन के 87 किग्रा वर्ग में सुनील कुमार ने कांस्य पदक जीतकर लगातार दूसरी बार एशियाई खेलों में पदक हासिल किया। वह लगातार दो एशियाई खेलों में पदक जीतने वाले पहले भारतीय ग्रीको-रोमन पहलवान बने। फ्रीस्टाइल के 97 किग्रा वर्ग में दीपक पूनिया ने भी कांस्य पदक अपने नाम किया। नए भार वर्ग में उतरने के बावजूद उन्होंने कांस्य पदक मुकाबले में 2-1 से जीत दर्ज की। इस वर्ग में यह भारत का 60 साल में पहला पदक है। भारतीय पहलवानों ने पदक के अलावा कई मुकाबलों में प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

फैसला 2020 के दिल्ली दंगों और 2019 की जामिया हिंसा से जुड़ी याचिकाओं पर हाई कोर्ट का फैसला

दिल्ली दंगों में नेताओं पर कार्रवाई की मांग हाई कोर्ट ने ठुकराई

एजेंसी, नई दिल्ली



2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों और 2019 के जामिया हिंसा मामले से जुड़ी याचिकाओं पर दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार को महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। अदालत ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर समेत कई राजनेताओं के खिलाफ कथित भड़काऊ भाषण को लेकर प्राथमिकी दर्ज करने की मांग को ठुकरा दिया। इसके साथ ही दंगों की स्वतंत्र विशेष जांच टीम (एसआईटी) से जांच कराने की मांग भी खारिज कर दी गई।

याचिकाओं में आरोप लगाया गया था कि दिल्ली दंगों और जामिया हिंसा से पहले तथा उसके दौरान कुछ नेताओं की ओर से दिए गए भाषणों की जांच की जानी चाहिए। याचिकाकर्ताओं ने संबंधित नेताओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने और मामले की स्वतंत्र जांच कराने की मांग की थी।

अदालत के समक्ष पुलिसकर्मियों की भूमिका को लेकर भी आरोप लगाए गए थे। दिल्ली हाई कोर्ट ने दोषी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग वाली याचिका को भी स्वीकार नहीं किया। याचिकाकर्ताओं की ओर से दंगों की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की गई थी। अदालत के फैसले के बाद इन मांगों पर फिलहाल विराम लग गया है।

मामले में दायर याचिकाओं में राहुल गांधी और अनुराग ठाकुर के अलावा अन्य नेताओं के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग की गई थी। याचिकाकर्ताओं ने कथित भड़काऊ भाषणों को दिल्ली में हुई हिंसा से जोड़ते हुए पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग की थी अदालत ने मामले से जुड़ी विभिन्न मांगों पर विचार करने के बाद प्राथमिकी और स्वतंत्र एसआईटी जांच की मांग को खारिज कर दिया। साथ ही पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई से संबंधित याचिका को भी ठुकरा दिया।

जामिया हिंसा में नेताओं पर एफआईआर की मांग खारिज

अदालत के फैसले के बाद याचिकाकर्ताओं की ओर से उठाई गई मांगों पर फिलहाल रोक लग गई है। याचिकाओं में कहा गया था कि कथित भड़काऊ भाषणों की निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए और यदि जांच में आरोप सही पाए जाएं तो संबंधित नेताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। याचिकाकर्ताओं ने दिल्ली दंगों और जामिया हिंसा के दौरान पुलिस की भूमिका की भी जांच की मांग की थी। उनका आरोप था कि मामले में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ उचित कार्रवाई नहीं हुई। अदालत ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद प्राथमिकी दर्ज कराने, स्वतंत्र एसआईटी जांच कराने और दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया। इस फैसले के बाद राहुल गांधी, अनुराग ठाकुर समेत अन्य नेताओं के खिलाफ इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग स्वीकार नहीं की गई।

न्यूज ब्रीफ

पेंशनर्स की देनदारियों के जल्द भुगतान की मांग



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ अर्की इकाई की बैठक प्रधान कृष्ण चंद्र शर्मा की अध्यक्षता में लोक निर्माण विश्राम गृह अर्की में आयोजित हुई। बैठक में बड़ी संख्या में पेंशनर्स ने भाग लिया। इस दौरान पेंशनरों की लंबित देनदारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। पेंशनर्स ने सरकार से मांग की कि उनकी लंबित देनदारियों का जल्द भुगतान किया जाए। उन्होंने असंतोष जताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री मंच से कई घोषणाएं करते हैं, लेकिन उनका धरातल पर अपेक्षित क्रियान्वयन नहीं हो रहा है। पेंशनरों ने सरकार से अपनी मांगों पर गंभीरता से विचार करने की अपील की। बैठक में इकाई के मुख्य सलाहकार पद पर बदलाव भी किया गया। राम सिंह वर्मा के स्थान पर सर्वसम्मति से बनवारी लाल शर्मा को नया मुख्य सलाहकार नियुक्त किया गया। इस अवसर पर अनिल शर्मा, कामेश्वर शर्मा, यशपाल शर्मा, हेमंत शर्मा, टेकचंद शर्मा, बद्रीदत्त शर्मा, बालक राम, राम सिंह सहित अन्य पेंशनर मौजूद रहे। बैठक में पेंशनरों की विभिन्न समस्याओं और संगठन को मजबूत करने को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया।

मल्टीटास्क वर्कर्स के लिए स्थायी नीति बनाने की मांग

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। हिमाचल प्रदेश कर्मचारी महासंघ जिला कुल्लू के अध्यक्ष हितेंद्र साहसी ने प्रदेश सरकार से शिक्षा विभाग में कार्यरत हजारों पार्ट टाइम मल्टीटास्क वर्करों के लिए जल्द स्थायी नीति बनाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि ये कर्मचारी पिछले कई वर्षों से सरकारी विद्यालयों और शिक्षा संस्थानों में पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन आज भी उनका भविष्य अस्थिर बना हुआ है। साहसी ने कहा कि मल्टीटास्क वर्करों की जिम्मेदारियां केवल पार्ट टाइम कार्य तक सीमित नहीं हैं। विद्यालय खुलने से लेकर बंद होने तक वे विभिन्न आवश्यक कार्यों को जिम्मेदारी से निभाते हैं और विद्यालयों की दैनिक व्यवस्था सुचारू रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि चार से पांच वर्षों से लगातार सेवाएं देने के बावजूद कर्मचारियों को स्थायी रोजगार की सुरक्षा नहीं मिल पाई है। सरकार को उनकी सेवाओं, अनुभव और जिम्मेदारियों को ध्यान में रखते हुए न्यायसंगत नीति बनानी चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से मामले पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर जल्द सकारात्मक निर्णय लेने की मांग की। कहा कि स्थायी नीति से हजारों कर्मचारियों और उनके परिवारों का भविष्य सुरक्षित होगा।

नाथूराम की सुरक्षा को लेकर प्रशासन पर उठे सवाल



भारतेन्दु संवाददाता, पांवटा साहिब। अस्पताल में उपचाराधीन पर्यावरणविद् एवं समाजसेवी नाथूराम चौहान की सुरक्षा को लेकर मजदूर नेता प्रदीप चौहान ने प्रशासन पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने प्रशासन से नाथूराम चौहान की सुरक्षा के लिए ठोस व्यवस्था करने की मांग की है। प्रदीप चौहान ने कहा कि वह पिछले 11 दिनों में तीन बार अस्पताल जाकर नाथूराम चौहान का हालचाल जान चुके हैं। उन्होंने बताया कि इस दौरान कई उद्योगपति, समाजसेवी और राजनीतिक लोग भी उनसे मिलने अस्पताल पहुंच रहे हैं। इसके बावजूद स्थानीय प्रशासन की ओर से अब तक किसी प्रतिनिधि ने अस्पताल पहुंचकर उनका हालचाल जानना उचित नहीं समझा। उन्होंने कहा कि नाथूराम चौहान पिछले 15 वर्षों से गरीब, पिछड़े और आम लोगों के अधिकारों के लिए संघर्ष करते रहे हैं। साथ ही उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए सड़क से लेकर न्यायालय तक आवाज उठाई है। प्रदीप चौहान ने कहा कि संकट की इस घड़ी में समाज और प्रशासन का उनके साथ खड़ा होना नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या प्रशासन 11 दिनों में 11 मिनट भी उनके लिए नहीं निकाल सकता। उन्होंने प्रशासन से उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।

पनारसा कॉलेज में सीएससीए पदाधिकारियों ने ली शपथ



भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। राजकीय महाविद्यालय पनारसा में कॉलेज स्टूडेंट्स सेंट्रल एसोसिएशन (सीएससीए) का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में किंगस पंचायत के प्रधान केसर सिंह ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। कॉलेज की प्राचार्य डॉ. उर्सेम लता और वरिष्ठ आचार्यों ने नव-निर्वाचित पदाधिकारियों एवं सदस्यों को पद और कर्तव्यों की शपथ दिलाई। सीमा, सोनल, शेर सिंह और कनक ने क्रमशः प्रधान, उपप्रधान, सचिव और सहसचिव के पद की शपथ ली। विद्यार्थियों ने लोकतांत्रिक मूल्यों, अनुशासन, जिम्मेदारी और छात्रहित के प्रति प्रतिबद्धता जताई। समारोह का मुख्य आकर्षण समानता और स्वतंत्रता पर आधारित नुक्कड़ नाटक रहा। अंग्रेजी विभाग और महिला प्रकोष्ठ के विद्यार्थियों ने नाटक के माध्यम से ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के प्रति समाज के दृष्टिकोण तथा उन्हें समान अधिकार और सम्मान देने की आवश्यकता को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। प्राचार्य ने विद्यार्थियों से जिम्मेदार नेतृत्व, आपसी सम्मान और समावेशिता की भावना अपनाने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि केसर सिंह ने भी विद्यार्थियों को एकता, समानता और सामाजिक उत्तरदायित्व के मूल्यों को आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया।

मानसिक स्वास्थ्य पर दिए महत्वपूर्ण सुझाव



भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। राजकीय अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय, धर्मशाला की ओर से विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में 'मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आरएस गिल रहे। वेबिनार में विषय विशेषज्ञ प्रो. विकास पाधिया और शुभांगी पिंगुलकर ने तनाव प्रबंधन तथा कठिन परिस्थितियों से निपटने के व्यावहारिक उपायों पर विस्तृत जानकारी दी। विशेषज्ञों ने दैनिक जीवन में तनाव को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने और मानसिक संतुलन बनाए रखने के लिए उपयोगी सुझाव साझा किए। सत्र के दौरान महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने संतोषजनक उत्तर दिया। प्राचार्य डॉ. आरएस गिल ने वेबिनार के सफल आयोजन के लिए आईक्यूएसी समिति, आयोजकों, प्रतिभागियों और विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने सभी से मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रो. दीक्षा चंदेल के स्वागत भाषण से हुई, जबकि डॉ. पूजा चौधरी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। वेबिनार से शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों को मानसिक रूप से सशक्त बनने का मार्गदर्शन मिला।

स्पेशल एजूकेटर्स की भर्ती का फाइनल परिणाम घोषित, 105 उम्मीदवारों का चयन

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश राज्य चयन आयोग (एचपीआरसीए) ने स्कूल शिक्षा विभाग में स्पेशल एजूकेटरों के 108 पदों को भरने के लिए पोस्ट कोड-25022 के तहत आयोजित कंप्यूटर आधारित परीक्षा में सफल हुए उम्मीदवारों के दस्तावेजों की जांच के बाद अंतिम परिणाम घोषित कर दिया है। आयोग के सचिव डॉ. विक्रम महाजन ने बताया कि इन पदों के लिए कुल 663 उम्मीदवारों ने आवेदन किया था, जिनमें से 643 उम्मीदवारों ने कंप्यूटर आधारित परीक्षा दी थी और इस परीक्षा में 290 उम्मीदवारों का चयन दस्तावेजों की जांच के लिए किया गया था। 20 से 22 अगस्त तक दस्तावेजों की जांच के बाद 105 उम्मीदवारों का चयन किया गया है। पात्र उम्मीदवार न मिलने के कारण एससी (स्वतंत्रता सेनानी परिजन) वर्ग का एक पद खाली रह गया है। जबकि, कोर्ट केस के कारण सामान्य अनारक्षित वर्ग के दो पद फिलहाल खाली रखे गए हैं। सचिव ने बताया कि यह अंतिम परिणाम सभी उम्मीदवारों के नाम, रोल नंबर और अंकों सहित आयोग की वेबसाइट एचपीआरसीए.एचपी.जीओवी.इन पर उपलब्ध करवा दिया गया है।

आज से चार दिन आंधी-बारिश का अलर्ट

11 अक्तूबर तक खराब रहेगा मौसम, तापमान गिरने से पहाड़ी क्षेत्रों में बढ़ेगी ठंड

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून की विदाई के बाद मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है।

राज्य में छह से नौ अक्तूबर तक कई हिस्सों में आंधी, गरज-चमक और बारिश का दौर रहने का पूर्वानुमान है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने इन चार दिनों के लिए अलग-अलग जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान कुछ ऊंचे इलाकों में हल्की बर्फबारी भी हो सकती है। मौसम में बदलाव पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से आने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार 11 अक्तूबर तक राज्य में मौसम खराब रह सकता है। छह अक्तूबर को ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला जिलों में येलो अलर्ट रहेगा। इन क्षेत्रों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने के साथ गरज-चमक, आकाशीय बिजली



और बारिश होने की संभावना है। सात अक्तूबर को चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला और सिरमौर में येलो अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। गरज-चमक, आकाशीय बिजली और बारिश का भी पूर्वानुमान है। आठ अक्तूबर को ऊना, बिलासपुर, सोलन, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला में येलो अलर्ट रहेगा। नौ अक्तूबर को मंडी, शिमला और सिरमौर के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। आठ और नौ अक्तूबर को 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने की संभावना है। 10 और 11 अक्तूबर को भी मौसम खराब रहने का अनुमान है, हालांकि इन दोनों दिनों के लिए कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है मौसम विभाग के अनुसार अगले चार से पांच दिनों में बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी होने से तापमान में गिरावट आ सकती है। इससे पहाड़ी इलाकों में ठंड बढ़ने की संभावना है। खराब मौसम का असर सामान्य जनजीवन के साथ कृषि और पर्यटन गतिविधियों पर भी पड़ सकता है। अक्टूबर में होने वाली यह बारिश सेब सीजन के अंतिम चरण और निचले इलाकों में मक्की की कटाई को प्रभावित कर सकती है। किन्नौर को छोड़कर राज्य के अधिकतर सेब उत्पादक क्षेत्रों में सेब सीजन अंतिम चरण में है, जबकि किन्नौर में सेब सीजन शुरू होने वाला है। हिल स्टेशनों में आने वाले पर्यटकों को भी मौसम खराब होने से परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। मौसम विभाग ने खराब मौसम को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है। विशेष रूप से आंधी, आकाशीय बिजली और तेज बारिश के दौरान खुले स्थानों और पेड़ों के नीचे जाने से बचने की सलाह दी गई है। इस बार हिमाचल में मानसून के दौरान सामान्य से 11 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई। मानसून 30 जून को राज्य में पहुंचा था और एक जुलाई तक पूरे प्रदेश में फैल गया था। तीन अक्टूबर को मानसून ने पूरे हिमाचल से विदाई ली, जबकि इसकी सामान्य विदाई की तारीख 25 सितंबर थी।

'आंगन मिलन सेवा उत्सव' ने सुलह में जगाया सेवा और अपनत्व का भाव : विपिन सिंह परमार

सन्नी महाजन, भारतेन्दु संवाददाता, पालमपुर। 'सेवा ही संस्कार है और सेवा ही संकल्प' इसी भावना को आत्मसात करते हुए सुलह विधानसभा क्षेत्र में आयोजित 'आंगन मिलन सेवा उत्सव' के माध्यम से आंगनबाड़ी केंद्रों में नन्हे बच्चों के बीच सेवा, स्नेह और संवेदना के आत्मीय पल देखने को मिले।



इस अवसर पर बच्चों के साथ समय बिताकर उनके चेहरे पर मुस्कान लाने तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ संवाद स्थापित करने का प्रयास किया गया। वरिष्ठ नेता, प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष एवं सुलह विधानसभा क्षेत्र से विधायक विपिन सिंह परमार ने कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक अपनत्व, सहयोग और सेवा का भाव पहुंचाना ही जनप्रतिनिधित्व की वास्तविक कसौटी है। आंगनबाड़ी केंद्र केवल बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा और पोषण का माध्यम नहीं हैं, बल्कि ग्रामीण एवं सामाजिक जीवन में इन केंद्रों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यहां कार्यरत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मातृशक्ति की भूमिका निभाते हुए बच्चों के पोषण, संस्कार और प्रारंभिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। परमार ने कहा कि नन्हे बच्चों की मुस्कान में समाज के उज्ज्वल भविष्य की झलक दिखाई देती है। इसलिए बच्चों के बेहतर पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा और संस्कारों के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जनसेवा केवल राजनीतिक दायित्व नहीं, बल्कि सामाजिक संस्कार है और इसी सोच के साथ सुलह विधानसभा क्षेत्र में निरंतर जनता के बीच रहकर सेवा के कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 'आंगन मिलन सेवा उत्सव' जैसे कार्यक्रम समाज में आपसी संवाद, संवेदना और सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं। जब जनप्रतिनिधि और समाज के विभिन्न वर्ग एक-दूसरे के सुख-दुख में सहभागी बनते हैं, तभी लोकतंत्र की वास्तविक भावना मजबूत होती है।

केंद्रीय विश्वविद्यालय ने दुनिया की टॉप यूनिवर्सिटी रैंकिंग में बनाई जगह, देश के नए केंद्रीय विश्वविद्यालयों में नंबर-एक

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन किया है। विश्वविद्यालय ने पहली बार विश्व विश्वविद्यालय रैंकिंग में भाग लेते हुए 701 से 800 के वैश्विक वर्ग में स्थान हासिल किया है। इस रैंकिंग में 118 देशों के करीब 2300 उच्च शिक्षण संस्थानों ने हिस्सा लिया। इस उपलब्धि के साथ हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय देश के नवस्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालयों में प्रथम स्थान पर रहा है। वहीं, प्रदेश के सरकारी उच्च शिक्षण संस्थानों में भी इसे शीर्ष स्थान मिला है। देश के सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों में यह तीसरे और समूचे भारत के विश्वविद्यालयों में 17वें स्थान पर रहा। विश्वविद्यालय की इस सफलता में शोध कार्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। संस्थान को शोध गुणवत्ता के क्षेत्र में 76.2 अंक मिले हैं। विश्वविद्यालय के शोधार्थियों द्वारा बड़ी संख्या में शोध पत्र प्रकाशित किए गए हैं और शोध कार्यों को हजारों बार उद्धृत किया गया है। अंतरिक्ष अनुसंधान से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों तथा विभिन्न नवाचारों ने भी विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा बढ़ाई है। कुलपति प्रो. एसपी बंसल ने इस उपलब्धि का श्रेय शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों को दिया।

ट्रक बीमा क्लेम खारिज करना पड़ा महंगा कंपनी को 1.28 लाख रुपए देने के आदेश

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग कांगड़ा ने वाहन बीमा क्लेम खारिज करने के मामले में कोटक महिंद्रा जनरल इंश्योरेंस कंपनी को कड़ी फटकार लगाते हुए शिकायतकर्ता सुरजीत सिंह के पक्ष में फैसला सुनाया है। आयोग ने कंपनी को वाहन नुकसान के एवज में 1,28,617 रुपए और कानूनी खर्च के रूप में 10,000 रुपए भुगतान करने के आदेश दिए हैं। मामले के अनुसार नूरपुर निवासी सुरजीत सिंह ने 25 मार्च 2023 को नया टाटा सिगना ट्रक खरीदा था और उसका बीमा कराया था। 2 अप्रैल को नागनी माता मंदिर जाते समय बारिश और फिसलन के कारण ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गया। कंपनी ने स्थायी पंजीकरण, फिटनेस और परमिट नहीं होने का हवाला देकर क्लेम खारिज कर दिया। आयोग के अध्यक्ष हिमांशु मिश्रा, सदस्य आरती सूद और नारायण ठाकुर की पीठ ने कंपनी की दलील को खारिज करते हुए कहा कि बीमा जारी करने के बाद महज कागजी प्रक्रिया के संक्रमण काल का हवाला देकर वैध क्लेम नहीं ठुकराया जा सकता। निर्धारित 45 दिनों में भुगतान न होने पर 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज भी देना होगा।

वन्यजीव पारिस्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा, संरक्षण हमारा कर्तव्यः बासु कौशल



भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। वन्यजीव संरक्षण, जैव विविधता और पकृति-मानव संतुलन के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से वन विभाग द्वारा वन्यजीव सप्ताह के तहत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी कड़ी में कचहरी अड्डा धर्मशाला में नुक्कड़ नाटक आयोजित कर वन्यजीव संरक्षण का संदेश दिया गया। मुख्य अरण्यपाल बासु कौशल ने बताया कि वन्यजीव सप्ताह 2 से 8 अक्तूबर तक मनाया जा रहा है। इस वर्ष की थीम 'स्वास्थ्य और आजीविका के संरक्षण के लिए वन्यजीवों का संरक्षण' है। उन्होंने कहा कि वन्यजीव पारिस्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और इनके संरक्षण के बिना संतुलित पर्यावरण संभव नहीं है। उन्होंने बताया कि सप्ताह के दौरान नुक्कड़ नाटक, बर्ड वॉचिंग, नेचर वॉक और पेंटिंग प्रतियोगिता जैसी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इनसे विद्यार्थियों और युवाओं को स्थानीय जैव विविधता से परिचित करवाया जा रहा है। डीएफओ अमित शर्मा ने कहा कि वन्यजीव संरक्षण को जनभागीदारी का अभियान बनाना जरूरी है। कार्यक्रम में पेंटिंग प्रतियोगिता के विजेता बच्चों को पुरस्कृत किया गया। वन विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों और स्थानीय लोगों ने भाग लिया।

बेसहारा मानसिक रोगियों की मदद के लिए 7 से 9 अक्तूबर तक चलेगा विशेष अभियान



भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कांगड़ा द्वारा मानसिक बीमारी के कारण भटक रहे बेसहारा लोगों की सहायता के लिए 7 से 9 अक्तूबर तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। प्राधिकरण के सचिव आर. मिहुल शर्मा ने बताया कि अभियान का उद्देश्य ऐसे लोगों को समयबद्ध चिकित्सा सहायता उपलब्ध करवाने के साथ उनके अधिकारों, गरिमा और कल्याण की रक्षा करना है। अभियान के दौरान जिला प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहयोग से जरूरतमंद लोगों की पहचान की जाएगी। पैरा लीगल वालंटियर भी अभियान में सहयोग करेंगे। चिन्हित व्यक्तियों की स्वास्थ्य जांच के बाद आवश्यक उपचार तथा जरूरत पड़ने पर मनोचिकित्सीय संस्थान में भर्ती की व्यवस्था की जाएगी। उन्हें परामर्श और पुनर्वास सहायता भी मिलेगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी बेघर एवं मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्ति की जानकारी संबंधित प्रशासनिक अधिकारी या प्राधिकरण को दें। सूचना के लिए 01892-222370 या टोल फ्री नंबर 15100 पर संपर्क किया जा सकता है।

पठानकोट में बड़ा पुलिस फेरबदल, 9 अधिकारियों के तबादले

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। एसएसपी मनप्रीत सिंह ने पंजाब पुलिस एक्ट 2007 के तहत एस्टैब्लिशमेंट बोर्ड की सिफारिशों पर बड़ा पुलिस फेरबदल किया है। आदेश के तहत चार प्रमुख थानों के एसएचओ समेत नौ पुलिस अधिकारियों की तैनाती बदली गई है। सब-इंस्पेक्टर विजय कुमार को थाना डिवीजन नंबर-1 का एसएचओ, इंस्पेक्टर दविंदर काशनी को थाना मामून का प्रभारी और सब-इंस्पेक्टर पलविंदर को थाना डिवीजन नंबर-2 का एसएचओ बनाया गया है। सब-इंस्पेक्टर गगनदीप को थाना नंगलभूर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इंस्पेक्टर प्रीति को पुलिस कंट्रोल रूम का इंचार्ज नियुक्त किया गया है। वहीं इंस्पेक्टर अमनप्रीत कौर को वूमेन सेल का प्रभारी बनाया गया है। इंस्पेक्टर हरप्रीत कौर को ईओ विंग का मुख्य प्रभार सौंपते हुए कई अन्य सेल का अतिरिक्त दायित्व भी दिया गया है। सभी अधिकारियों को तत्काल नई तैनाती पर रिपोर्ट करने के निर्देश दिए गए हैं।

श्रद्धा व उल्लास से मनाया त्रिलोकी महादेव मंदिर गोशाल का 19वां स्थापना दिवस

धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, केलांग। त्रिलोकी महादेव शिव मंदिर गोशाल में 19वां स्थापना दिवस श्रद्धा, हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया।

स्थापना दिवस के अवसर पर मंदिर परिसर दिनभर धार्मिक अनुष्ठानों और भजन-कीर्तन से गूंजता रहा। इस पावन आयोजन में दूर-दराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भगवान शिव का आशीर्वाद लिया। त्रिलोकी महादेव मंदिर का इतिहास भी विशेष महत्व रखता है। मंदिर को छेरिंग राशपा के सौजन्य से प्रसिद्ध कलाकार एवं गोल्ड मेडलिस्ट जयंता पॉल द्वारा तैयार करवाया गया था। वर्ष 2007 में मंदिर शिव भक्तों को समर्पित किया गया था। मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा परम श्रद्धेय लला मेमे जी के कर-कमलों से संपन्न हुई थी। उनकी स्मृति में मंदिर परिसर में उनकी प्रतिमा भी स्थापित की गई है और प्रत्येक वर्ष उनकी पावन स्मृति में स्थापना दिवस का आयोजन किया जाता है। स्थापना दिवस के अवसर पर सुबह वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ भव्य



हवन का आयोजन किया गया। इसमें स्थानीय लोगों के साथ दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालुओं ने भी आहुति डालकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। इसके बाद मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव के भजनों का गुणगान करते हुए भक्तिभाव में हिस्सा लिया। पूरा मंदिर परिसर शिवमय वातावरण से सराबोर रहा। धार्मिक अनुष्ठानों की पूर्णाहुति के बाद श्रद्धालुओं के लिए विशाल लंगर लगाया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कतारों में बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में मंदिर प्रबंधन समिति और गोशाल के ग्रामीणों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जिला रेडक्रॉस सोसयटी की बैठक 7 अक्तूबर को

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। जिला रेडक्रॉस सोसायटी की विभिन्न गतिविधियों के विस्तार और आगामी योजनाओं पर चर्चा के लिए 7 अक्तूबर को बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक सुबह 11 बजे हमीर भवन में होगी। इसमें सोसाइटी के संरक्षक, आजीवन सदस्य और अन्य पदाधिकारी भाग लेंगे। उपायुक्त एवं जिला रेडक्रॉस सोसाइटी की अध्यक्ष गंधर्वा राठौड़ ने सभी संरक्षकों और आजीवन सदस्यों से बैठक में उपस्थित होने की अपील की है। उन्होंने बताया कि बैठक में सोसाइटी की ओर से संचालित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी सदस्यों को दी जाएगी। इसके अलावा आगामी कार्ययोजना पर भी विस्तार से चर्चा की जाएगी। डीसी ने कहा कि सोसायटी के कार्यों को और प्रभावी बनाने के लिए सदस्यों के सुझाव महत्वपूर्ण हैं। बैठक के दौरान उनसे महत्वपूर्ण सुझाव लिए जाएंगे, ताकि भविष्य में रैडक्रॉस की गतिविधियों को जरूरतमंद लोगों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सके।

योग विजेताओं को अंतरराष्ट्रीय सेलिंग खिलाड़ी दिनेश चौधरी ने कराया वाटर स्पोर्ट्स का अनुभव



भारतेन्दु संवाददाता, पांवटा साहिब। शहीद कमल कांत मेमोरियल राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कोटड़ी व्यास के योग खिलाड़ियों के जिला स्तर पर शानदार प्रदर्शन और राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट उपलब्धि के बाद वाटर स्पोर्ट्स क्लब रुखड़ी (नाहन) के प्रभारी एवं अंतरराष्ट्रीय सेलिंग खिलाड़ी दिनेश चौधरी ने विजेता खिलाड़ियों के सम्मान में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया।

दिनेश चौधरी ने राष्ट्रीय योग खिलाड़ी एवं कोटड़ी व्यास योग एंबेसडर अंशिका तथा जिला विजेता खिलाड़ियों प्रीतिका, कंचन, अंशिका और नैना का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने खिलाड़ियों को क्लब की विभिन्न नौकाओं में नौकायन का रोमांचक अनुभव करवाया। इसके बाद खिलाड़ियों को होटल जय क्लार्क्स एक्सोटिका के स्विमिंग पूल में समय बिताने का अवसर दिया गया। इस दौरान टी पार्टी का भी आयोजन किया गया। दिनेश चौधरी ने खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई देते हुए कहा कि कोटड़ी व्यास स्कूल लगातार जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर खेलों में नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। उन्होंने खिलाड़ियों, उनके अभिभावकों और प्रशिक्षकों को बधाई देते हुए भविष्य में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। खिलाड़ियों और एस्कॉर्ट शिक्षिका सुस्मिता ने सम्मान और सत्कार के लिए दिनेश चौधरी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि इस प्रोत्साहन से उनका मनोबल बढ़ा है और खेलों के प्रति उत्साह और अधिक मजबूत हुआ है। विद्यालय के शारीरिक शिक्षक धर्मेंद्र चौधरी ने भी दिनेश चौधरी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन उन्हें भविष्य में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों का सम्मान ही खेलों का सम्मान है।

रेडक्रॉस ने 150 दिव्यांगजनों को बांटे सहायक उपकरण



भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। जिला रेडक्रॉस सोसायटी कुल्लू की ओर से 150 दिव्यांगजनों व जरूरतमंद लोगों को सहायक उपकरण वितरित किए।

कार्यक्रम में उपायुक्त कुल्लू डॉ. अमित शर्मा और एसडीएम जयवंती ठाकुर विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव चंद्रकेश शर्मा ने उपायुक्त और एसडीएम का स्वागत किया। इस अवसर पर उपायुक्त डॉ. अमित शर्मा ने कहा कि रेडक्रॉस सोसायटी हमेशा दिव्यांग, असहाय और जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए तत्पर रहती है। इस तरह के सहायता शिविर जरूरतमंद लोगों को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एसडीएम जयवंती ठाकुर ने कहा कि रेडक्रॉस सोसायटी समय-समय पर जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए ऐसे शिविर आयोजित करती है। समाज के कमजोर वर्गों तक सहायता पहुंचाना सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रयासों से दिव्यांगजनों को दैनिक जीवन में काफी सुविधा मिलती है। रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव चंद्रकेश शर्मा ने बताया कि इससे पहले निरमंड में भी सहायता शिविर आयोजित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी जरूरतमंद लोगों की सहायता का क्रम जारी रहेगा। आगामी समय में बंजार और कुल्लू में भी शिविर लगाए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक दिव्यांगजनों और जरूरतमंद लोगों को सहायक उपकरण उपलब्ध करवाए जा सकें। कार्यक्रम में रेडक्रॉस सोसायटी के पदाधिकारी, कर्मचारी और लाभार्थी उपस्थित रहे।

विभिन्न विषयों के शिक्षकों के पांच पदों के लिए कैंपस इंटरव्यू 12 अक्तूबर को

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। जिला रोजगार कार्यालय कुल्लू में विभिन्न विषयों के शिक्षकों के पांच रिक्त पदों के लिए 12 अक्तूबर को कैंपस इंटरव्यू आयोजित किया जाएगा। जिला रोजगार अधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि डॉ. मनदीप नीट अकादमी, सरवरी होटल के पास कुल्लू में बायोलॉजी, केमिस्ट्री, जूलॉजी, फिजिक्स और मैथमेटिक्स के एक-एक पद भरे जाएंगे। इन पदों के लिए संबंधित विषय में एमएससी योग्यता अनिवार्य है। चयनित उम्मीदवारों को 15 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन मिलेगा और कार्यस्थल कुल्लू रहेगा। उम्मीदवारों की आयु 25 से 55 वर्ष के बीच निर्धारित की गई है। इच्छुक उम्मीदवार 12 अक्तूबर 2026 को सुबह 11 बजे जिला रोजगार कार्यालय कुल्लू में अपने मूल दस्तावेजों के साथ साक्षात्कार में शामिल हो सकते हैं। उम्मीदवार का नाम हिमाचल प्रदेश के किसी भी रोजगार कार्यालय में पंजीकृत होना अनिवार्य है। अपंजीकृत अभ्यर्थी ऑनलाइन पंजीकरण करवाकर भी भाग ले सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए दूरभाष नंबर 01902-222522 पर संपर्क किया जा सकता है।

स्वीट ऑरेंज किसानों को संस्थागत बाजार से मिला लाभ, 22 फीसदी अधिक मूल्य



भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। एचपी शिवा परियोजना के तहत मंडी जिले के स्वीट ऑरेंज किसानों को संस्थागत बाजार से जोड़

न्यूज ब्रीफ

पठानकोट में महिला का मोबाइल चोरी यूपीआई से 4.94 लाख रुपए उड़ाए

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। गांधी चौक में तबीयत बिगड़ने से बेहोश हुई 49 वर्षीय महिला का अज्ञात व्यक्ति मोबाइल चोरी कर ले गया। इसके बाद आरोपियों ने मोबाइल में मौजूद यूपीआई का इस्तेमाल कर उसके बैंक खाते से करीब 4.95 लाख रुपए निकाल लिए। ढांगू रोड निवासी रजनी ने बताया कि 25 तारीख को वह निजी काम से बाजार गई थी। शाम करीब 6 बजे गांधी चौक के पास अचानक चक्कर आने से वह सड़क पर गिर गई। राहगीरों ने उसकी मदद कर पानी पिलाया। होश में आने पर उसे मोबाइल चोरी होने का पता चला। महिला के अनुसार 27 तारीख से 1 तारीख के बीच आरोपियों ने अलग-अलग ट्रांजेक्शन के जरिए कुल 4,94,744 रुपए निकाल लिए। बैंक से मिले मैसेज और पड़ताल के बाद उसे ठगी का पता चला। शिकायत पर साइबर क्राइम थाना पुलिस ने 3 अक्तूबर को अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया। पुलिस साइबर सेल की मदद से आरोपी की लोकेशन और बैंक ट्रांजेक्शन की जांच कर रही है।

हिमाचल की प्रतिभाओं को मिलेगा राष्ट्रीय मंच 10 को मिस इंटरनेशनल दिवा इंडिया के ऑडिशन

भारतेन्दु संवाददाता, बद्दी। हिमाचल प्रदेश की युवतियों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलने जा रहा है। मिस इंटरनेशनल दिवा इंडिया 2026 के हिमाचल प्रदेश ऑडिशन 10 अक्तूबर को चितकारा यूनिवर्सिटी, कालूझिंडा (बद्दी) में आयोजित होंगे। आयोजन टैलेंट कलेक्टिव एंटरटेनमेंट द्वारा मायझीम ग्लोबल के सहयोग से किया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश की स्टेट डायरेक्टर डॉ. रीना शर्मा ने बताया कि ऑडिशन का उद्देश्य प्रदेश के छोटे शहरों, ग्रामीण क्षेत्रों और पहाड़ी इलाकों में छिपी प्रतिभाओं को पहचानना और उन्हें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराना है। डॉ. शर्मा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिस साउथ एशिया यूनिवर्स का खिताब भी हासिल कर चुकी हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल की बेटियों में प्रतिभा, आत्मविश्वास और आगे बढ़ने की क्षमता है। उचित मंच मिलने पर वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन कर सकती हैं। चयनित प्रतिभागियों को मिस इंटरनेशनल दिवा इंडिया 2026 के राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा और व्यक्तित्व प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने प्रदेश की इच्छुक युवतियों से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की। ऑडिशन में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों को पूर्व पंजीकरण करवाना होगा।

फरीदाबाद में हिमाचली सांस्कृतिक मिलन समारोह, लोकगीतों पर झूमे प्रवासी हिमाचली



भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। हरियाणा के फरीदाबाद में हिमाचल वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से हिमाचली सांस्कृतिक मिलन समारोह धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। सामुदायिक केंद्र के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में फरीदाबाद में रह रहे हिमाचली परिवारों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।समारोह में हिमाचल के प्रसिद्ध लोक गायक अमित मितु ने हिमाचली लोकगीतों और पहाड़ी गीतों की शानदार प्रस्तुतियां देकर ऐसा समां बांधा कि उपस्थित लोग झूमने पर मजबूर हो गए। उनकी प्रस्तुतियों से समारोह स्थल कुछ समय के लिए हिमाचल की लोक संस्कृति के रंग में रंग गया। इस दौरान विभिन्न रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। सामाजिक, कला, संस्कृति व व्यवसायिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभूतियों को हिमाचली टोपी, शाल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह में हिमाचल से आए रसोइयों द्वारा तैयार पारंपरिक हिमाचली धाम भी परोसी गई, जिसका मेहमानों ने खूब आनंद लिया। कार्यक्रम ने प्रवासी हिमाचलियों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का संदेश दिया।

जिला स्तरीय अंडर-19 मेजर खेल प्रतियोगिता में सरकाघाट स्कूल का रहा शानदार प्रदर्शन



भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। जिला स्तरीय अंडर-19 मेजर खेल प्रतियोगिता का आयोजन राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला (छात्रा), सुंदरनगर में किया गया। प्रतियोगिता में मंडी जिला के विभिन्न स्कूलों की टीमों ने भाग लिया। पीएम श्री राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सरकाघाट की छात्राओं ने विभिन्न खेल स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय की छात्राओं ने बास्केटबॉल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल कर स्वर्णिम सफलता प्राप्त की। वहीं, कराटे स्पर्धा में छात्रा अरुशी पाटियाल ने प्रथम स्थान हासिल कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। कक्षा दसवीं की छात्रा अनामिका ने बॉक्सिंग में शानदार प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान प्राप्त किया और कांस्य पदक जीता। विद्यालय की छात्राओं ने यह उपलब्धि डीपीई नरेंद्र ठाकुर के मार्गदर्शन और नेतृत्व में हासिल की। प्रतियोगिता के दौरान सपना और भावना ने एस्कॉर्ट शिक्षिकाओं के रूप में छात्राओं के साथ रहकर अपनी जिम्मेदारी निभाई। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने इस शानदार उपलब्धि पर सभी विजेता छात्राओं, डीपीई और एस्कॉर्ट शिक्षिकाओं को बधाई दी। उन्होंने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने भविष्य में भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए छात्राओं को प्रेरित किया।

सुरेश कुमार ने 17.32 करोड़ के 31 कार्यों के किए उद्घाटन व शिलान्यास

कहा- साढे तीन वर्षों में भोरंज विधानसभा क्षेत्र में लिखी गई है विकास की नई गाथा

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। विधायक सुरेश कुमार ने सोमवार को मिनी सचिवालय के निकट आयोजित एक कार्यक्रम में भोरंज विधानसभा क्षेत्र के एक साथ लगभग 17.32 करोड़ रुपए के 31 विकास कार्यों के शिलान्यास व उद्घाटन किए।



उन्होंने लगभग 16.67 करोड़ रुपए के 21 विकास कार्यों के शिलान्यास किए। इन विकास कार्यों में टिक्कर-जख्योल-मनोह सड़क के सुदृढ़ीकरण पर 9.62 करोड़ रुपए, टिक्करी मिन्हासा-गौटा सड़क के पुल पर 3.72 करोड़ रुपए, सामुदायिक भवन मनवीं 27.22 लाख, बस्सी चौक पैदल पुल 59.01 लाख रुपये, पशु चिकित्सालय भवन भोरंज 58.67 लाख, ऊना-अघार-मंडी हाईवे मरम्मत 10.61 लाख, गांव बल्ह का पार्क 4.77 लाख, महिला मंडल भवन चमयोग 9.83 लाख, जाहू में पार्क 41.34 लाख, मनोह पार्क 7.20 लाख, रेन शैल्टर टमरोह 20.50 लाख, विश्राम गृह भोरंज 23.61 लाख, विश्राम गृह जाहू संपर्क मार्ग 15 लाख, रेन शैल्टर भरेड़ी 9.44 लाख, रेन शैल्टर घराण 5.98 लाख, रेन शैल्टर मनोह 5.65 लाख, रेन शैल्टर समीरपुर 9.36 लाख, रेन शैल्टर पंजोत 9.75 लाख, रेन शैल्टर डाडू 5.98 लाख, रेन शैल्टर चंबोह 5.65 लाख और शहीद लखवीर सिंह द्वार कोट लांगसा पर 10.61 लाख रुपए खर्च होंगे। उन्होंने नगर पंचायत क्षेत्र भोरंज में स्ट्रीट लाइट्स लगाने के कार्य का शिलान्यास भी किया। विधायक ने लगभग 64.59 लाख रुपये के 10 रेन शैल्टरों व भवनों का लोकार्पण भी किया। इनमें लदरौर, पट्टा, रुठानी, बडैहर, जाहू, संगरवाड़, पार्क तलाई, बाहनवीं और बढार के नवनिर्मित रेन शैल्टर तथा प्राइमरी स्कूल मुंडखर का भवन शामिल है। इस अवसर पर सभी संबंधित क्षेत्रों एवं पंचायतों के निवासियों को बधाई देते हुए सुरेश कुमार ने कहा कि भोरंज विधानसभा क्षेत्र में पहली बार एक साथ इतनी बड़ी संख्या में विकास कार्यों के शिलान्यास एवं उद्घाटन किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि पिछले साढे तीन वर्षों के दौरान भोरंज विधानसभा क्षेत्र में विकास की एक नई गाथा लिखी गई है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने इस क्षेत्र के लिए अरबों रुपये की विकासात्मक परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की है। इससे भोरंज विधानसभा क्षेत्र पूरे प्रदेश में एक आदर्श विधानसभा क्षेत्र के रूप में उभरकर सामने आया है। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी, क्षेत्र की पंचायतीराज संस्थाओं के जनप्रतिनिधि और अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित थे।

चनालमाजरा तालाब में युवक की हत्या का मामला, महाराष्ट्र से 4 आरोपी काबू



भारतेन्दु संवाददाता, बद्दी। पुलिस थाना मानपुरा के तहत चनालमाजरा क्षेत्र के एक तालाब में युवक का शव मिलने के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को महाराष्ट्र के जलगांव जिले से गिरफ्तार किया है।

पुलिस की इस कार्रवाई को मामले में बड़ी सफलता माना जा रहा है। पुलिस के अनुसार 30 सितंबर को चनालमाजरा निवासी उमेश कुमार ने अपने भाई मुकेश कुमार के 28 सितंबर से लापता होने की शिकायत मानपुरा थाना में दर्ज करवाई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर युवक की तलाश शुरू की। जांच के दौरान चनालमाजरा स्थित एक तालाब से मुकेश कुमार का शव बरामद हुआ। शव पर चोट के निशान पाए जाने के बाद पुलिस ने हत्या की आशंका को देखते हुए मामले में हत्या की धारा जोड़ी और विशेष जांच टीम गठित की। जांच टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और अन्य सुरागों के आधार पर आरोपियों की पहचान की। इसके बाद मानपुरा पुलिस ने महाराष्ट्र पुलिस के सहयोग से जलगांव के शनिपेठ क्षेत्र में दबिश देकर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों को जलगांव न्यायालय से ट्रांजिट रिमांड पर लेकर नालागढ़ न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें चार दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस रिमांड के दौरान आरोपियों से हत्या के कारणों, वारदात में उनकी भूमिका और अन्य साक्ष्यों को लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधीक्षक बद्दी विनोद धीमान ने बताया कि मामले की जांच की लगातार समीक्षा की जा रही है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर निष्पक्ष एवं गहन जांच सुनिश्चित की जा रही है।

चिल्ड्रन साइंस कांग्रेस में तृमा स्कूल के 11 विद्यार्थी जिला स्तर के लिए चयनित

भारतेन्दु संवाददाता, चलवाड़ा। तृमा पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल चलवाड़ा के 11 विद्यार्थियों का चयन चिल्ड्रन साइंस कांग्रेस की जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है।



विद्यार्थियों ने जोनल स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने वर्ग में प्रथम स्थान हासिल कर जिला स्तर के लिए जगह बनाई। जूनियर वर्ग में आरोही मन्हास, रिद्धि ठाकुर, मानवी और आराध्या का चयन हुआ है। सेकेंडरी वर्ग में सचित शर्मा, हर्षित, पार्थ गुलेरिया और प्रियांश ने सफलता हासिल की। वहीं सीनियर सेकेंडरी वर्ग में रितिश चौधरी, अवनी शर्मा और कार्तिक शर्मा जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित हुए हैं। विद्यार्थियों ने अपनी वैज्ञानिक सोच, निरंतर अभ्यास और कड़ी मेहनत के दम पर यह उपलब्धि हासिल की है। उनकी सफलता से विद्यालय परिसर में खुशी और उत्साह का माहौल है। विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन करने के साथ अपने अभिभावकों और शिक्षकों को भी गौरवान्वित किया है। विद्यालय के चेयरमैन वरिंद्र नरियाल और प्रधानाचार्य राकेश राणा ने सभी चयनित विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत, लगन, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय प्रबंधन ने चयनित विद्यार्थियों के अभिभावकों और मार्गदर्शक शिक्षकों को भी बधाई दी। प्रबंधन ने उम्मीद जताई कि विद्यार्थी जिला स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे।

ठिल्ले देचेन बनीं लाहौल-स्पीति जिला परिषद की अध्यक्ष

भारतेन्दु संवाददाता, केलांग। लाहौल-स्पीति जिला परिषद के अध्यक्ष पद पर ठिल्ले देचेन के निर्वाचित होने पर पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रवि ठाकुर ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। रवि ठाकुर ने कहा कि ठिल्ले देचेन का जिला परिषद अध्यक्ष निर्वाचित होना लाहौल-स्पीति के लिए खुशी का अवसर है। उन्होंने उम्मीद जताई कि नई अध्यक्ष अपने दायित्व का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ करेंगी तथा जिला परिषद के माध्यम से क्षेत्र के विकास और जनहित से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देंगी। उन्होंने कहा कि जिला परिषद ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। नई अध्यक्ष के नेतृत्व में विकास कार्यों को गति मिलने के साथ जनहित से जुड़े विषयों को प्रभावी ढंग से उठाए जाने की उम्मीद है। रवि ठाकुर ने ठिल्ले देचेन के सफल कार्यकाल की कामना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।



12 अक्तूबर को जेपी नड्डा रखेंगे आईसीएमआर परियोजना की आधारशिला

भारतेन्दु संवाददाता, केलांग। पूर्व विधायक व भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रवि ठाकुर ने कहा कि लाहौल-स्पीति के विकास और जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को भाजपा लगातार केंद्र सरकार के समक्ष उठाती रही है।



उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू के प्रयासों से क्षेत्र के विकास के लिए बजट में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी हुई है, जिसका लाभ विभिन्न विकास कार्यों के रूप में लोगों को मिल रहा है। रवि ठाकुर ने बताया कि वर्ष 2015 से प्रस्तावित भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) परियोजना के लिए भूमि चिन्हित की जा चुकी है। अब इस महत्वाकांक्षी परियोजना की आधारशिला रखने के लिए केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का 12 अक्टूबर को लाहौल-स्पीति दौरा प्रस्तावित है। इससे पहले खराब मौसम के कारण उनका निर्धारित दौरा स्थगित करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि आईसीएमआर परियोजना के धरातल पर आने से लाहौल-स्पीति में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को नई दिशा मिलेगी। इसका लाभ स्थानीय लोगों के साथ पांगी-भरमौर क्षेत्र से आने वाले लोगों तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात सेना के जवानों और अधिकारियों को भी मिल सकेगा।

रवि ठाकुर ने कहा कि परियोजना से क्षेत्र में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के विकास को गति मिलेगी और लोगों को उपचार के लिए दूरदराज के क्षेत्रों पर निर्भरता कम होगी। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों से 12 अक्तूबर को अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में पहुंचने और इसे सफल बनाने में सहयोग देने का आह्वान किया।

री-रडोह खड्ड में डूबने से 48 वर्षीय व्यक्ति की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, झंडूता। उपमंडल झंडूता के तहत री-रडोह खड्ड में नहाते समय पैर फिसलने से 48 वर्षीय व्यक्ति की डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान मुनीष शर्मा पुत्र रतन लाल शर्मा, निवासी गांव डूहक, डाकघर सुन्हाणी, तहसील झंडूता के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार मुनीष शर्मा अपने परिजनों और दोस्तों के साथ री-रडोह खड्ड में नहाने गए थे। इसी दौरान अचानक पैर फिसलने से वह गहरे पानी में चले गए और डूब गए। मौके पर मौजूद साथियों ने उन्हें तुरंत पानी से बाहर निकाला और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झंडुता पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर झंडूता थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए क्षेत्रीय अस्पताल बिलासपुर भेज दिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सात दिवसीय एनएसएस शिविर में स्वच्छता नशा मुक्ति व पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश



भारतेन्दु संवाददाता, सोलन। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन समारोह उत्साह और गरिमापूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। शिविर का उद्देश्य स्वयंसेवकों में सामाजिक सेवा, अनुशासन, स्वच्छता, नशा मुक्ति, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना रहा।

समापन समारोह की शुरुआत एनएसएस स्वयंसेवकों की परेड और मार्च-पास्ट से हुई। इसके बाद एनएसएस प्रभारी रजनी ठाकुर ने शिविर के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने विद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। स्वयंसेवकों ने नशे के दुष्प्रभाव, व्यक्तिगत स्वच्छता, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे विषयों पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभाई। इस दौरान गीत, नृत्य, भाषण और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या अल्पा मलिक शर्मा ने शिविर के सफल आयोजन पर स्वयंसेवकों और कार्यक्रम अधिकारियों को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि एनएसएस विद्यार्थियों में सेवा, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने छात्राओं से शिविर में सीखे मूल्यों को अपने दैनिक जीवन में अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने एनएसएस के मूल मंत्र 'मैं नहीं, आप' को जीवन में उतारने की प्रेरणा दी।

जंगल और वन्यजीव बचाने के संदेश के साथ दौड़ा हमीरपुर

वन विभाग व वन्यजीव विभाग के संयुक्त सहयोग से जिले की सभी रेंजों में 75वां वन्यजीव सप्ताह

सुरेंद्र कटोच, हमीरपुर। जंगल केवल पेड़ों का समूह नहीं, बल्कि हजारों जीव-जंतुओं का घर हैं। इन्हीं प्राकृतिक आवासों और वन्यजीवों को सुरक्षित रखने का संदेश लेकर हमीरपुर में 75वां वन्यजीव सप्ताह मनाया जा रहा है।

वन विभाग व वन्यजीव विभाग के संयुक्त सहयोग से आयोजित इस सप्ताहभर के अभियान में लोगों, विद्यार्थियों और युवाओं को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से वन्यजीव संरक्षण तथा जंगलों के महत्व के प्रति जागरूक किया जा रहा है। वन्यजीव सप्ताह के तहत सोमवार को केवी स्कूल हमीरपुर के समीप मिनी मैराथन का आयोजन किया गया। इसमें प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ दौड़ लगाकर वन्यजीव संरक्षण का संदेश दिया। मैराथन का उद्देश्य युवाओं को पर्यावरण और वन्यजीव संरक्षण से जोड़ने के साथ आमजन में यह जागरूकता पैदा करना रहा कि प्राकृतिक आवास सुरक्षित होंगे तभी वन्यजीवों का अस्तित्व भी सुरक्षित रह सकेगा।



प्रतियोगिता के समापन पर विजेता प्रतिभागियों को ट्रॉफी और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। खास बात यह है कि वन्यजीव सप्ताह की गतिविधियां केवल हमीरपुर शहर तक सीमित नहीं हैं। जिले की सभी वन रेंजों में सप्ताहभर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इनके माध्यम से स्थानीय लोगों और विद्यार्थियों को जंगलों, वन्यजीवों तथा जैव विविधता के संरक्षण से जोड़ा जा रहा है। वन विभाग और वन्यजीव विभाग का जोर जनभागीदारी बढ़ाने पर है, ताकि वन्यजीव संरक्षण केवल सरकारी स्तर का अभियान न रहकर समाज की सामूहिक जिम्मेदारी बने। सप्ताह के दौरान वन्यजीवों और उनके प्राकृतिक आवासों से संबंधित जागरूकता गतिविधियों के साथ विद्यार्थियों और युवाओं की भागीदारी को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। रचनात्मक प्रतियोगिताओं और प्रकृति आधारित गतिविधियों के जरिए हिमाचल की प्राकृतिक संपदा के प्रति संवेदनशीलता पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है। वन्यजीवों के संरक्षण के लिए जंगलों को आग, अवैध कटान, कूड़ा-कचरा और अन्य मानवीय दबावों से बचाना जरूरी है। ऐसे में वन्यजीव सप्ताह लोगों को अपनी जिम्मेदारी समझने और प्रकृति के साथ संतुलित व्यवहार अपनाने का अवसर भी दे रहा है। 8 अक्तूबर तक चलने वाले इस अभियान का मूल संदेश साफ है जंगल बचेंगे, तो वन्यजीव बचेंगे और वन्यजीव बचेंगे तो पर्यावरण का संतुलन कायम रहेगा।

वन्यजीव सप्ताह के तहत विभिन्न गतिविधियों से लोगों को जंगलों और वन्यजीवों के संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। मिनी मैराथन के माध्यम से भी संरक्षण का संदेश दिया गया।

अंकित कुमार सिंह, डीएफओ हमीरपुर।

जिले की सभी रेंजों में वन विभाग व वन्यजीव विभाग के संयुक्त सहयोग से विभिन्न कार्यक्रम हो रहे हैं। स्थानीय जनता का भी अच्छा सहयोग मिल रहा है।

रेजिनाल्ड रॉयस्टन, डीएफओ वन्यजीव हमीरपुर।

बाल दिवस मेला मांझू के लिए कमेटी गठित, कर्मचंद बने अध्यक्ष



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। उपमंडल अर्की की ग्राम पंचायत पलोग के प्रसिद्ध बाल दिवस मेला मांझू की तैयारियों को लेकर श्री देव कुरगण मंदिर, मांझू के प्रांगण में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में इस वर्ष 13 और 14 नवंबर को होने वाले मेले के सफल आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। ग्रामवासियों की सर्वसम्मति से नई मेला कमेटी का गठन किया गया। बैठक की अध्यक्षता समाजसेवी बाबू राम शर्मा ने की। उपस्थित ग्रामीणों ने सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य कर्मचंद शर्मा को मेला कमेटी का अध्यक्ष चुना। वहीं पुरुषोत्तम दास शर्मा को उपाध्यक्ष, मेहर चंद चौहान को सचिव और भारतेन्दु शर्मा को सह-सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा रघुवीर सिंह को मुख्य सलाहकार, रमेश कुमार शर्मा को कोषाध्यक्ष, बाबू राम शर्मा को लेखा निरीक्षक तथा संतोष छेत्री को खेल निरीक्षक नियुक्त किया गया। बैठक में मेले के आयोजन को भव्य और व्यवस्थित बनाने के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। मेला कमेटी के पदाधिकारियों ने क्षेत्रवासियों से मेले को सफल बनाने के लिए सहयोग और सहभागिता की अपील की। उन्होंने कहा कि बाल दिवस मेला क्षेत्र की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण मंच है। मेले को यादगार बनाने के लिए सभी ग्रामीण मिल-जुलकर प्रयास करेंगे। बाल दिवस मेला मांझू का आयोजन 13 और 14 नवंबर 2026 को श्री देव कुरगण मंदिर परिसर, मांझू में किया जाएगा। बैठक में पूर्व मेला प्रधान वेद प्रकाश चौहान, ज्ञानचंद शर्मा, गोपाल शर्मा, प्रेमलाल भार्गव, चमन सिंह चौहान, राजेश कुमार, महेंद्र बिष्ट, लक्की सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

कार्रवाई डीसी ने नशा विरोधी अभियान तेज करने के दिए निर्देश, स्कूल-पंचायतों में बढ़ेगी जागरूकता

नशे पर शिकंजा: मंडी में 9 माह में 410 आरोपी गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। जिला स्तरीय नार्को समन्वय केंद्र (एनसीओआरडी) समिति की समीक्षा बैठक सोमवार को पुलिस लाइन सभागार में आयोजित हुई।



बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त अपूर्व देवगन ने की। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियानों को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समाज की सक्रिय भागीदारी भी जरूरी है। उपायुक्त ने स्कूलों और ग्राम पंचायत स्तर पर जागरूकता गतिविधियों को व्यापक बनाने तथा पुलिस की नाकाबंदी और गश्त मजबूत करने पर जोर दिया। जिला पुलिस और ड्रग निरीक्षक के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान और जरूरत के अनुसार संयुक्त कार्रवाई जारी रखने के निर्देश भी दिए गए। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि 1 जनवरी से 30 सितंबर 2026 तक मंडी जिले में एनडीपीएस एक्ट के तहत 256 मामले दर्ज कर 410 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इनमें 391 पुरुष और 19 महिलाएं शामिल हैं। इस दौरान चिट्टा/हेरोइन के 87, चरस के 133, अफीम व अफीम डोडा के 7 और प्रतिबंधित दवाओं/एमडीएमए आदि के 11 मामले दर्ज किए गए। अवैध अफीम, पोस्त और भांग की खेती से जुड़े 18 मामलों में भी कार्रवाई की गई। अगस्त में एनडीपीएस के 23 मामले दर्ज हुए, जिनमें 12 चिट्टा से संबंधित थे। इस दौरान 57.05 ग्राम चिट्टा, 4.626 किलोग्राम चरस और 60.728 किलोग्राम अफीम डोडा बरामद किया गया। सितंबर में 26 मामले दर्ज हुए, जिनमें 8 चिट्टा से जुड़े थे। इस दौरान 87.69 ग्राम चिट्टा, 2.649 किलोग्राम चरस, 1.185 किलोग्राम अफीम डोडा और 937 ग्राम भुक्की जब्त की गई।

बैठक में वित्तीय जांच और संपत्ति कुर्की की भी समीक्षा की गई। वर्ष 2026 में वित्तीय जांच के 62 मामले लंबित हैं। वर्ष 2025 से 30 सितंबर 2026 तक छह मामलों में आरोपियों की करीब 61.30 लाख रुपये की संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई की गई। एक अन्य मामले में 60 लाख रुपए से अधिक की संपत्ति कुर्क करने की प्रक्रिया लंबित है। मंडी पुलिस ने पीआईटी एनडीपीएस एक्ट के तहत अब तक 34 मामले एडवाइजरी बोर्ड को भेजे हैं।

इनमें इस वर्ष 25 मामले शामिल हैं और छह आरोपियों के निरोध आदेश जारी हुए हैं। बैठक में शिक्षा विभाग की ओर से विद्यार्थियों के लिए भाषण, नारा लेखन, चित्रकला, शपथ, रैली और स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। पधर क्षेत्र में भांग की अवैध खेती नष्ट करने के लिए पुलिस और वन विभाग का अभियान भी जारी है। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त प्रियांशु खाती, वन अरण्यपाल टी. वेंकटेशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु वर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

कांग्रेस की मासिक बैठक में लोकतंत्र बचाने के लिए एकजुट होने का आह्वान



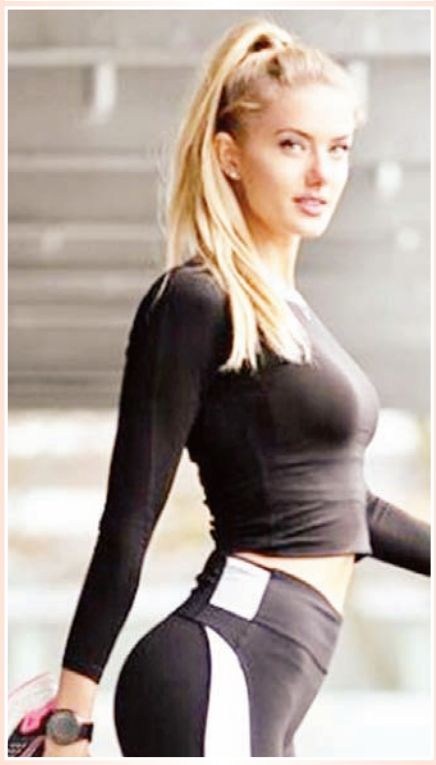
भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। कोहाला में ब्लॉक कांग्रेस कांगड़ा की मासिक बैठक ब्लॉक अध्यक्ष नागेश्वर मनकोटिया की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

बैठक में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष एवं प्रभारी सतपाल रायजादा और विवेक कुमार ने विशेष रूप से शिरकत की। पूर्व विधायक सुरेंद्र काकू, एपीएमसी अध्यक्ष नीशू मोंगरा और शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. राजेश शर्मा भी मौजूद रहे। बैठक में चारों जोन अध्यक्ष प्रवीण शर्मा, कुलदीप राणा, राजेश कुमार और रीता मनकोटिया सहित उनकी कमेटियों तथा ब्लॉक कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने भाग लिया। सतपाल रायजादा ने मतदाता सूची और कथित 'वोट चोरी' के मुद्दे पर कार्यकर्ताओं को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी अकेले नहीं हैं, बल्कि देशभर के युवा संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए आवाज उठा रहे हैं।

उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया। ब्लॉक अध्यक्ष नागेश्वर मनकोटिया ने सभी पदाधिकारियों की उपस्थिति दर्ज की और हर मासिक बैठक में नियमित रूप से शामिल होने तथा संगठन को मजबूत करने की अपील की। इस दौरान पंचायत समिति मटौर की ज्योति ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। वहीं करण शर्मा को कांगड़ा शहरी कांग्रेस अध्यक्ष नियुक्त किया गया। विभिन्न पंचायतों के प्रधानों ने भी बैठक में हिस्सा लिया और गांव-गांव तक कांग्रेस के संदेश को पहुंचाने पर सहमति जताई। बैठक में जिला कांग्रेस के कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता और जिला पार्षद ईशांत चौधरी मौजूद रहे।

दुनिया की सबसे सुंदर महिला एथलीट

जर्मनी की एथलीट एलिसिया स्मिट एक खूबसूरत धावक हैं। 27 दिसंबर 1998 को जन्मीं एलिसिया स्मिट दुनिया की सबसे जानी पहचानी रनर्स में शुमार हैं। वें 200 मीटर और 800 की भी रेस में हिस्सा लेती हैं। ऑस्ट्रेलिया मैगजीन बस्टेड कवरेज ने इन्हें दुनिया की सबसे सुंदर महिला एथलीट का खिताब दिया था।



स्पोर्ट्स विंडो

भारत-उरुग्वे मैच के टिकट 90% तक सस्ते, 1,999 का टिकट 99 रुपए में

एजेंसी, कोलकाता। ब्राजील मैच में खाली सीटें देख आयोजकों ने उरुग्वे मैच के टिकट सस्ते कर दिए है। भारत-उरुग्वे मैच कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में खेला जाएगा। 6 अक्टूबर को होने वाले फ्रेंडली मैच के लिए कुछ टिकटों की कीमत में 90% तक कटौती की गई है। सी2 लेफ्ट और 2 राइट ब्लॉक का टिकट 1,999 से घटाकर सिर्फ 99 रुपए कर दिया गया है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने रविवार को सोशल मीडिया पर टिकट के नए रेट जारी किए। आयोजकों का लक्ष्य उरुग्वे के खिलाफ मैच में स्टेडियम की खाली सीटें भरना और ज्यादा दर्शकों को मैदान तक लाना है। बता दें कि 3 अक्टूबर को भारत और ब्राजील के बीच मुकाबला साल्ट लेक स्टेडियम में खेला गया था। करीब 85 हजार दर्शकों की क्षमता वाले स्टेडियम में 51 हजार से कुछ ज्यादा दर्शक पहुंचे थे। ब्राजील की टीम में विनिसियस जूनियर, गेब्रियल मैगलहेस और मार्क्विनहोस जैसे स्टार खिलाड़ी होने के बावजूद कई ब्लॉक खाली नजर आए थे। ब्राजील ने भारतीय टीम को इस मुकाबले में 4-0 से हराया था। भारत के खिलाफ 6 अक्टूबर को होने वाले मुकाबले के लिए उरुग्वे की टीम 30 सितंबर को ही कोलकाता पहुंच गई थी।

शिखर धवन ने पत्नी सोफी शाइन संग तिरुमला मंदिर में की पूजा-अर्चना



एजेंसी, तिरुपति। पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन सोमवार को पत्नी सोफी शाइन के साथ तिरुमला मंदिर पहुंचे। दोनों ने भगवान श्री वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। आंध्र प्रदेश के तिरुपति में धवन और सोफी पारंपरिक कपड़ों में मंदिर पहुंचे। धवन ने भक्तों से मुलाकात की और फैंस के साथ तस्वीरें भी खिंचाईं। धवन और सोफी ने 21 फरवरी 2026 को शादी की थी। दर्शन के बाद धवन ने मीडिया से कहा कि मंदिर प्रशासन ने बहुत अच्छी व्यवस्थाएं की थीं। उन्होंने भगवान तिरुपति के अच्छे दर्शन के लिए आभार जताया। धवन ने कुर्ता और धोती पहनी थी। सोफी सफेद सूट में नजर आईं। दर्शन के बाद धवन ने कहा, मेरा दर्शन बहुत शानदार रहा। यहां प्रशासन ने बहुत अच्छी व्यवस्थाएं की थीं। भगवान तिरुपति के इतने अच्छे दर्शन पाकर मैं बहुत आभारी हूं।

न्यू चंडीगढ़ वनडे में स्लो ओवर-रेट पर भारत और वेस्ट इंडीज पर जुर्माना

एजेंसी, नई दिल्ली। न्यू चंडीगढ़ में शनिवार को भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेले गए तीसरे और आखिरी वनडे में स्लो ओवर-रेट के लिए आईसीसी ने दोनों टीमों पर जुर्माना लगाया है। भारतीय खिलाड़ियों की मैच फीस का 20% और वेस्टइंडीज खिलाड़ियों की मैच फीस का 10% काटा जाएगा। टाइम अलाउंस को ध्यान में रखने के बाद भारत 4 ओवर और वेस्टइंडीज 2 ओवर पीछे रही। आईसीसी के खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के लिए आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के मुताबिक, तय समय में ओवर पूरे नहीं करने पर हर कम ओवर के लिए खिलाड़ियों की मैच फीस का 5% जुर्माना लगाया जाता है। इसी नियम के तहत भारत पर 4 ओवर कम करने के लिए 20% और वेस्टइंडीज पर 2 ओवर कम करने के लिए 10% जुर्माना लगाया गया। दोनों कप्तानों ने आरोप स्वीकार कर प्रस्तावित सजा मान ली। इसलिए मामले में औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। स्लो ओवर-रेट के चार्ज ऑन-फील्ड अंपायर जयरामन मदनगोपाल और सैम नोगाज्स्की ने लगाए।

क्रिकेट : न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारतीय टीम का इस हफ्ते हो सकता है ऐलान

प्रज्ञान ओझा चुन सकते हैं टीम, चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर का कार्यकाल समाप्त

एजेंसी, नई दिल्ली

न्यूजीलैंड दौरे पर जाने वाली भारतीय क्रिकेट टीम का ऐलान इस हफ्ते हो सकता है। प्रज्ञान ओझा 5 से 11 अक्टूबर के बीच होने वाली सिलेक्शन मीटिंग की अगुवाई करेंगे। वे सितंबर 2025 में टीम इंडिया के सिलेक्टर बने थे। चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर का कार्यकाल 4 अक्टूबर को समाप्त हो चुका है। बीसीसीआई ने अभी तक उनका उत्तराधिकारी तय नहीं किया है।

न्यूजीलैंड दौरा 22 अक्टूबर से शुरू होगा। वहां टीम इंडिया को पांच टी20 पांच वनडे और दो टेस्ट खेलने हैं। नए चयनकर्ता की नियुक्ति तक समिति चार सदस्यों के साथ काम करेगी। लगभग डेढ़ महीने लंबे इस दौरे में भारतीय टीम को तीनों प्रारूपों में कड़ी टक्कर देनी है। 5 मैचों की 20टी सीरीज 22 अक्टूबर से 1 नवंबर तक। 5 मैचों की वनडे सीरीज 4 नवंबर से 15 नवंबर तक और 2 मैचों की टेस्ट सीरीज 19 नवंबर से 1 दिसंबर तक खेली जाएगी। फिलहाल भारतीय टी20 टीम लखनऊ में मौजूद है, जहां 6 अक्टूबर, मंगलवार से वेस्टइंडीज के खिलाफ 5 मैचों की घरेलू टी20 सीरीज का पहला मुकाबला खेला जाना है। वेस्टइंडीज सीरीज के तुरंत बाद भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के लिए रवाना होना है, जिसके लिए अगले हफ्ते बीसीसीआई द्वारा आधिकारिक तौर पर भारतीय खिलाड़ियों के नामों का ऐलान कर दिया जाएगा।

ओझा की भूमिका अस्थायी या स्थायी, साफ नहीं



क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रज्ञान ओझा अगरकर के बाद पहली चयन बैठक की जिम्मेदारी संभालेंगे। वे अंतरिम तौर पर चयन समिति के प्रमुख की भूमिका में होंगे। हालांकि, यह साफ नहीं है कि उनकी भूमिका अस्थायी होगी या स्थायी। बीसीसीआई की पांच सदस्यीय चयन समिति में नए चयनकर्ता की नियुक्ति तक चार सदस्य रहेंगे। सिलेक्टर्स न्यूजीलैंड दौरे की तीनों सीरीज के लिए मजबूत टीमें चुन सकते हैं। 5 मैचों की वनडे सीरीज भारत को वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी में मदद करेगी।

आकाशदीप व मुकेश कुमार की वापसी संभव

तेज गेंदबाज आकाशदीप और मुकेश कुमार की न्यूजीलैंड दौरे से टेस्ट टीम में वापसी हो सकती है। बंगाल से खेलने वाले दोनों पेसर्स ने ईरानी कप में 14 विकेट लेकर अपनी दावेदारी पेश की है। रेस्ट ऑफ इंडिया की 167 रन की जीत में आकाशदीप ने 6 और मुकेश कुमार ने 8 विकेट लिए।

हेड कोच गौतम गंभीर का रहेगा अहम रोल



चयन समिति की इस आगामी बैठक में भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर भी शामिल होंगे। गंभीर चयनकर्ताओं को न्यूजीलैंड की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों, पिचों के मिजाज, खिलाड़ियों की हालिया फिटनेस स्थिति और वर्कलोड मैनेजमेंट को ध्यान में रखते हुए अपने इनपुट्स सौंपेंगे। बीसीसीआई सूत्रों के अनुसार, चयनकर्ता 22 अक्टूबर से शुरू हो रहे 45 दिनों के इस लंबे दौरे को ध्यान में रखते हुए एक संतुलित और मजबूत टीम चुनना चाहते हैं, जिससे तीनों ही सीरीज में भारत अपनी बेस्ट प्लेइंग-11 मैदान पर उतार सके।

रणजी ट्रॉफी में लौटेंगे पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव

एजेंसी, मुंबई। पूर्व भारतीय टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव 2026-27 रणजी ट्रॉफी में मुंबई के लिए खेलने के लिए उपलब्ध हैं। वे मुंबई के पहले एलीट ग्रुप डी मैच में चंडीगढ़ के खिलाफ खेल सकते हैं। मुंबई और चंडीगढ़ के बीच यह मुकाबला 11 अक्टूबर से मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में होगा। सूर्यकुमार ने आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच आईपीएल 2026 में खेला था। वहीं, पूर्व मुंबई कप्तान शार्दूल ठाकुर हाथ की चोट के कारण शुरुआती कुछ मैचों में नहीं खेल पाएंगे। उनकी गैरमौजूदगी में तुषार देशपांडे मुंबई के तेज गेंदबाजी अटैक की अगुआई करेंगे। सूर्यकुमार ने फरवरी 2025 में नागपुर में विदर्भ के खिलाफ मुंबई के लिए आखिरी रणजी मैच खेला था। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, उन्होंने घरेलू रेड-बॉल टूर्नामेंट के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि कर दी है। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के एक सूत्र ने टाइम्स ऑफ इंडिया से कहा, सूर्या ने एमसीए अध्यक्ष अजिंक्य नाइक को आगामी रणजी ट्रॉफी के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि की है। सूर्यकुमार ने अब तक 86 फर्स्ट-क्लास मैच खेले हैं। उनके नाम 5,758 रन हैं। उन्होंने 144 पारियों में 14 शतक और 30 अर्धशतक लगाए हैं। उनका बल्लेबाजी औसत 42.33 है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद सिलेक्शन कमेटी ने उन्हें कप्तानी से हटा दिया और श्रेयस अय्यर को नया कप्तान बनाया। यहां तक आयरलैंड, इंग्लैंड, जिम्बाब्वे, अफगानिस्तान और जापान सीरीज की टीमों में भी उन्हें शामिल नहीं किया गया। सिलेक्टर्स ने उनके खराब फॉर्म को वजह बताया।

लाबुशेन ने 11 माह बाद लगाया शतक

एजेंसी, मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के नंबर-3 बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन ने करीब 11 महीने बाद शतक लगाकर फॉर्म में वापसी के संकेत दिए हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम साउथ अफ्रीका दौरे पर है और उसे 9 अक्टूबर से पहला टेस्ट खेलना है। इससे पहले पोटचेफस्ट्रूम में क्रिकेट साउथ अफ्रीका इनविटेशनल इलेवन के खिलाफ लाबुशेन ने 89 गेंद पर 111 रन की पारी खेली। उन्होंने 76 गेंद पर शतक पूरा किया और 19 चौके लगाए। लाबुशेन ने करीब 11 महीने से किसी भी फॉर्मेट में शतक नहीं लगाया था। लाबुशेन ने आखिरी इंटरनेशनल टेस्ट शतक जुलाई 2023 में इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में लगाया था।



धारकंडी की हिमानी का बीसीसीआई अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम में चयन

एजेंसी, हिमाचल

शाहपुर। धारकंडी क्षेत्र की होनहार बेटी हिमानी शर्मा ने अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम में जगह बनाई है। उनकी इस उपलब्धि से शाहपुर के धारकंडी क्षेत्र सहित पूरे हिमाचल प्रदेश में खुशी की लहर है। हिमानी शर्मा ग्राम पंचायत दरिणी के पूर्व प्रधान राजेंद्र कुमार शर्मा की बेटी हैं। क्रिकेट के प्रति उनके जुनून, निरंतर अभ्यास और कड़ी मेहनत ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है। इससे पहले हिमानी हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) की अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम का भी हिस्सा रह चुकी हैं। अब बीसीसीआई की टीम में चयन उनके क्रिकेट करियर की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। बेटी की सफलता पर पिता राजेंद्र कुमार शर्मा ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि हिमानी ने अपनी मेहनत और लगन से परिवार के साथ पूरे धारकंडी क्षेत्र का नाम रोशन किया है।



बीबीएल खेलने के लिए ब्रेसवेल ने छोड़ा सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट

एजेंसी, वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर माइकल ब्रेसवेल ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग (बीबीएल) में खेलने का मौका तलाश रहे हैं। इसके लिए उन्होंने अपनी नेशनल क्रिकेट टीम के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट को छोड़ दिया है। वे 2026-26 सीजन में टीम के साथ कैजुअल कॉन्ट्रैक्ट पर रहेंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट (ने सोमवार को इस बात की पुष्टि की है। बोर्ड ने बताया कि ब्रेसवेल की जगह निक केली को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में शामिल किया गया है। 33 साल के केली को पहला नेशनल कॉन्ट्रैक्ट मिला है। कैजुअली कॉन्ट्रैक्ट वाले खिलाड़ियों में ब्रेसवेल के साथ फिन एलन, मार्क चैपमैन, लॉकी फर्ग्यूसन, एडम मिल्ने और टिम सीफर्ट भी शामिल हैं।

पहले टी20 से पहले वेस्टइंडीज ने मांगा एक्स्ट्रा नारियल पानी

एजेंसी, इंदौर

- इंदौर में 11 अक्टूबर को भारत से टी-20 मुकाबला

इंदौर के होलकर स्टेडियम में 11 अक्तूबर को भारत और वेस्टइंडीज के बीच होने वाले टी-20 मुकाबले की तैयारियां तेज हो गई हैं। मैच से पहले दोनों टीमों के खिलाड़ियों की डाइट, हाइड्रेशन और रिकवरी का खास ध्यान रखा जा रहा है। इसी बीच वेस्टइंडीज टीम ने इंदौर में नारियल पानी का एक्स्ट्रा स्टॉक रखने की विशेष मांग की है।

वेस्टइंडीज टीम के मैनेजर ने मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन से फोन पर एक्स्ट्रा नारियल पानी उपलब्ध रखने का आग्रह किया है। मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के सीईओ रोहित पंडित के मुताबिक, खिलाड़ियों के लिए सामान्य तौर पर नारियल पानी की व्यवस्था रहती है, लेकिन इस बार वेस्टइंडीज टीम ने इसकी अतिरिक्त उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा है।

वेजेटेरियन मेन्यू पर भी ज्यादा जोर

दोनों टीमों के खिलाड़ियों की पसंद और जरूरत के अनुसार भोजन की व्यवस्था की जा रही है। डाइट में वेजेटेरियन विकल्प ज्यादा रखे गए हैं। खिलाड़ियों की फिटनेस और मैच के बाद रिकवरी को ध्यान में रखते हुए खान-पान तैयार किया जाएगा।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की बातचीत निर्णायक मोड़ पर पहुंची

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते को लेकर जारी बातचीत अब कठिन दौर में पहुंचती दिखाई दे रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि दोनों देशों के बीच वार्ता अभी जारी है, लेकिन ऐसे बिंदु पर पहुंच गई है जहां एक-दूसरे को अतिरिक्त रियायत देना आसान नहीं होगा। पांच अक्टूबर को नई दिल्ली में आयोजित म्यूनिख लीडर्स मीटिंग में उन्होंने कहा कि यदि आगे बढ़ने की कोई गुंजाइश है तो दोनों पक्ष उसे तलाश सकते हैं।

उन्होंने मौजूदा प्रस्ताव को लंबे और गंभीर विचार-विमर्श का परिणाम बताया। भारत और अमेरिका के बीच व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत फरवरी 2025 में शुरू हुई थी। फरवरी 2026 में दोनों देशों ने अंतरिम व्यापार समझौते का ढांचा भी घोषित किया था, जिसमें शुल्क में कमी, गैर-शुल्क बाधाओं को घटाने, बाजार पहुंच बढ़ाने और आपूर्ति श्रृंखला में सहयोग जैसे मुद्दे शामिल थे। हालांकि, कई अहम विषय अब भी लंबित हैं।

- ट्रेड डील पर भारत का रुख स्पष्ट, अतिरिक्त रियायत देना मुश्किल

वित्त मंत्री ने व्यापार असंतुलन दूर करने के लिए शुल्क को हथियार की तरह इस्तेमाल किए जाने पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि व्यापार समझौतों का उद्देश्य केवल बाजार खोलना नहीं, बल्कि आपूर्ति श्रृंखला मजबूत करना, नए कारोबारी साझेदार बनाना और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना भी होना चाहिए।

रिलायंस और 7-इलेवन की पांच साल पुरानी साझेदारी खत्म



एजेंसी, नई दिल्ली

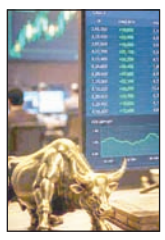
देश के दिग्गज कारोबारी समूह रिलायंस इंडस्ट्रीज की खुदरा इकाई रिलायंस रिटेल और जापानी कंपनी 7-इलेवन के बीच भारत में चल रही साझेदारी अब खत्म होने की ओर है। दोनों कंपनियों ने करीब पांच साल पहले भारत में 7-इलेवन के सुविधा स्टोर संचालित करने के लिए फ्रैंचाइजी समझौता किया था। रिपोर्ट के मुताबिक, अपेक्षित मुनाफा नहीं होने के कारण इस साझेदारी को समाप्त करने का फैसला किया गया है। इसके तहत संचालित करीब 60 स्टोरों में से ज्यादातर को बंद किए जाने की तैयारी है। सूत्रों के अनुसार, कुछ दुकानों पर बचा हुआ सामान निकालने की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है।

रिलायंस रिटेल ने अक्टूबर 2021 में 7-इलेवन के साथ समझौते के बाद मुंबई में भारत का पहला 7-इलेवन स्टोर शुरू किया था। इस साझेदारी का उद्देश्य देश के तेजी से बढ़ते खुदरा बाजार में सुविधा स्टोर के कारोबार को विस्तार देना था। 7-इलेवन दुनिया के प्रमुख सुविधा स्टोर ब्रांडों में शामिल है और कई देशों में इसका बड़ा नेटवर्क है। हालांकि भारत में कारोबार को उम्मीद के मुताबिक लाभ नहीं मिल सका।

मामले से परिचित लोगों के हवाले से सामने आई जानकारी के अनुसार, स्टोरों से पर्याप्त मुनाफा नहीं मिलने के कारण साझेदारी को आगे बढ़ाना मुश्किल हो गया। हालांकि 7-इलेवन भारतीय बाजार से पूरी तरह बाहर निकलने के बजाय किसी अन्य स्थानीय साझेदार के साथ कारोबार जारी रखने की संभावना तलाश सकता है। इस संबंध में अभी अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। यदि नया साझेदार मिलता है तो भारत में 7-इलेवन के कुछ स्टोर आगे भी संचालित हो सकते हैं।

सेंसेक्स 473 अंक चढ़ा, निफ्टी भी 134 अंक उछला

एजेंसी, मुंबई। शेयर बाजार में लगातार चार कारोबारी दिनों की गिरावट के बाद सोमवार, 5 अक्टूबर को तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स 473 अंक चढ़कर 72,382 के स्तर पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 134 अंक की बढ़त के साथ 22,556 पर पहुंच गया। बाजार में बैंकिंग, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं और एफएमसीजी कंपनियों के शेयरों में खरीदारी का जोर रहा। इस बीच ओरिएंट केबल्स के शेयर ने शानदार शुरुआत की। कंपनी का शेयर बीएसई पर 65 प्रतिशत की बढ़त के साथ 448.10 रुपये और एनएसई पर 65.44 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ 450 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। इसका निर्गम मूल्य 272 रुपये था।



एवरेस्ट जीरा पाउडर पर एफएसएसएआई सख्त

कीटनाशक अवशेष मिलने के बाद हुई एवरेस्ट जीरा पाउडर पर कार्रवाई

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और उपभोक्ताओं की सेहत को ध्यान में रखते हुए लोकप्रिय मसाला ब्रांड एवरेस्ट के जीरा पाउडर के एक विशेष बैच को बाजार से वापस मंगाने का आदेश दिया है। नियामक के अनुसार, गोवा स्थित एक व्यावसायिक परिसर से लिए गए प्री-पैक्ड जीरा पाउडर के नमूने की जांच मानक और रेफरल प्रयोगशालाओं में कराई गई थी। जांच के दौरान उत्पाद में निर्धारित सीमा से अधिक कीटनाशक अवशेष पाए गए। इसके बाद संबंधित उत्पाद को असुरक्षित घोषित करते हुए कार्रवाई की गई।

एफएसएसएआई के मुताबिक, प्रभावित उत्पाद का बैच नंबर ई080668761 है। प्राधिकरण ने उपभोक्ताओं को सलाह दी है कि यदि उनके घर या रसोई में एवरेस्ट का जीरा पाउडर रखा है, तो पैकेट पर अंकित बैच नंबर की जांच जरूर करें। यदि वह प्रभावित बैच से मेल खाता है, तो उसका इस्तेमाल न करें। नियामक ने निर्माता कंपनी को अपना पक्ष रखने का अवसर भी दिया था। हालांकि, रेफरल प्रयोगशाला में हुई जांच में भी मानकों के उल्लंघन की पुष्टि होने के बाद उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य को देखते हुए उत्पाद को वापस लेने का निर्णय किया गया।



- एवरेस्ट जीरा पाउडर के बैच नंबर ई080668761 के इस्तेमाल पर लगी रोक

एफएसएसएआई की इस कार्रवाई से खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और सुरक्षा को लेकर निगरानी व्यवस्था के और सख्त होने का संकेत मिला है। प्राधिकरण ने उपभोक्ताओं से किसी भी पैकेज्ड खाद्य उत्पाद को खरीदने से पहले उसकी पैकेजिंग, बैच नंबर, निर्माण तिथि और अन्य आवश्यक विवरणों की जांच करने की अपील की है।

आज से महंगी होंगी इंडिगो की उड़ानें

घरेलू उड़ानों में 1300, इंटरनेशनल में 10,000 तक ज्यादा देने होंगे

एजेंसी, नई दिल्ली

विमान ईंधन की बढ़ती कीमतों का असर अब हवाई यात्रियों की जेब पर भी पड़ने वाला है। देश की प्रमुख बजट एयरलाइन इंडिगो ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर ईंधन अधिभार बढ़ाने की घोषणा की है। संशोधित शुल्क 6 अक्टूबर से लागू होगा। इसके बाद इंडिगो से हवाई सफर करने वाले यात्रियों को पहले की तुलना में अधिक किराया चुकाना पड़ेगा।

कंपनी के अनुसार, घरेलू उड़ानों में दूरी के आधार पर ईंधन अधिभार में 100 रुपये से लेकर 350 रुपये तक की बढ़ोतरी की गई है। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए भी ईंधन अधिभार में वृद्धि की गई है। इंडिगो ने बताया कि विमान ईंधन यानी एविएशन टर्बाइन फ्यूल की कीमतों में लगातार इजाफा हो रहा है। हाल में इसकी कीमत में मासिक आधार पर 14 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है।

एयरलाइन ने कहा कि एटीएफ विमानन कंपनियों की परिचालन लागत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसकी कीमत बढ़ने से उड़ानों के संचालन की लागत पर सीधा प्रभाव पड़ता है। मौजूदा परिस्थितियों में बढ़ती ईंधन लागत का असर इंडिगो की लागत संरचना और उड़ान नेटवर्क की आर्थिक स्थिति पर भी पड़ रहा है। इसी को देखते हुए कंपनी ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए ईंधन अधिभार में बदलाव किया है।



किराये पर असर

एयरलाइन ने कहा कि एटीएफ विमानन कंपनियों की परिचालन लागत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसकी कीमत बढ़ने से उड़ानों के संचालन की लागत पर सीधा प्रभाव पड़ता है। मौजूदा परिस्थितियों में बढ़ती ईंधन लागत का असर इंडिगो की लागत संरचना और उड़ान नेटवर्क की आर्थिक स्थिति पर भी पड़ रहा है। इसी को देखते हुए कंपनी ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए ईंधन अधिभार में बदलाव किया है। इंडिगो का यह फैसला ऐसे समय आया है जब हवाई यात्रा की मांग लगातार बनी हुई है। ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी का असर आने वाले दिनों में अन्य विमानन कंपनियों के किराये पर भी दिखाई दे सकता है। यात्रियों के लिए इसका मतलब है कि त्योहारी और यात्रा के व्यस्त मौसम में हवाई सफर का खर्च पहले की तुलना में बढ़ सकता है।

जीएसटी 2.0 जीएसटी परिषद छोटे कारोबारियों के लिए कर प्रक्रिया करेगी आसान

जीएसटी परिषद की बैठक सात अक्टूबर को

एजेंसी, नई दिल्ली

माल एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की 57वीं बैठक सात अक्टूबर को नई दिल्ली में होगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में कारोबारियों के लिए कर अनुपालन को आसान बनाने और जीएसटी व्यवस्था में प्रक्रियागत सुधारों से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विचार किया जा सकता है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, बैठक में अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था को अधिक सरल और प्रभावी बनाने की दिशा में बड़े फैसले संभव हैं।

सूत्रों के मुताबिक, प्रस्तावित सुधारों में कर अधिकारियों के सीधे गिरफ्तारी के अधिकार में बदलाव और फर्जीवाड़े से जुड़े आपराधिक मामलों में कार्रवाई की सीमा बढ़ाने का मुद्दा शामिल है।



कारोबारियों को आईटीसी में राहत

इसके अलावा इनपुट टैक्स क्रेडिट यानी आईटीसी से जुड़े नियमों को अधिक व्यावहारिक बनाने पर भी चर्चा हो सकती है। सरकार का उद्देश्य वास्तविक कारोबारियों और खरीदारों को अनावश्यक विवादों से बचाते हुए कर व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ाना है।

कर विवाद घटाने पर जीएसटी का जोर

जीएसटी 2.0 के तहत प्रस्तावित इन सुधारों का उद्देश्य पंजीकरण और रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया को सरल बनाना, माल की आवाजाही सुगम करना तथा करदाताओं और कर अधिकारियों के बीच विवादों को कम करना है।

छोटे ई-कॉमर्स विक्रेताओं को जीएसटी राहत

बैठक में छोटे ई-कॉमर्स विक्रेताओं के लिए जीएसटी पंजीकरण की प्रक्रिया आसान बनाने का प्रस्ताव भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसके तहत ऐसे विक्रेताओं को ई-कॉमर्स मंचों के गोदामों का उपयोग करने की अनुमति देने पर विचार हो सकता है। इससे छोटे व्यापारियों के लिए डिजिटल माध्यम से कारोबार बढ़ाना आसान होगा